नई दिल्ली । मंगलवार, 04 अगस्त, 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक : 210/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल हर उस एथलीट पर गर्व है, जिन्होंने तिरंगे के... | @ विचार एक 'वह' आंदोलन एक 'यह' आंदोलन.... | @ व्यापार मुथूट फाइनेंस के शेयरों में 14% से ज्यादा गिरावट...

भाजपा के गढ़ में पीके का जलवा

गुजरात में भाजपा का लहराया परचम, दतिया में कांग्रेस जीती

एजेंसी ■ पटना/भोपाल/अहमदाबाद

बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के रिजल्ट आ गए हैं। एमपी के दतिया में कांग्रेस और गुजरात में भाजपा जीत गई है।

बिहार के बांकीपुर में नितिन नवीन की सीट पर प्रशांत किशोर जीत गए हैं। जन सुराज पार्टी के फाउंडर प्रशांत किशोर 19,324 वोटों से जीते हैं। प्रशांत को 64,151 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार को 44,827 वोट मिले हैं। बांकीपुर सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की पारंपरिक सीट है। वे यहां से लगातार 5 बार विधायक रहे हैं। उनके राज्यसभा जाने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया।

काउंटिंग के दौरान चुनाव आयोग की वेबसाइट पर कुछ गड़बड़ देखने को मिली। सुबह से वेबसाइट पर 31 राउंड की काउंटिंग बताई जा रही थी। 31 राउंड पूरे होते ही पहले 32 और फिर 36 राउंड काउंटिंग दिखाई जाने लगी। बाद में फिर 32 राउंड की काउंटिंग दिखा दी गई।

इधर, मध्यप्रदेश के दतिया में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने

6,016 वोटों से जीत दर्ज की। भाजपा ने यहां पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था।

आशुतोष नरोत्तम मिश्रा के पोलिंग बूथ पर भी नहीं जीत पाए।

गुजरात के मांजलपुर में भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने 30630 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को हराया। तीनों सीटों पर 30 जुलाई को वोटिंग हुई थी।

जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में 64,151 वोट (49.23%) हासिल कर जीत दर्ज की। भाजपा के नीरज कुमार को 44,827 वोट (34.40%) मिले। दोनों के बीच जीत का अंतर 19,324 वोट रहा। राजद की रेखा कुमारी 14,273 वोट (10.95%) के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। भाजपा और राजद को मिलाकर 59,100 वोट मिले, जो अकेले प्रशांत किशोर के वोटों से 5,051 कम हैं। यह उनकी मजबूत बढ़त को दिखाता है।

चुनाव में कुल 1,30,313 वोट पड़े। इनमें से लगभग हर दूसरा वोट प्रशांत किशोर के पक्ष में गया। NOTA को 646 वोट (0.50%) मिले। वहीं, शीर्ष तीन उम्मीदवारों के बाद कोई भी प्रत्याशी 1,000 वोट तक नहीं पहुंच सका। चौथे स्थान पर रहे मनोरंजन कुमार श्रीवास्तव को 973 वोट (0.75%) मिले।

दतिया में एएसपी ने कांग्रेस के वोट काटे, लेकिन फिर भी जीत

कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने दतिया उपचुनाव में 66,757 वोट (42.39%) हासिल कर जीत दर्ज की। भाजपा के आशुतोष तिवारी को 60,741 वोट (38.57%) मिले। दोनों के बीच जीत का अंतर 6,016 वोट रहा। तीसरे स्थान पर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के दामोदर यादव 'मंडल' रहे। उन्हें 22,527 वोट (14.30%) मिले। कांग्रेस और भाजपा के बीच मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन आजाद समाज पार्टी ने भी अच्छी-खासी हिस्सेदारी लेकर चुनाव को त्रिकोणीय बनाया। चुनाव में कुल 1,57,499 वोट पड़े। इनमें कांग्रेस और भाजपा को मिलाकर 1,27,498 वोट, यानी करीब 81% वोट मिले। वहीं तीसरे स्थान पर रहे दामोदर यादव को अकेले 14.30% वोट मिले।

गुजरात की मंजलपुर सीट पर भाजपा प्रत्याशी सतीश पटेल जीते

गुजरात के वडोदरा की मंजलपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने 30,499 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को 24,585 वोट मिले। जीत के बाद सतीश पटेल ने कहा कि मंजलपुर की जनता ने जिस तरह योगेश काका को प्यार और समर्थन दिया, उसी तरह मुझे भी आशीर्वाद दिया है। वहीं, भिखाभाई रबारी ने हार स्वीकार करते हुए आरोप लगाया कि मतदान के आखिरी समय में भाजपा ने डर का माहौल बनाया था। 30 जुलाई को हुए उपचुनाव में 37.05% मतदान हुआ था।

गुजरात के वडोदरा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने गरबा किया

गुजरात के वडोदरा में मंजलपुर विधानसभा उपचुनाव की मतगणना के बीच भाजपा उम्मीदवार सतीश पटेल की बढ़त के बीच पार्टी कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। महिला कार्यकर्ताओं ने जीत के समर्थन में नारे लगाए और गरबा डांस किया।

सुरक्षित शिपिंग के लिए ईरान ओमान की नई रणनीति

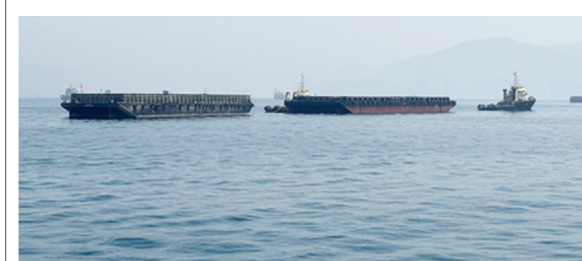

एजेंसी ■ तेहरान

होर्मुज जलमार्ग के बंद होने को लेकर ईरान और ओमान के बीच मतभेद नहीं है। ईरान और ओमान के बीच चल रही बातचीत का मुख्य मकसद ही होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए एक अस्थायी मार्ग तय करना है। यह बात ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सोमवार को साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही।

बाघेई ने कहा, 'बातचीत इस विचार पर केंद्रित है कि दक्षिणी मार्ग, जो ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजरता है, और उत्तरी मार्ग ईरान के क्षेत्रीय जल से होकर जाता है, दोनों मिलकर एक मध्यवर्ती मार्ग में बदल जाएं।'

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, उन्होंने बताया कि चर्चा दो या तीन अलग-अलग रास्तों पर नहीं, बल्कि आने-जाने के लिए एक ही कॉरिडोर पर हो रही है। यह मध्यवर्ती मार्ग अस्थायी रूप से इस्तेमाल किया जाएगा, जब तक कि कोई स्थायी मार्ग तय नहीं हो जाता। बाघेई ने कहा कि जलमार्ग के बंद होने की वजह ईरान और ओमान के बीच कोई मतभेद नहीं है, बल्कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की 'सैन्य आक्रामकता' है। उन्होंने कहा कि जब तक वॉशिंगटन ईरान के खिलाफ अपनी 'दुर्भावनापूर्ण' कार्रवाइयां जारी रखेगा, तब तक होर्मुज स्ट्रेट की मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव नहीं होगा। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की जानकारी के अनुसार, रविवार को तेहरान में कैबिनेट की बैठक के दौरान ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान और ओमान के बीच चल रही बातचीत अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। बाघेई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हाल ही में एक ईरानी जहाज पर हुए हमले के लिए यूक्रेन को जवाबदेह ठहराने के लिए ईरान हर जरूरी कदम उठाएगा। 25 जुलाई को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया था कि यूक्रेनी सेना ने कैस्पियन सागर में एक रूसी युद्धपोत और उन जहाजों को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल ईरान से जुड़े सैन्य सामान की ढुलाई के लिए किया जा रहा था।

जंतर-मंतर प्रदर्शन; सरकार ने कहा- स्टूडेंट्स पर केस नहीं होगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि नीट पेपर लीक को लेकर विरोध करने वाले छात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को कहा, 'सरकार अपने वादे पर कायम है। छात्रों के खिलाफ कोई एफआईआर नहीं होगी।'

मेहता ने ये भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान गंभीर अपराधों को लेकर जिन 2700 से ज्यादा लोगों पर स्न्ढ्ढक्र दर्ज हुई हैं, इन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। कॉकरोच जनता पार्टी ने इस मसले पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था। उनकी 3 मांगें थी, जो सरकार ने मान ली थीं। इनमें एक मांग यह भी थी कि सरकार विरोध प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगी। मामले पर अब 18 अगस्त को सुनवाई होगी। कोर्ट बोला- जिन जवानों ने सख्ती की, उन्हें न बचाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान पुलिस पर बर्बरता का आरोप लगाया गया है। वकील वृंदा ग्रोवर ने पूछा कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज स्न्ढ्ढक्र वापस ली जाएंगी या रद्द की जाएंगी। इस पर मेहता ने कहा कि कानूनी तौर पर जो भी तरीका सही हो, सरकार अपने वादे पर कायम है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कोई पुलिस अधिकारी जरूरत से ज्यादा बल का इस्तेमाल करता है, तो उसे बेवजह बचाया नहीं जाना चाहिए।

पहलगाम, जोजिला और शोपियां में बादल फटने से तबाही, एक की मौत

एजेंसी ■ जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में खराब मौसम और प्राकृतिक आपदाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। सोमवार को पहलगाम, जोजिला और शोपियां में बादल फटने की अलग-अलग घटनाओं से जहां प्रमुख सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं और रिहायशी इलाकों में पानी भर गया, वहीं सोनमर्ग में भूस्खलन की घटना सामने आई है। प्रशासन और बचाव दल लगातार राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। वहीं अधिकारियों ने बताया कि कुपवाड़ा जिले के लोलाब इलाके में नसीमा बेगम (52) बादल फटने के कारण आई अचानक बाढ़ में उस समय बह गईं, जब वह एक उफनते नाले पर बनी पुलिया को पार करने की कोशिश कर रही थीं। बाद में उनका शव निचले इलाके में शाहाबाद के पास से बरामद किया गया।

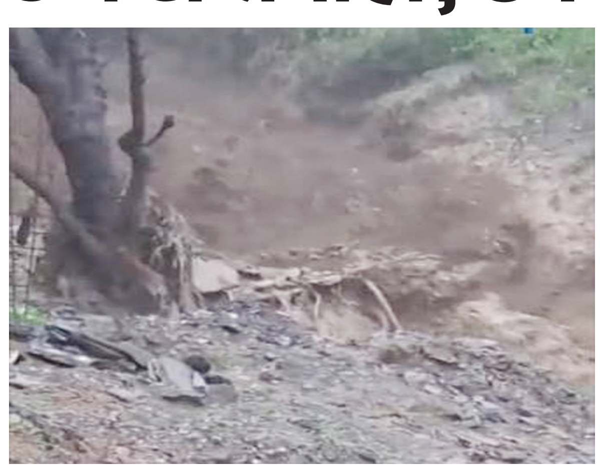

शोपियां: बदरहामा में घरों में घुसा पानी, ग्रामीणों ने की सुरक्षा बांध की मांग

श्रीनगर-लेह और पहलगाम के अलावा दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में भी कुदरत का कहर देखने को मिला। पहलपोरा और हीरपोरा में बादल फटने की घटनाओं के महज दो दिन बाद, सोमवार दोपहर बदरहामा गांव में बादल फट गया।

घरों में जलभराव

अचानक आए पानी के तेज बहाव के कारण कई रिहायशी घरों में पानी घुस गया, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों युवा, महिलाएं और बच्चों ने मिलकर पानी का रुख मोड़ने का काम किया ताकि नुकसान को कम किया जा सके। शोपियां के विधायक, एडवोकेट शब्बीर अहमद कुल्लय ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

ग्रामीणों ने विधायक से शिकायत की कि प्रशासन से कई बार सुरक्षा बांध बनाने की गुहार लगाई गई थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने भविष्य में ऐसी आपदाओं से बचने के लिए तुरंत एक स्थायी तटबंध बनाने की मांग की है।

सोमवार को ही जोजिला इलाके में बादल फटने की घटना के कारण रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण श्रीनगर-लेह राजमार्ग को यातायात के लिए बंद करना पड़ा है। बादल फटने से सड़क पर भारी मलबा आ गया, जिससे स्थिति असुरक्षित हो गई। अधिकारियों ने तुरंत प्रभाव से वाहनों की आवाजाही रोक दी है। नुकसान का आकलन करने और सड़क से मलबा हटाने के लिए रेस्टोरेशन (बहाली) टीमों को प्रभावित हिस्से पर भेज दिया गया है।

महिला पहलवान यौन शोषण केस में बृजभूषण सिंह बरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया। सोमवार को फैसले के वक्त पूर्व सांसद बृजभूषण और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व सचिव विनोद तोमर कोर्ट में मौजूद रहे।

फैसले के बाद बृजभूषण ने कहा- जज ने कहा कि बृजभूषण और विनोद तोमर आप लोगों को बाइज्जत बरी किया जाता है। मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है। होइहि सोइ जो राम रचि राखा।

कोर्ट के फैसले के बाद पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा- हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती देंगे। यौन शोषण का यह मामला जनवरी 2023 में सामने आया था। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक समेत कई पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया था। बृजभूषण तब WFI प्रेसिडेंट थे। आरोप था कि नाबालिग समेत 6 महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ शिकायत की थी, इसमें एक नाबालिग थी। लेकिन कोई स्न्ढ्ढक्र दर्ज नहीं हुई। सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद अप्रैल 2023 में स्न्ढ्ढक्र दर्ज की गई। बाद में नाबालिग पहलवान ने शिकायत वापस ले ली थी। फैसले के बाद बृजभूषण कोर्ट से बाहर आए। हाथ जोड़कर बोले- आज खुशी का दिन है। फैसले के बाद बृजभूषण कोर्ट से बाहर आए। हाथ जोड़कर बोले- आज खुशी का दिन है।

तीर तेवर

सागर कुमार

युद्ध की आग में झुलसती वैश्विक अर्थव्यवस्था

अमेरिका-ईरान संघर्ष ने दुनिया को महंगाई, मंदी और अनिश्चितता के मुहाने पर ला खड़ा किया

सुजीत कुमार
प्रधान संपादक - विश्व केसरी

अमेरिका और ईरान के बीच महीनों से जारी टकराव अब केवल सैन्य या कूटनीतिक संकट नहीं रह गया है। इसका सबसे बड़ा शिकार वैश्विक अर्थव्यवस्था बन रही है। युद्ध भले ही हजारों किलोमीटर दूर लड़ा जा रहा हो, लेकिन उसकी कीमत दुनिया का हर उपभोक्ता, हर उद्योग और हर विकासशील देश चुका रहा है। यह संघर्ष एक बार फिर साबित कर रहा है कि आधुनिक दुनिया में युद्ध की गोलियां सीमाओं पर चलती हैं, लेकिन उनके आर्थिक विस्फोट पूरी दुनिया को झकझोर देते हैं।

इस पूरे संकट का सबसे बड़ा केंद्र स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ है, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का समुद्री तेल व्यापार गुजरता है। इस जलमार्ग में व्यवधान आते ही कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा गया। हालांकि हाल के दिनों में संभावित वार्ता की खबरों से कीमतों में कुछ नरमी आई है, लेकिन बाजार में अनिश्चितता अब भी बनी हुई है।

तेल महंगा होने का अर्थ केवल पेट्रोल-डीजल महंगा होना नहीं है। परिवहन, विमानन, उर्वरक, बिजली उत्पादन, प्लास्टिक, रसायन और खाद्य उत्पादन—सभी की लागत बढ़ जाती है। परिणामस्वरूप महंगाई की नई लहर पैदा होती है। दुनिया भर के केंद्रीय बैंक ब्याज दरें घटाने के बजाय उन्हें ऊंचा बनाए रखने को मजबूर हो सकते हैं, जिससे निवेश, रोजगार और आर्थिक वृद्धि पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों के लिए यह संकट और भी गंभीर है। देश अपनी तेल आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है। यदि कच्चा तेल लंबे समय तक महंगा रहता है तो आयात बिल बढ़ेगा, चालू खाते का घाटा गहराएगा, रुपया दबाव में आएगा और सरकार पर ईंधन तथा उर्वरक सब्सिडी का बोझ बढ़ेगा। अंततः इसका असर आम नागरिक की जेब पर पड़ेगा—महंगे परिवहन, महंगी सब्जियां, महंगा राशन और महंगी रोजमर्रा की जिंदगी के रूप में।

युद्ध का दूसरा बड़ा दुष्प्रभाव वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ रहा है। समुद्री बीमा प्रीमियम बढ़ रहे हैं, जहाजों के मार्ग बदल रहे हैं और माल ढुलाई की लागत में वृद्धि हो रही है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार जितना महंगा होगा, उतना ही महंगा उपभोक्ता बाजार भी होगा। कोविड महामारी के बाद जिस वैश्विक अर्थव्यवस्था ने धीरे-धीरे गति पकड़नी शुरू की थी, उस पर यह नया झटका भारी पड़ सकता है।

विडंबना यह भी है कि जहां आम नागरिक और आयातक देश संकट झेलते हैं, वहीं कई बड़ी ऊर्जा कंपनियों के मुनाफे बढ़ जाते हैं। ऊंचे तेल दाम कुछ उत्पादक देशों और तेल कंपनियों के लिए अवसर बन जाते हैं, जबकि दुनिया का बड़ा हिस्सा महंगाई और आर्थिक अस्थिरता से जूझता है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि युद्ध के आर्थिक दुष्प्रभाव बंदूकें शांत होने के बाद भी समाप्त नहीं होते। निवेशकों का विश्वास कमजोर होता है, वित्तीय बाजार अस्थिर रहते हैं और विकास की रफ्तार वर्षों तक प्रभावित हो सकती है। इसलिए अमेरिका और ईरान के बीच किसी भी प्रकार का स्थायी समाधान केवल मध्य-पूर्व की आवश्यकता नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था की अनिवार्य जरूरत है।

विश्व समुदाय को यह समझना होगा कि इक्कीसवीं सदी में युद्ध किसी राष्ट्र की जीत का नहीं, बल्कि पूरी मानवता की आर्थिक हार का दूसरा नाम है। जितनी जल्दी संवाद गोलाबारी की जगह लेगा, उतनी जल्दी दुनिया महंगाई, अस्थिरता और आर्थिक अनिश्चितता के इस दुष्चक्र से बाहर निकल सकेगी।

केंद्र सरकार ने लोकसभा में बैंकर्स बुक्स एविडेंस और इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट बिल पेश किए

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026' और 'इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट बिल, 2026'को पेश किया।

'बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026' को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया, जबकि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राव इंद्रजीत सिंह ने 'इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट बिल, 2026' पेश किया।

सरकार इन दोनों बिल के जरिए औपनिवेशिक दौर के एक कानून की जगह एक नया कानून ला रही है। इसका मकसद बैंकिंग रिकॉर्ड तक बिना रोक-टोक पहुंच के बजाय, बेहतर और सटीक न्यायिक निगरानी पर जोर देना है। साथ ही, यह बैंकों को गैर-जरूरी कानूनी कार्यवाही से बचाते हुए बैंकिंग सबूतों तक पहुँच बनाए रखने की कोशिश करता है।

बैंकर बुक्स एविडेंस बिल, 2026 के जरिए सरकार बैंकर बुक्स एविडेंस एक्ट, 1891 की जगह नया कानून लाना चाहती है। पुराने कानून ने 125 से ज्यादा सालों तक अदालतों में बैंकिंग रिकॉर्ड पेश करने के नियमों को तय किया है।

इस प्रस्तावित कानून का मकसद 'बैंकरों की किताबों से जुड़े सबूतों के लिए कानून बनाना और इसे आज के डिजिटल बैंकिंग तरीकों के हिसाब से ढालना' है।

इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट बिल, 2026 का मकसद संस्थान को 'बॉडी कॉर्पोरेट' के तौर पर शामिल करना है, ताकि इसके कामकाज को बेहतर बनाया जा सके, पढ़ाई-लिखाई और रिसर्च में बेहतरीन काम को बढ़ावा दिया जा सके और इस क्षेत्र की उभरती जरूरतों को पूरा किया जा सके।

बिल में कहा गया है कि भारत के राष्ट्रपति संस्थान के 'विजिटर' होंगे और एक 'बोर्ड ऑफ गवर्नर्स' बनाने का प्रावधान होगा, जो इसकी मुख्य नीति-निर्धारक संस्था होगी। बोर्ड की अध्यक्षता एक चेयरपर्सन करेंगे, जो एकेडमिक्स, इंडस्ट्री, शिक्षा, पब्लिक पॉलिसी और स्टैटिस्टिकल साइंस के क्षेत्र से कोई जाने-माने व्यक्ति होंगे।

इस बीच, नीट पेपर लीक के खिलाफ विरोध कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई और राम मंदिर दान में कथित चोरी के मुद्दों पर विपक्ष के सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई, जिससे सदन में प्रश्नकाल नहीं हो सका।

ई-20 पेट्रोल के विरोध में 4 अगस्त को पीएम आवास तक मार्च करेंगे अरविंद केजरीवाल

विश्व केसरी ■

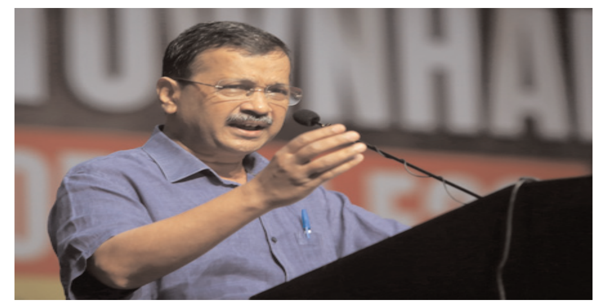

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की है कि ई-20 पेट्रोल नीति के विरोध में मंगलवार को वह पार्टी के 100 कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च करेंगे।

उनका कहना है कि इस दौरान प्रधानमंत्री के नाम तैयार की गई ऑनलाइन याचिका और जनता के पत्र उन्हें सौंपने का प्रयास किया जाएगा। केजरीवाल ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री उनसे मुलाकात करेंगे और इस मुद्दे पर लोगों की चिंताओं को सुनेंगे।

अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि ई-20 पेट्रोल के खिलाफ शुरू किए गए ऑनलाइन अभियान को कुछ ही दिनों में 2,33,238 लोगों का समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि इतने लोगों ने प्रधानमंत्री के नाम याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं, जो इस नीति को लेकर जनता की चिंता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि वह मंगलवार दोपहर 12 बजे आम आदमी पार्टी मुख्यालय से प्रधानमंत्री आवास के लिए रवाना होंगे। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि उन्होंने लगभग एक महीने पहले प्रधानमंत्री से मिलने के लिए समय मांगा था, लेकिन अब तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि अब वह स्वयं प्रधानमंत्री आवास जाकर लोगों की ओर से तैयार की गई याचिका और पत्र सौंपने का प्रयास करेंगे तथा इस विषय पर चर्चा करना चाहेंगे। केजरीवाल ने केंद्र सरकार की ई-20 नीति पर कई सवाल उठाए। उनका आरोप था कि सरकार बिना पर्याप्त वैज्ञानिक और तकनीकी जवाब दिए देशभर में ई-20 पेट्रोल को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

उन्होंने दावा किया कि इस ईंधन के उपयोग से लोगों की गाड़ियों की माइलेज प्रभावित हो रही है और कई वाहन मालिकों को तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली मेयर के ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी, लाल किले में चला तलाशी अभियान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियां ??सोमवार को हरकत में आ गईं और लाल किले के आसपास के पूरे इलाके की तलाशी ली। दिल्ली के मेयर के ऑफिस को भेजे गए एक ईमेल में 15 अगस्त को इस मशहूर स्मारक पर कई बम धमाकों की धमकी दी गई थी।

जैसे ही मेयर के ऑफिस को ईमेल से बम से उड़ाने की धमकी मिली, उन्होंने दिल्ली पुलिस और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया।

अधिकारी ने बताया कि अलर्ट मिलने के तुरंत बाद पुलिसकर्मी, बम निरोधक दस्ते और दूसरी सुरक्षा टीमें लाल किले पहुंचीं और पूरे इलाके की अच्छी तरह से जांच-पड़ताल की।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि बम की धमकी की जानकारी मिलने के बाद इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई और जांच शुरू कर दी गई।

सूत्रों के मुताबिक, जांच करने वाले ईमेल भेजने वाले की पहचान और उसके सोर्स का पता लगाने की कोशिश कर रहे थे।

11 जुलाई को भी लाल किले को निशाना बनाकर ऐसी ही बम की धमकी दी गई थी, जिसके बाद बड़ी सुरक्षा कार्रवाई की गई थी। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने स्मारक की गहन तलाशी ली थी और बाद में धमकी को झूठा करार दिया।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, पिछले महीने मिली धमकी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में आए एक फोन कॉल से जुड़ी थी, जिसमें कॉलर ने दावा किया था कि लाल किले को उड़ा दिया जाएगा। मुंबई पुलिस ने तुरंत यह जानकारी दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को दी, जिसने नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट पुलिस को सुरक्षा उपाय शुरू करने के लिए अलर्ट किया।

इलाके की अच्छी तरह से जांच करने के बाद पुलिस अधिकारियों को कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली और उन्होंने पुष्टि की कि धमकी झूठी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे, जब देश अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा।

सरकार ने नागरिकों से पीएम मोदी के आगामी स्वतंत्रता दिवस संबोधन के लिए अपने विचार, इनपुट और नीतिगत सुझाव साझा करने को कहा है। जनता के विचार भेजने के लिए माईगव पोर्टल पर 12 अगस्त तक का समय दिया गया है।

कर्नाटक मंत्रिमंडल में वरिष्ठ नेताओं को नहीं मिली जगह, एसएस मल्लिकार्जुन अंतिम समय में शामिल

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल विस्तार लिस्ट में कांग्रेस नेतृत्व द्वारा अंतिम समय में किए गए बदलावों से सोमवार को पार्टी के भीतर कुछ असंतोष पैदा हो गया। कई निराश विधायकों ने विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा देने की धमकी दी, समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया और एक पार्टी कार्यकर्ता ने विरोध में जहर खा लिया।

कांग्रेस हाई कमान ने शपथ ग्रहण समारोह से ठीक पहले मनकल एस. वैद्य को मंत्रियों की अंतिम लिस्ट से हटाकर पूर्व मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन को शामिल कर लिया है। मध्य कर्नाटक के वरिष्ठ लिंगायत नेता मल्लिकार्जुन को मंत्रिमंडल में शामिल करना पार्टी द्वारा मंत्रिमंडल में क्षेत्रीय और सामुदायिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा माना जा रहा है।

अंतिम समय में हुए फेरबदल से कई उम्मीदवार बेहद नाराज हो गए।

विधायक यशवंत रायगौड़ा पाटिल ने घोषणा की कि उन्होंने अपना इस्तीफा तैयार कर लिया है और अंतिम समय तक मंत्रिमंडल में पद दिए जाने के आश्वासन मिलने के बावजूद अंतिम सूची से हटाए जाने के बाद वे इसे विधानसभा अध्यक्ष को सौंप देंगे।

पाटिल ने पत्रकारों से कहा, 'यह एक बड़ी साजिश है। मेरा नाम हटाए जाने से पता चलता है कि ईमानदार और निष्ठावान पार्टी कार्यकर्ताओं का समय नहीं है। कल तक नेतृत्व ने मुझे बताया था कि मेरा नाम सूची में है और शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयार रहने को कहा था। आखिरी समय में मेरा नाम हटा दिया गया। मैं अपने समर्थकों को क्या बताऊं? 'उन्होंने दावा किया कि सोमवार सुबह हुई एक बैठक के बाद अंतिम लिस्ट में बदलाव किया गया और रणदीप सिंह सुरजेवाला, सिद्दारमैया और मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सहित सीनियर नेताओं ने बाद में उनके जिले के विधायकों को सूचित किया कि मंत्री एमबी पाटिल और शिवानंद पाटिल को शामिल किया गया है और उन पर बाद के चरण में विचार किया जाएगा। पाटिल ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि आजादी के बाद से उनके निर्वाचन क्षेत्र को कभी भी मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। उन्होंने कहा, 'दिल्ली में कई बैठकें हुई और सब कुछ सकारात्मक रहा। मैं उन लोगों के साथ नहीं रह सकता, जिन्होंने मुझे धोखा दिया। मैं 40 वर्षों से सक्रिय राजनीति में हूं और आठ चुनाव लड़ चुका हूं। मैंने पिछले दो दशकों में अपने निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस को मजबूत बनाया है। वर्तमान नेतृत्व में बने रहने का कोई अर्थ नहीं है। पाटिल ने कहा कि उन्होंने अपना इस्तीफा सौंपने के लिए अध्यक्ष से मिलने का समय मांगा था।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र .....33991..../ न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026

रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र 33991

वार्ड का नाम 31 नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 31 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी RP R328J00098 जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **RAMESH RAO BISEN** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE SHRI H.R. BISEN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SHATRUGHAN SWARNKAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE. RAMBALI PRASAD SWARNKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर) जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

वैश्विक ऊर्जा और वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से बढ़ी थोक महंगाई: सरकार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को संसद में बताया कि जून में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई इन्फ्लेशन) में बढ़ोतरी का मुख्य कारण वैश्विक बाजार में ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतें रहीं। खनिज तेल, खाद्य पदार्थ, धातु, रसायन और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी का असर थोक महंगाई पर पड़ा है।

लोकसभा में एक लिखित जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि सरकार महंगाई को नियंत्रित करने और आम लोगों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। इन उपायों के कारण खुदरा महंगाई (सीपीआई) को काफी हद तक नियंत्रण में रखने में सफलता मिली है।

मंत्री ने बताया कि सरकार ने आवश्यक खाद्य वस्तुओं का बफर स्टॉक बढ़ाया है, खुले बाजार में अनाज की बिक्री की है और जरूरत के अनुसार व्यापार नीतियों में बदलाव किए हैं। इन कदमों का उद्देश्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित रखना और उपभोक्ताओं को राहत देना है।

आंकड़ों के अनुसार, मई में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर 9.68 प्रतिशत थी, जो जून में बढ़कर 9.87 प्रतिशत हो गई। हालांकि सरकार का कहना है कि यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से उन वस्तुओं में आई कीमतों की वजह से हुई है, जो वैश्विक बाजार के उतार-चढ़ाव से अधिक प्रभावित होती हैं।

पंकज चौधरी ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पाद, खनिज तेल, खाद्य सामग्री, बेसिक मेटल, रसायन और रासायनिक उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी ने थोक महंगाई को ऊपर धकेला है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा और कमोडिटी की कीमतों में आई तेजी का सीधा असर इन क्षेत्रों पर दिखाई दिया।

किसी भी धर्म से जुड़ी धार्मिक गतिविधि में सरकारी मशीनरी शामिल नहीं होनी चाहिए: टीएस सिंह देव

विश्व केसरी ■

अंबिकापुर । कांग्रेस नेता टीएस सिंह देव ने कहा कि किसी भी धर्म से जुड़ी धार्मिक गतिविधि में सरकारी मशीनरी शामिल नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ने कांवड़ यात्रियों के पैर दबाते पुलिसकर्मियों पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए यह बातें कहीं।

कांग्रेस नेता टीएस सिंह देव ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहते हैं, 'किसी भी धर्म से जुड़ी धार्मिक गतिविधि में सरकारी मशीनरी शामिल नहीं होनी चाहिए। हमने अयोध्या में राम मंदिर के मैनेजमेंट में इसके उदाहरण देखे हैं। इसीलिए धार्मिक मामलों को हमेशा राजनीतिक दुरुपयोग से दूर रखना चाहिए।

उन्?होंने कहा कि वरना, हर बार धर्म और धार्मिक भावनाओं को नुकसान पहुंचेगा।

पुलिस वालों का कांवड़ यात्रियों के पैर दबाना,ऐसी चीज कभी नहीं होनी चाहिए। अगर किसी को उनकी सेवा करने का इतना ही मन है, तो वे अपनी सैलरी से नाई या दूसरे लोगों को ऐसी सेवाएं देने के लिए पैसे दे सकते हैं। वह अलग बात है। लेकिन किसी सरकारी कर्मचारी का ऐसा काम करना सही नहीं है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र .....33990..../ न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026

रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33990

वार्ड का नाम 48 - गुरू घासीदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 48 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी RP R344K00107 जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **NIVESH WELDWARA-SUNIL SAHU** पिता / पति श्री श्रीमती **SHRI SHYAMLAL SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **SAPNA SAH** पिता/पति श्री श्रीमती **SUNIL SAH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। पदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक पा दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर) जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र .....33992.../ न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026

रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र 33992

वार्ड का नाम 48 - गुरू घासीदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 48 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी RPR443C0188A जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **NARAYAN TOLANI, NEHA TOLANI** पिता/पति श्री श्रीमती **LAKHMIC HAND TOLANI, NARAYAN TOLANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती 1. **DINESH DULHANI** 2. **HARSHITA DULHANI** पिता/पति श्री श्रीमती 1. **MOHAN LAL DULHANI** 2. **DINESH DULHANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। पदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर) जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. / 33939/ न. पा. नि. जोन क्र. 7/2026

रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 33939

वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715F00361 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SURESH AGRAWAL** पिता/पति श्री श्रीमती **BABULAL AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती रोहित मित्तल पिता/पति श्री/श्रीमती नरेश कुमार मित्तल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथपत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. / 33924/ न. पा. नि. जोन क्र. 7/2026

रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 33924

वार्ड का नाम 23 - शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR812E0012B जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **DROPATI BAI** पिता/पति श्री श्रीमती **KUNG LAL DUBEY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती कमलेश कुमार शर्मा पित/ पति श्री /श्रीमती स्व बृज बल्लभ शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार पंजीकृत हक़ त्याग विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. / 33918/ न. पा. नि. जोन क्र. 7/2026

रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 33918

वार्ड का नाम 23 - शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RPR812E0012 जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **DROPATI BAI** पिता/पति श्री श्रीमती **KUNG LAL DUBEY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती कमलेश कुमार शर्मा पित/ पति श्री /श्रीमती स्व बृज बल्लभ शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार पंजीकृत हक़ त्याग विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. / 33915/ न. पा. नि. जोन क्र. 7/2026

रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 33915

वार्ड का नाम 23 शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR812E0073A जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती, **MITHILESH KUMAR SHARMA** पिता/पति श्री श्रीमती **BRIJBALLABH PRASAD SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती फणीन्द्र कुमार शर्मा पिता / पति श्री श्रीमती स्व बृजबल्लभ शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत हक़ त्याग विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. / 33912/ न. पा. नि. जोन क्र. 7/2026

रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 33912

वार्ड का नाम 23 शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR812E00012 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHYAMA DEVI SHARMA BEVA** पिता/पति श्री श्रीमती **BRIJBALABH PRASAD SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती कमलेश कुमार शर्मा पिता/पति श्री श्रीमती स्व बृजबल्लभ शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत हक़ त्याग विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
-: : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. / 33916./ न. पा. नि. जोन क्र. 7/2026

रायपुर, दिनांक 03-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 33916

वार्ड का नाम 23 - शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RPR812E00076 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **KAMLESH SHARMA** पिता/पति श्री श्रीमती **BRIJBALABH PRASAD SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती फणीन्द्र कुमार शर्मा पिता/पति श्री श्रीमती स्व वृजबल्लभ शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत हक़ त्याग विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशान के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।'

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

प्रदेश के शिवालयों में जलाभिषेक और दर्शन के लिए भक्तों की लगी कतारें

विश्व केसरी

रायपुर। राजधानी रायपुर से लेकर बस्तर, सरगुजा, गरियाबंद और बिलासपुर तक के प्राचीन और प्रसिद्ध शिव मंदिरों में तड़के से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से पूरा प्रदेश शिवमय हो गया है। श्रद्धालु विधि-विधान से जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि और आरोग्य की कामना कर रहे हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन के महीने में माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। तभी से यह माना जाता है कि सावन मास में जो भी भक्त सच्चे मन से शिव-पार्वती की पूजा करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

सोमवार का दिन विशेष रूप से देवों के देव महादेव को समर्पित है। इस दिन व्रत रखने और शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र व धतूरा अर्पित करने से कुंडली के ग्रह दोष शांत होते हैं और जीवन की तमाम बाधाएं दूर होती हैं। छत्तीसगढ़ में इस पावन अवसर पर कांवड़ यात्रा निकालने और हसदेव समेत विभिन्न पवित्र नदियों के जल से भगवान शिव का अभिषेक करने की गहरी परंपरा है।

रायपुर के हटकेश्वरनाथ और बूढ़ेश्वर मंदिर में विशेष अनुष्ठान

राजधानी रायपुर के ऐतिहासिक महादेव घाट स्थित हटकेश्वरनाथ मंदिर में सावन के पहले सोमवार पर विशेष पूजा रात 2 बजे से ही शुरू हो गई थी। यहां शिवलिंग का गणेश स्वरूप में बहुत ही आकर्षक श्रृंगार किया गया है, जिसके दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी हैं। मान्यता है कि इस प्राचीन मंदिर (जिसे कलचुरी वंश के राजाओं ने बनवाया था) में नंदी के कान में मनोकामना कहने से शिवजी उसे अवश्य पूरा करते हैं। वहीं, बूढ़ा तालाब स्थित बूढ़ेश्वर महादेव मंदिर के पट सुबह 3:30 बजे खोले गए और सुबह 6 बजे भव्य महाआरती संपन्न हुआ।

गरियाबंद के भूतेश्वरनाथ और संभागों के अन्य मंदिर

गरियाबंद के प्रसिद्ध प्राकृतिक भूतेश्वरनाथ महादेव मंदिर में भी सुबह से ही कांवड़ियों और श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। यहां जगह-जगह भंडारों का आयोजन कर कांवड़ियों को भोजन और फल वितरित किए जा रहे हैं। इसके अलावा सरगुजा के ऐतिहासिक देवगढ़ में अर्धनारीश्वर शिव की पूजा के लिए और 10वीं शताब्दी के महेशपुर शिव मंदिर में हजारों भक्तों ने जलाभिषेक किया। बिलासपुर, मनेन्द्रगढ़ (हसदेव नदी के तट पर स्थित मंदिर), रायगढ़ के कोसमनारा बाबाधाम और दंतेवाड़ा के प्रसिद्ध मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर में भी शिव भक्तों की भारी भीड़ जुटी है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बीरपुर में किया जलाभिषेक

श्रावण मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने गृह ग्राम बीरपुर में आयोजित पवित्र कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं के साथ सहभागिता की। राजवाड़े ने बीरपुर स्थित पासंग नाला से श्रद्धापूर्वक पवित्र जल ग्रहण कर कांवड़ यात्रा के साथ भगवान भोलेनाथ के मंदिर तक पदयात्रा की। मंदिर पहुंचकर उन्होंने सपरिवार भगवान शिव का जलाभिषेक, रुद्राभिषेक एवं विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना करते हुए देवाधिदेव महादेव से समस्त छत्तीसगढ़ पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का पावन पर्व है, जो समाज में सकारात्मकता, सद्भाव और लोककल्याण की भावना को सुदृढ़ करता है।

स्मार्ट मीटर बदलने घर घर जाकर आवेदन करवाएगी कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार 1 अगस्त से 30 अगस्त तक स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली के बिल में बेतहाशा वृद्धि से जनता के जेब में पड़ने वाली भार के खिलाफ अभियान चला कर मीटर को बदलकर पुराना मीटर लगाने आवेदन कराया जाएगा ।घर घर जाकर कांग्रेस के कार्यकर्ता द्वाराआवेदन फॉर्म भरवाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही कांग्रेस पार्टी द्वारा पूर्व की तरह 400 यूनिट तक हॉफ बिजली बिल योजना को लागू करने, ।पांच बार बिजली के दरों पर की गई बढ़ोतरी की अंतर की राशि वापस करने ग्रामीण और औद्योगिक तथा शहरी क्षेत्रों में निर्बाध बिजली की आपूर्ति करना। बिजली वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और उपभोक्ता हितेषी करे जाने की मांग करेगी। मीटिंग में ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश ठाकुर पूर्व जिला अध्यक्ष सुभद्रा सलाम, जिला महामंत्री अखिलेश चंदेल, हीरालाल मांझी,मंडल अध्यक्ष रमेश बघेल,शेख शरीफ कुरैशी,दिलीप बघेल, मनोज ध्रुव आदिवासी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष श्रवण दुग्गा सरपंच सुरवाही,तोमेश जोशी एस आई आर प्रभारी, आदि उपस्थित रहे।

आतंकी हमले में मृत मजदूर भूपेन्द्र भैना के परिजनों से विधायक ने की मुलाकात

विश्व केसरी

सरसींवा (राकेश सोनी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में जान गंवाने वाले बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम छुईहा निवासी मजदूर स्व. भूपेन्द्र भैना के परिजनों से विधायक कविता प्राण लहरें ने भेंट-मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान विधायक ने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि परिवार का यह दु:ख शब्दों से परे है। इस कठिन समय में पूरा कांग्रेस परिवार शोकाकुल परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। विधायक कविता प्राण लहरें ने सरकार से मांग की कि आतंकी हमले में मृत स्व. भूपेन्द्र भैना के परिवार को ?1 करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, ताकि संकट की इस घड़ी में परिवार को आर्थिक संबल मिल सके। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है और आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। अंत में उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपार दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

समान नागरिक संहिता पर मांगे गए सुझाव

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की आवश्यकता और इसकी अनुशंसा हेतु समिति का गठन किया गया है। समिति राज्य के व्यक्तिगत सिविल मामलों से संबंधित अचल संपत्तियां और संस्थागत समीक्षाएं। समिति ने इस महत्वपूर्ण विषय पर आम नागरिकों और राज्यों में पर्यटकों के लिए अलग-अलग कर्मचारियों से सिफारिशें और अभिमत मांगे हैं। इसमें फ़ारिज़ा एवं गैर-शासकीय संगठन, सामाजिक समूह एवं समुदाय, धार्मिक संस्थाएँ और राजनीतिक दल शामिल हैं। इच्छुक नागरिक एवं संगठन अपना सुझाव 30 सितंबर 2026 या पहले ई-मेल ucc-chttisgarh@cg.gov.in, UCC वेब पोर्टल https://ucc.cgstate.gov.in/ या डाक के माध्यम से समिति को भेज सकते हैं।

एनालॉग पनीर के निर्माण और बिक्री पर तत्काल रोक

विश्व केसरी

रायपुर। उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य शासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एनालॉग पनीर तथा अन्य डेयरी एनालॉग उत्पादों के निर्माण, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन, वितरण और विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा अधिसूचना जारी की गई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही ने जिले के सभी खाद्य कारोबार संचालकों, डेयरी उत्पाद निर्माताओं, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं से शासन के निर्देशों का अक्षरश: पालन करने की अपील की है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अनुसार यह निर्णय खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लिया गया है। विभागीय परीक्षण, प्रयोगशाला विश्लेषण एवं जोखिम मूल्यांकन में यह सामने आया कि कुछ उत्पाद वास्तविक दूध से निर्मित नहीं होने के बावजूद उन्हें पनीर, क्रीम, मक्खन अथवा अन्य दुग्ध उत्पादों के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था। इससे उपभोक्ताओं के भ्रमित होने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई थी।

प्रतिबंध के दायरे में ऐसे सभी उत्पाद शामिल किए गए हैं, जिनमें दूध के स्थान पर वनस्पति वसा, वनस्पति तेल अथवा अन्य गैर-दुग्ध अवयवों का उपयोग किया गया हो, अथवा जिनकी लेबलिंग, पैकेजिंग या प्रदर्शन इस प्रकार किया गया हो कि वे वास्तविक दुग्ध उत्पाद प्रतीत हों। शासन का उद्देश्य उपभोक्ताओं को भ्रामक उत्पादों से बचाना तथा खाद्य बाजार में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।

हालांकि, विभाग ने स्पष्ट किया है कि फ्रोजन डेजर्ट, प्रोसेस्ड चीज़ तथा मिक्स्ड फैट स्प्रेड जैसे वे उत्पाद, जिनके लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के मानक निर्धारित हैं और जिनकी विधिवत लेबलिंग की जाती है, इस प्रतिबंध के दायरे में शामिल नहीं होंगे। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि यह प्रतिबंध राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित होने की तिथि से एक वर्ष अथवा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा अंतिम नियम जारी किए जाने तक, जो भी पहले हो प्रभावी रहेगा। इस अवधि में विभाग द्वारा निरीक्षण एवं निगरानी की कार्रवाई भी की जाएगी, ताकि प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। विभाग ने जिले के सभी डेयरी उत्पाद निर्माताओं, वितरकों, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं से उपभोक्ता हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शासन के निर्देशों का पूर्णत: पालन करने का आग्रह किया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि प्रतिबंधित उत्पादों के निर्माण, भंडारण अथवा विक्रय की स्थिति में संबंधित प्रावधानों के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। शासन का यह निर्णय खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

झेरिया यादव समाज महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष बनीं सैलाना बी एल यादव

विश्व केसरी

सरसींवा (राकेश सोनी)। झेरिया यादव समाज महिला प्रकोष्ठ की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सैलाना यादव बी एल यादव ने अपनी नियुक्ति पर समाज के सभी पदाधिकारियों एवं मातृशक्ति के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि प्रांतीय अध्यक्ष जगनिक यादव, भगत सिंह यादव, झेरिया यादव समाज (पंजीयन क्रमांक 5066) की प्रदेश प्रबंधकारिणी, सभी जिला अध्यक्षों, महानगर, नगर, तहसील, केंद्र एवं परिक्षेत्र के पदाधिकारियों तथा समाज की मातृशक्ति ने उन पर विश्वास जताकर जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए वे सभी की हृदय से आभारी हैं।

सैलाना यादव ने विश्वास दिलाया कि वे प्रदेश अध्यक्ष के दायित्व का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि वे तन, मन और धन से समाज की सेवा करते हुए समाज में एकता, शिक्षा, संगठन, विकास और मजबूती के लिए निरंतर कार्य करेंगी।

उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के उत्थान पर जोर देते हुए कहा कि समाज की मातृशक्ति को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने, उन्हें संगठित करने, शिक्षा एवं आत्मनिर्भरता के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

भाजपा महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी बैठक, सावन उत्सव में झूमीं उठी नेत्रियां

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की कवर्धा जिला इकाई की प्रथम जिला कार्यकारिणी बैठक का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। बैठक में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री एवं दुर्ग संभाग प्रभारी शीतल नायक ने आगामी संगठनात्मक गतिविधियों एवं कार्ययोजना को लेकर पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया।

बैठक को संबोधित करते हुए शीतल नायक ने कहा कि महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं की संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा की सक्रियता जिला स्तर से लेकर मंडल, शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से दिखाई देनी चाहिए। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन, विशेषकर महिलाओं तक पहुंचाकर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने पर भी विशेष जोर दिया। बैठक के पश्चात प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित होने वाले 'सावन उत्सव' का आयोजन किया गया। सावन की हरियाली और प्रकृति से जुड़ाव का संदेश देते हुए महिला कार्यकर्ताओं ने हरे परिधानों में उत्सव में सहभागिता की। नृत्य एवं संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से उन्होंने सावन के उल्लास को अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया तथा 'सावन सुंदरी' का चयन कर विजेताओं को सम्मानित किया गया।

नेशनल अवार्ड विजेता रामनामी डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म का प्रदर्शन

विश्व केसरी

सारंगढ़ (राकेश सोनी । बिलाईगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अनूठी पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाली राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित रामनामी समुदाय पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का विशेष प्रदर्शन सरसीवा थिएटर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, पूर्व विधायक कामदा जोल्हे, गणमान्य नागरिक ज्योति लाल पटेल, जिला एवं ब्लॉक स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रामनामी समुदाय के लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

डॉक्यूमेंट्री में रामनामी समुदाय के इतिहास, इसकी स्थापना, समाज की अनूठी परंपराओं, धार्मिक आस्था, जीवन शैली तथा सांस्कृतिक विरासत को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

वन बैरियर को चुनौती देकर 36 सागौन लट्ठे पार; डायल-112 ने खोली वन सुरक्षा की पोल

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। उप वनमंडल पंडरिया के पूर्व परिक्षेत्र अंतर्गत कक्ष क्रमांक 511, कामठी से 36 नग सागौन के गोले (लट्ठे) बरामद होने की घटना ने वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बहुमूल्य सागौन से भरा वाहन वन विभाग के रहमानकापा और मैनपुरा परिक्षेत्र कार्यालय जैसे दो वन बैरियर पार करता हुआ 20 किलोमीटर दूर रेहुटा तक पहुंच गया, लेकिन विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी।

आखिरकार डायल-112 की सतर्कता से लकड़ी पकड़ी गई और उसके बाद वन विभाग को सूचना देकर कार्रवाई के लिए बुलाया गया। यह घटना वन सुरक्षा तंत्र की कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्नचिह्न बनकर सामने आई है।

जानकारों का कहना है कि यदि डायल-112 की टीम सक्रियता नहीं दिखाती, तो संभवत: करोड़ों रुपये मूल्य की सागौन लकड़ी आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच जाती और विभाग को इसकी जानकारी भी नहीं होती। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिन वन बैरियरों पर चौबीसों घंटे निगरानी और जांच का दावा किया जाता है, वहां आखिर किस प्रकार की जांच हो रही थी। क्या वाहन की तलाशी नहीं ली गई, या फिर निगरानी व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित रह गई है।

वन विभाग द्वारा वन संपदा की सुरक्षा के लिए बैरियर, गश्ती दल और सुरक्षा तंत्र पर हर वर्ष लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं। इसके बावजूद यदि सागौन जैसे बहुमूल्य वृक्षों के 36 लट्ठे बिना रोक-टोक बैरियर पार कर जाते हैं, तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि पूरे निगरानी तंत्र की विफलता मानी जाएगी। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि जंगलों में लकड़ी तस्करी की गतिविधियां समय-समय पर सामने आती रही हैं, लेकिन प्रभावी निगरानी और जवाबदेही के अभाव में ऐसे मामलों पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है।

इस मामले ने यह भी उजागर कर दिया कि वन विभाग की सूचना प्रणाली कितनी कमजोर है। जिस कार्रवाई की जिम्मेदारी विभाग की थी, वह काम पुलिस के डायल-112 ने कर दिखाया। इससे यह सवाल और गहरा हो जाता है कि यदि विभाग स्वयं अपनी सीमा में होने वाली गतिविधियों पर नजर नहीं रख पा रहा है, तो वन संपदा की सुरक्षा आखिर किस भरोसे है?

अब आवश्यकता इस बात की है कि केवल लकड़ी जब्त करने तक कार्रवाई सीमित न रहे, बल्कि यह भी जांच हो कि वाहन किन-किन मार्गों से होकर गुजरा, किन बैरियरों पर ड्यूटी में कौन-कौन कर्मचारी तैनात थे, वाहन की जांच क्यों नहीं हुई और इस पूरी घटना में कहीं किसी स्तर पर मिलीभगत या गंभीर लापरवाही तो नहीं रही। दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय किए बिना ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना मुश्किल होगा।

वन संपदा किसी एक विभाग की नहीं बल्कि पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। यदि सुरक्षा व्यवस्था इसी तरह लचर रही, तो जंगलों की बहुमूल्य संपदा तस्करों के लिए आसान निशाना बनती रहेगी। इस पूरे प्रकरण ने स्पष्ट कर दिया है कि वन विभाग को अपने निगरानी तंत्र, बैरियर व्यवस्था और जवाबदेही प्रणाली की व्यापक समीक्षा करने की तत्काल आवश्यकता है, ताकि भविष्य में वन सुरक्षा केवल दावों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीन पर भी दिखाई दे।

शिक्षक किया रेनकोट और छतरी का वितरण

विश्व केसरी

चारामा (नंदकिशोर शर्मा)। बरसात में भीग जाने के कारण स्कूल न आने और तबियत खराब का बहाना जब भी कोई बच्चा करता है तो एक शिक्षक को स्कूल उस बच्चे के बिना अधूरा सा लगता है। इस बहाना को दूर करने का प्रयास शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय रतेसरा के शिक्षक धर्मेन्द्र कुमार ने जरूरत मंद बच्चों को रेनकोट और छतरी वितरण कर हर दिन स्कूल आने का राह निकालने का प्रयास किया है।अक्सर बारिश से बच्चे भीग जाते हैं बैग के पुस्तक भी भीग जाते हैं ऐसे में बच्चों को स्कूल न जाने का बहाना मिल जाता है और वजह में अगले दिन बच्चे बारिश में भीगने से तबियत खराब होना बताया जाता था।स्कूल में कम बच्चों की उपस्थिति से दिनभर अधूरा लगता है इस कमी को दूर करने शिक्षक ने यह प्रयास किया कि बच्चों को संसाधन उपलब्ध करा देने से नियमित शाला अध्यापन कार्य के लिए आयेंगे।इस पहल में शाला के शिक्षकों ने सहयोग दिया। बच्चों के चेहरे पर नए रेनकोट और छतरी मिलने से खुशी देखा गया ।

संपादकीय

विदेशी मोहरे तो नहीं बन रहे जेन - जी कोकरोच !

अनिल विभाकर

नई दिल्ली में जंतर-मंतर से शुरू जेन - जी आंदोलन खत्म हो गया, यह मानना बहुत बड़ी भूल होगी। मेरा मानना है कि यह कुछ समय के लिए सिर्फ स्थगित भर हुआ है। जेन - जी नेता संसद मार्च के दौरान उपद्रव और हिंसा में शामिल आपराधिक लोगों पर कार्रवाई का सुप्रीम कोर्ट का आदेश मानने को तैयार नहीं। इस आदेश की खुली अवज्ञा करते हुए काकरोच नेताओं ने इसके विरोध में सड़क पर उतरने की धमकी भी दे दी है। जेन- जी के नाम पर यह आंदोलन इस बार नीट पेपर लीक के बहाने हुआ । जेन - जी नेता आगे किसी अन्य मुद्दे के बहाने फिर से सड़कों पर नहीं उतरेंगे , इसकी कोई गारंटी नहीं।

नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के विरुद्ध कोकरोच जनता पार्टी के बैनर तले धरना- प्रदर्शन और इसकी सफलता के बाद वैश्विक स्तर पर 'जेन - जी ' की खूब चर्चा हो रही है। कुछ लोगों को लगता है कि ' जेन - जी ' ही अब वह विकल्प है जो भ्रष्ट और जनविरोधी सरकार को सत्ता से बेदखल कर देश में जन कल्याणकारी राज कायम कर सकता है।

अब सवाल है यह 'जेन - जी' आखिर ऐसी कौन- सी शक्ति है जो अचानक प्रकट हो गई जिसने कुछ लोगों के मन में सकारात्मक उम्मीदें जगा दीं 'जेन - जी ' शब्दावली लगभग चार साल पहले अमेरिका में गढ़ी गई जिसका एक खास राजनीतिक मकसद है। इस शब्दावली के अनुसार जिन युवाओं और युवतियों का जन्म वर्ष 1997 से 2012 के बीच हुआ है उन्हें 'जेन - जी ' कहा जाता है। इस आयु वर्ग के लोगों के लिए यह एक नई शब्दावली है। फटी जीन्स पहन कर कुछ लोगों को जिस तरह विशिष्टता का बोध होता है, युवाओं का यह वर्ग 'जेन - जी' की संज्ञा पाकर उसी तरह अचानक विशिष्टता बोध से भर उठा है। फटी जीन्स पहनने वालों को भारतीय समाज का बहुत बड़ा वर्ग अच्छी दृष्टि से नहीं देखता फिर भी पाश्चात्य देशों से आया यह फैशन भारत में चल पड़ा है। ठीक इसी तरह 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोग अपने को 'जेन - जी' कहलाने में सुखद वैशिष्ट्य बोध का अनुभव करते हैं। सवाल है अमेरिका को आखिर ' जेन- जी ' शब्द गढ़ने की जरूरत क्यों महसूस हुई और इसके पीछे उसकी क्या मकसद है गंभीरता से चिंतन करें तो इसके पीछे उसकी एक खतरनाक योजना दिखाई देगी , जो चिंतित करने वाली है। दरअसल अमेरिका 'जेन - जी ' का इस्तेमाल कर दुनिया के उन देशों को अस्थिर और विखंडित कर वहां अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है जो उसके इशारे पर नर्तन नहीं करते। 'जेन - जी ' आंदोलन का पहला प्रयोग अमेरिका ने 2024 में बंगलादेश में किया। कहने की जरूरत नहीं कि 'जेन - जी ' आन्दोलन के नाम पर बंगलादेश में किस तरह उत्पात और रक्तपात हुए, शेख हसीना सरकार का तख्तापलट करने के लिए किस तरह आगजनी और मारकाट हुई। अल्पसंख्यक हिंदुओं पर वहां कैसे - कैसे जुल्म ढाये गये। 'जेन जी' ने वहां न सिर्फ प्रधानमंत्री शेख हसीना सरकार का तख्तापलट किया बल्कि उनकी हत्या की ऐसी कोशिश की कि उन्हें जान बचाकर आनन-फानन अपने देश से भागना पड़ा। हसीना आज भी भारत की शरण में हैं। विश्व में 'जेन- जी ' का दूसरा आंदोलन 2025 में नेपाल में हुआ। नेपाल में तो वर्षों से चीन समर्थक सरकारें रहीं। 2025 में भी वहां जो सरकार थी वह चीन समर्थक ही थी। 'जेन - जी ' आंदोलन के नाम पर पूरे नेपाल में जैसी हिंसा, आगजनी और उपद्रव हुए वे रोंगटे खड़े करने वाले हैं। विशिष्टता बोध से भरे 'जेन -जी' ने पूरे नेपाल को एक तरह से तहस-नहस कर दिया। प्रधानमंत्री से लेकर कई मंत्रियों की घर में घुसकर कर पिटाई, हत्या और लूटपाट की। कुछ सत्ताधारियों को तो भूमिगत होकर जान बचानी पड़ी। इस तरह वहां भी 'जेन जी' की अराजकता की पराकाष्ठा विश्वभर ने देखी। बंगलादेश की तरह नेपाल में भी कुछ महीने बाद चुनाव हुए और वहां नई सरकार बनी। 'जेन जी' आंदोलन के बाद बंगलादेश में अब तक स्थिति सामान्य नहीं हुई है। और नेपाल की नई बालेन्द्र शाह सरकार से भी वहां की आम जनता खुश नहीं है। नेपाल एक बार फिर से जल उठा है। नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग भी उठने लगी है। इस समय वहां मुसलमानों पर राह चलते हमले हो रहे हैं। बहुसंख्यकों की उग्र भीड़ मस्जिदों पर लगातार हमले कर रही है और मुसलमानों को नेपाल छोड़ अन्यत्र जाने का अल्टिमेटम दिया जा रहा है। बंगलादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद अमेरिका से आकर मोहम्मद यूनुस सत्ता पर काबिज हुआ तो वहां हिंसा और उत्पात और बढ़ गया। यूनुस डेढ़ साल तक सत्ता में रहा। वहां नये सिरे से चुनाव हुए और नई सरकार बनी। वहां जो सरकार बनी, इस समय वह अमेरिका के इशारे पर काम कर रही है। 'जेन जी ' आंदोलन से पहले नेपाल में चीन समर्थक सरकार थी और बंगलादेश में भारत समर्थक। दोनों देशों में इस समय भारत विरोधी सरकार है। इस तरह नेपाल और बांग्लादेश में 'जेन जी' आंदोलन का अमेरिकी मकसद पूरा हो गया। 'जेन - जी' का तीसरा प्रायोगिक आंदोलन अभी- अभी ' कोकरोच जनता पार्टी ' के बैनर तले भारत में हुआ। नई दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू इस 'जेन जी आंदोलन' में भी जमकर हिंसा और उपद्रव हुए। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के नाम पर 20 जुलाई को जंतर-मंतर से लेकर संसद के समीप तक जैसी अराजकता दिखी उसका समर्थन कोई नहीं कर सकता।

एक 'वह' आंदोलन एक 'यह' आंदोलन

गिरीश पंकज

भारत में छात्र आंदोलन का एक समृद्ध और जीवंत इतिहास रहा है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर 70 के दशक के 'जेपी आंदोलन' और असम छात्र आंदोलन तक, देश के युवाओं ने जब-जब व्यवस्था की खामियों और अन्याय के खिलाफ हुंकार भरी है, तब-तब सत्ता की नीव हिली है। छात्र केवल एक छात्र नहीं होता; वह देश का भविष्य, नई सोच का वाहक और सामाजिक चेतना का सबसे संवेदनशील थर्मामीटर होता है। लेकिन बीते कुछ महीनों में भारतीय छात्र आंदोलनों के दो ऐसे रूप सामने आए हैं, जिन्होंने देश के विचारशील वर्ग को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

एक तरफ देश की राजधानी दिल्ली की सड़कों पर हुआ नीट पेपर लीक विरोधी आंदोलन था, तो दूसरी तरफ झारखंड की राजधानी रांची में हजारों छात्रों का जेपीएससी और जेएसएससी धांधली के खिलाफ उमड़ा जनसैलाब। ?उद्देश्य दोनों आंदोलनों का एक ही था,परंतु इन दोनों आंदोलनों की कार्यशैली, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, राजनीतिक जुड़ाव और मीडिया के दृष्टिकोण में जो बुनियादी अंतर देखने को मिला, वह भारतीय राजनीति और समाज के दोहरे मानदंडों की परतें उघाड़ने के लिए काफी है।

?दिल्ली देश की राजनीति और मीडिया का केंद्र है। जब नीट परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक के आरोप लगे, तो देश भर के लाखों परीक्षार्थियों का गुस्सा दिल्ली की सड़कों पर फूटा। जंतर-मंतर से लेकर शास्त्री भवन तक छात्रों के प्रदर्शनों का दौर चला। ?लेकिन इस आंदोलन की जो सबसे दुखद और चिंताजनक बात सामने आई, वह थी इसके प्रतिरोध की भाषा।

भाषाई मर्यादा का ह्रास..

प्रदर्शनों के दौरान लड़के और लड़कियों द्वारा सार्वजनिक रूप से बेहद अश्लील और अभद्र गालियां दी गईं। नारों में गुस्सा कम, भाषाई नग्नता अधिक दिखाई दी। असंतोष व्यक्त करने का यह महानगरीय तरीका कहीं न कहीं भारतीय छात्र आंदोलनों की उस गौरवशाली परंपरा को कलंकित करता दिखा, जहाँ शब्दधार ही सबसे बड़ा हथियार हुआ करता था।जब आंदोलन की भाषा अमर्यादित हो जाती है, तो मूल मुद्दा (पेपर लीक और न्याय) पृष्ठभूमि में चला जाता है और सुर्खियां 'अभद्र व्यवहार' की बनने लगती हैं।

इसके ठीक विपरीत, झारखंड की राजधानी रांची में जेपीएससी और राज्य कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक को लेकर हजारों छात्र-छात्राओं ने सड़कों पर डेरा डाला। रांची में उमड़ा जन सैलाब दिल्ली से किसी मामले में काम नहीं था, लेकिन दिल्ली में अश्लीलता, अराजकता नजर आती लेकिन झारखंड के आंदोलन में शालीनता बरकरार रही कह सकते हैं कि अनुशासन के मामले में झारखंड के आंदोलन में एक मानदंड स्थापित किया।

रांची की सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हजारों युवाओं के मुंह से एक भी अश्लील या अभद्र शब्द नहीं निकला। लड़के-लड़कियां कंधे से कंधा मिलाकर अपनी मांगों के लिए अड़े रहे, लेकिन उनकी भाषा में संवैधानिक मर्यादा, संयम और वैचारिक दृढ़ता थी। यह प्रदर्शन इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण था कि अपनी बात को मजबूती से रखने के लिए अभद्रता या अश्लीलता की नहीं, बल्कि नैतिक बल की आवश्यकता होती है।रांची के छात्रों ने साबित किया कि आक्रोश को भी अत्यंत अनुशासित और संजीदा तरीके से व्यक्त किया जा सकता है।

रोटी सेंकने की मानसिकता..

इन दोनों आंदोलनों के बीच सबसे बड़ा और कड़वा अंतर राजनीतिक भागीदारी और उसके पीछे की मंशा में देखा गया। दिल्ली में आंदोलन शुरू होते ही विपक्षी दलों के नेताओं का जमावड़ा लगने लगा।

विभिन्न दलों के नेता छात्रों के मंच पर पहुंचे, प्रेस कॉन्फ्रेंस कीं और बयानबाजी का दौर शुरू हुआ। ?दिल्ली का आंदोलन जल्द ही छात्रों के भविष्य से ज्यादा राजनीतिक रोटी सेंकने का अड्डा बन गया। ?राष्ट्रीय विपक्ष के लिए नीट का मुद्दा सरकार को घेरने का एक आसान और मुफीद जरिया बन गया। उन्हें छात्रों के दर्द से ज्यादा अपने राजनीतिक एजेंडे की चिंता थी। इसके विपरीत, रांची के आंदोलन में छात्रों ने शुरू से ही एक स्पष्ट और साहसिक रुख अपनाया कि यह आंदोलन छात्रों का है इसलिए छात्रों का ही रहने दिया जाए, किसी भी राजनीतिक दल को मंच साझा करने न दिया जाए ?। छात्रों ने नेताओं को साफ कर दिया कि वे किसी की राजनीति का मोहरा नहीं बनेंगे। लेकिन यहाँ सबसे चौंकाने वाला पहलू राजनीतिक दलों और राष्ट्रीय मीडिया का दोहरा रवैया रहा । जो विपक्षी दल दिल्ली में नीट मुद्दे पर दिन-रात संसद से लेकर सड़क तक हंगामा कर रहे थे, वे झारखंड के छात्रों के आंदोलन पर पूरी तरह मौन साधे रहे।चूंकि झारखंड में उनके अनुकूल या सहयोगी दलों की सरकार है, इसलिए वहां के छात्रों का दर्द, वहां का पेपर लीक और वहां की धांधली उनके लिए 'मुद्दा' नहीं बनी। यह चुनिंदा संवेदनशीलता दर्शाती है कि हमारे देश के राजनीतिक दलों के लिए छात्रों का भविष्य प्राथमिकता नहीं है, बल्कि यह केवल इस बात पर निर्भर करता है कि किस राज्य में किसकी सरकार है।

इन दोनों आंदोलनों ने भारतीय मुख्यधारा मीडिया की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दिल्ली के आंदोलन को बढ़ाशंकर कवरेज मिला जबकि झारखंड के आंदोलन को उतनी प्रमुखता नहीं मिली।

यह तुलना स्पष्ट करती है कि राष्ट्रीय मीडिया का एक बड़ा हिस्सा केवल उन्हीं आंदोलनों में दिलचस्पी लेता है, जहाँ से राजनीतिक मसाले और हाई-वोल्टेज ड्रामा की गुंजाइश हो। शांतिपूर्ण, अनुशासित और बिना नेताओं के चल रहे वास्तविक छात्र आंदोलनों को अनसुना कर देना मीडिया के गिरते स्तर का प्रमाण है।

'एक वह आंदोलन और एक यह आंदोलन' केवल दो शहरों की घटनाओं का विवरण नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र के सामने खड़े कुछ मूलभूत प्रश्नों को रेखांकित करता है । रांची के छात्रों ने दिखाया कि शांति और अनुशासन में हिंसा और उग्रता से कहीं अधिक मारक क्षमता होती है। दिल्ली के आंदोलन से मिली सीख यह है कि जैसे ही कोई आंदोलन नेताओं के हाथों में जाता है, उसकी साख खत्म हो जाती है और वह केवल राजनीतिक नफा-नुकसान का जरिया बनकर रह जाता है। पेपर लीक चाहे दिल्ली (केन्द्र) के स्तर पर हो या रांची (राज्य) के स्तर पर, प्रताड़ित होने वाला छात्र एक ही होता है। फिर उस पर राजनीतिक दलों का रवैया अलग-अलग क्यों?

?रांची और दिल्ली के आंदोलनों का यह तुलनात्मक अध्ययन भारतीय समाज और राजनीति के लिए एक दर्पण है। दिल्ली का आंदोलन जहाँ राजनीतिक अवसरवादिता और सांस्कृतिक पतन का दुखद उदाहरण बना, वहीं रांची के आंदोलन ने यह साबित किया कि आज भी देश के छोटे राज्यों और दूर-दराज के इलाकों में नैतिक बल, भाषाई मर्यादा और स्वाभिमान जिंदा है। ?सरकारें चाहे किसी भी दल की हों, चाहे केंद्र में या राज्यों में, उन्हें यह समझना होगा कि परीक्षाओं की पारदर्शिता कोई मेहरबानी नहीं, बल्कि युवाओं का मौलिक अधिकार है। यदि देश का युवा अपनी मेहनत के बल पर रोजगार पाना चाहता है और व्यवस्था उसे केवल 'पेपर लीक' देती है, तो उसका आक्रोश स्वाभाविक है। ?छात्रों को भी रांची के मॉडल से सीख लेनी होगी। उन्हें अपनी लड़ाई स्वयं लड़नी होगी, अपनी मर्यादा की रक्षा करनी होगी और नेताओं को अपने कंधों का इस्तेमाल करने से रोकना होगा। जब तक आंदोलन में शालीनता संयम और अनुशासन बना रहेगा, तब तब तक लोकतंत्र की आवाज कोई भी सरकार लंबे समय तक दबा नहीं सकेगी ।

एक देश, एक परीक्षा : समानता का सपना या असमानता की परीक्षा?

अशोक 'मतवाला'

देश में शिक्षा को लेकर जितनी बहस आज 'वन नेशन, वन टेस्ट' (One Nation, One Test) को लेकर हो रही है, शायद पहले कभी नहीं हुई। नीट (NEET), जेईई (JEE), सीयूईटी (CUET) जैसी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं का उद्देश्य पूरे देश के लिए एक समान मानदंड स्थापित करना बताया जाता है। तर्क यह है कि एक परीक्षा से पारदर्शिता बढ़ेगी, भ्रष्टाचार कम होगा और प्रतिभा का निष्पक्ष चयन होगा। सिद्धांत के स्तर पर यह विचार आकर्षक लगता है, लेकिन भारत जैसे विविधताओं वाले देश में इसका व्यावहारिक पक्ष कहीं अधिक जटिल है।

भारत में शिक्षा समरूप नहीं है। एक ओर महानगरों के निजी विद्यालय हैं, जहां आधुनिक प्रयोगशालाएं, प्रशिक्षित शिक्षक, अंग्रेज़ी माध्यम, डिजिटल सुविधाएं और लाखों रुपये खर्च करने वाली कोचिंग व्यवस्था उपलब्ध है। दूसरी ओर गांवों और छोटे कस्बों के सरकारी विद्यालय हैं, जहां आज भी शिक्षकों की कमी, सीमित संसाधन और कमजोर आधारभूत सुविधाएं बड़ी चुनौती हैं। ऐसे में यदि दोनों वर्गों के विद्यार्थियों को एक ही प्रश्नपत्र और एक ही प्रतिस्पर्धा में खड़ा कर दिया जाए, तो क्या इसे वास्तविक समान अवसर कहा जा सकता है?

पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय परीक्षाओं को लेकर पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, तकनीकी गड़बड़ियों और परिणामों पर विवाद ने भी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। जब करोड़ों विद्यार्थियों का भविष्य एक ही परीक्षा पर निर्भर हो, तब किसी भी छोटी चूक का प्रभाव लाखों परिवारों तक पहुंचता है। यह केवल परीक्षा नहीं, सामाजिक और मानसिक दबाव का भी प्रश्न बन जाता है।

दुनिया के कई देशों ने इस समस्या का अलग रास्ता चुना है। उदाहरण के लिए, अमेरिका में स्कूल शिक्षा का संचालन राज्यों के स्तर पर होता है। वहां पूरे देश के लिए कोई एक अनिवार्य प्रवेश परीक्षा नहीं है। विश्वविद्यालय अपने-अपने मानदंड तय करते हैं। विद्यार्थी के स्कूल रिकॉर्ड, बोर्ड परीक्षा के अंक, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां, निबंध, सिफारिश-पत्र और अन्य उपलब्धियां भी प्रवेश प्रक्रिया का हिस्सा होती हैं। अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों ने हाल के वर्षों में स्न्ञ और ष्ट्ञ जैसी परीक्षाओं को वैकल्पिक भी बना दिया है। अर्थात वहां केवल एक परीक्षा किसी विद्यार्थी की पूरी क्षमता का निर्णय नहीं करती।

भारत की परिस्थितियां अमेरिका से अलग हैं। यहां आबादी अधिक है, प्रतियोगिता कहीं अधिक तीव्र है और सार्वजनिक संस्थानों में सीटें सीमित हैं। इसलिए किसी न किसी राष्ट्रीय मानक की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। किंतु राष्ट्रीय मानक का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि राज्यों की शैक्षिक विविधता और सामाजिक असमानताओं की अनदेखी कर दी जाए।

समाधान क्या हो सकता है? पहला, राष्ट्रीय परीक्षा के साथ बोर्ड परीक्षा के अंकों को उचित महत्व दिया जाए। दूसरा, विभिन्न शिक्षा बोर्डों के अंकों का वैज्ञानिक सामान्यीकरण किया जाए। तीसरा, ग्रामीण और सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक सहायता और अवसर विकसित किए जाएं। चौथा, सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार किया जाए ताकि प्रतियोगिता की शुरुआत ही समान धरातल से हो। यदि शुरुआती शिक्षा असमान है, तो अंतिम परीक्षा समान होने से न्याय स्वत: स्थापित नहीं हो जाता।

आज आवश्यकता केवल परीक्षा सुधार की नहीं, बल्कि शिक्षा सुधार की है। यदि किसी छात्र को बचपन से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सक्षम शिक्षक और समान संसाधन नहीं मिले, तो अंतिम दिन ली गई एक परीक्षा उसकी वास्तविक प्रतिभा का पूर्ण मूल्यांकन नहीं कर सकती।

'एक देश, एक परीक्षा' का विचार तभी सफल हो सकता है, जब उसके पहले 'एक देश, समान शिक्षा' का सपना साकार हो। अन्यथा यह व्यवस्था उन छात्रों के लिए अवसर का द्वार कम और असमानता की दीवार अधिक बन सकती है।

बोध कथा

महानता और संपूर्णता का आधार है संतुलित जीवन

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। राजपुर नामक एक सुंदर राज्य में अर्जुन नाम का एक बुद्धिमान व्यापारी रहता था। वह अपने व्यापार में अत्यंत सफल था, लेकिन उसे हमेशा अधिक धन कमाने की लालसा रहती थी। इसी कारण, वह दिन-रात काम करता और अपने परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक जीवन की उपेक्षा करता था। एक दिन, वह एक संत के पास पहुंचा और बोला, 'महाराज, मैंने जीवन में बहुत धन कमाया है, लेकिन फिर भी मन अशांत रहता है। कृपया मुझे शांति का मार्ग दिखाएं। संत मुस्कुराए और उसे एक जलपात्र दिया, जो पानी से भरा हुआ था। उन्होंने अर्जुन से कहा, इसे लेकर इस ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चलो, लेकिन ध्यान रहे कि एक भी बूंद पानी गिरे नहीं। अर्जुन बहुत सावधानी से चलने लगा। जब वह संत के पास लौटा तो संत ने पूछा- क्या तुमने रास्ते के सुंदर पेड़, चहकते पक्षी और ठंडी हवा का आनंद लिया? अर्जुन ने उत्तर दिया- नहीं महाराज, मैं तो केवल इस पात्र को संभालने में लगा रहा, ताकि पानी गिर न जाए। संत मुस्कुराए और बोले- यही तुम्हारी समस्या है। तुम केवल धन कमाने में इतने व्यस्त हो कि जीवन के बाकी पहलुओं का आनंद नहीं ले पा रहे। जीवन में सच्ची शांति और आनंद पाने के लिए संतुलन आवश्यक है - कार्य, परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता में समरसता होनी चाहिए। अर्जुन को अपनी भूल का अहसास हुआ। उसने निश्चय किया कि अब वह केवल धन ही नहीं, बल्कि अपने परिवार, स्वास्थ्य और आत्मिक शांति का भी ध्यान रखेगा। कहने का भाव यही है कि जीवन में जब हम हर पहलु और पक्ष का ध्यान रखते हैं, जीवन के उतार-चढ़ाव के बीच साक्षी भाव से जीवन में घटने वाली हर परिस्थिति में समान रहते हैं।

चुटकुले

लड़के ने साधु बाबा से पूछा मौनव्रत का मतलब

लड़का- बाबा मौनव्रत किसे कहते हैं

साधु- जब हम कई साल नहीं बोलते हैं,

उसे मौनव्रत कहते हैं

लड़का- हम लोग उसे शादी कहते हैं.....

पत्नी को वश में करने के लिए बाबा ने,

राजू को एक ताबीज दिया

एक महीने बाद राजू, बाबा के पास आकर बोला-

बाबा पत्नी पर तो कोई असर नहीं हुआ,

लेकिन पड़ोसन वश मे आ गई

बाबा- चलो इफेक्ट न सही, साइड इफेक्ट तो हुआ......

गर्लफ्रेंड- तुम जानते हो मेरी एक-एक सांस पर हजारों लड़के मरते हैं

ब्वॉयफ्रेंड- थोड़ा टाइम निकाल कर ब्रश कर लिया करो,

हजारों मासूमों की जान बच जाएगी।

व्यंग्य केसरी

नेताओं की रामायण के लिए मारामारी

वीरेंद्र बहादुर सिंह

अधिकारियों ने कुंभकर्ण की भूमिका के लिए नाम लिखवाया, दशरथ की भूमिका के लिए 'वचन निभाने' वाला संवाद हटाने की शर्त रखी. बालीवुड में रामायण पर फिल्मों की लाइन लग गई तो किसी को यह विचार आया कि हमारे महान देश में सभी नेता रामराज्य लाने के आदर्श से ही काम करते हैं, तो क्यों न नेताओं को ही कलाकार बनाकर रामायण पर रामलीला बनाई जाए।

कास्टिंग डायरेक्टर ने रामलीला की घोषणा करते समय कह दिया, 'सभी माननीय नेताओं से अनुरोध है कि वे अपनी-अपनी व्यक्तित्व के अनुसार भूमिका स्वीकार करें।'

कास्टिंग डायरेक्टर को लगा कि अब तो देश में सतयुग स्थापित हो चुका है, इसलिए भगवान श्रीराम की भूमिका के लिए होड़ मच जाएगी। लेकिन हुआ इसका ठीक उलटा। अधिकांश नेताओं ने रावण की भूमिका के लिए ही आवेदन कर दिया।

एक-दो नेताओं ने तो साफ-साफ स्वीकार भी कर लिया कि हमारी पर्सनैलिटी ही खलनायक या राक्षस जैसी है। एक-दो नेता बोले, 'रावण के सचमुच दस सिर थे या नहीं, यह तो पता नहीं, लेकिन मेरे निर्वाचन क्षेत्र में पूछ लीजिए, सब मुझे दो-मुंहा ही कहते हैं।'

दूसरी ओर महिला नेताओं में मंथरा की भूमिका के लिए भी भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिला राजनेत्रियों ने कहा, 'पूरी रामायण की शुरुआत ही मंथरा के चरित्र से होती है, इसलिए वही सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है।'

एक-दो महिला नेताओं ने कैकेयी की भूमिका में रुचि दिखाई। हालांकि मजेदार बात यह रही कि लगभग हर महिला नेता ने किसी न किसी दूसरी महिला नेता को शूर्पणखा बनाने की जोरदार सिफारिश की।

एक नेता ने विशेष आग्रह किया, 'मुझे कोई बड़ा रोल न दो तो भी चलेगा, लेकिन जटायु को मारने वाला दृश्य मुझे ही देना। बात यह है कि जो भी किसी गलत काम या अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाता है, उसे मैं इतनी जोर से पटकूंगा कि मेरी यह योग्यता देखकर सरकार मुझे कोई अच्छा पद जरूर दे देगी।'

दूसरे नेता को दशरथ की भूमिका की पेशकश की गई, तो उसने शर्त रख दी, 'बाकी सब ठीक है, लेकिन 'वचन निभाने' वाले संवाद स्क्रिप्ट से निकाल देना। अगर मैं मंच पर वचन निभाने की बात बोलूंगा तो खुद ही हंस पड़ूंगा और जनता भी ठहाके लगाने लगेगी।'

इसी बीच कुछ सरकारी अधिकारी भी पहुंच गए। उन्होंने कहा, 'भले ही यह नेताओं की रामलीला हो, लेकिन कुंभकर्ण की भूमिका हमारे जैसे किसी अधिकारी को ही देना। हमें तो तंत्र के रूप में सोते रहने का सबसे ज्यादा अभ्यास है।

आखिरकार कास्टिंग डायरेक्टर ने सभी इच्छुक नेता-अभिनेताओं को एकत्र कर चयन के लिए ड्रॉ निकालने का फैसला किया। पहली ही भूमिका के लिए ड्रॉ शुरू करते हुए डायरेक्टर ने कहा, 'बताइए... राजगद्दी मिलने के बावजूद केवल श्रीराम की पादुकाएं सिंहासन पर रखकर राज्य चलाने वाले और चौदह वर्ष बाद बिना किसी हिचकिचाहट के शासन वापस सौंप देने वाले भरत की भूमिका कौन-कौन करना चाहता है?'

'नहीं चाहिए... नहीं चाहिए...' के नारों के साथ पलभर में पूरा हाल खाली हो गया।

मो- 8368681336

इतिहास

4 अगस्त के इतिहास में भारत का पहला परमाणु रिएक्टर 'अप्सरा' की शुरुआत, महान गायक किशोर कुमार का जन्म, और प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन द्वारा जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा जैसी प्रमुख घटनाएं शामिल हैं।

मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं1914: ब्रिटेन ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी। 1914: ब्रिटेन ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी। 1956: मुंबई के ट्रांबे (भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र) में एशिया और भारत का पहला परमाणु अनुसंधान रिएक्टर 'अप्सरा' शुरू हुआ था।

1967: दुनिया के सबसे लंबे नागार्जुन सागर बांध का निर्माण कार्य हुआ था।

2004: नासा ने अपने एल्टिक्स सुपर कंप्यूटर का नाम बदलकर भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला के नाम पर रखा था।

ज्ञानेश्वरी यादव का मंत्री तोखन साहू ने किया सम्मान

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिला 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले की प्रतिभाशाली भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव को नई दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास पर रात्रि भोज के लिए आमंत्रित कर सम्मानित किया तथा उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर साहू ने ज्ञानेश्वरी यादव का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें अत्यंत गर्व और प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर ज्ञानेश्वरी ने न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का मान बढ़ाया है और वे नई पीढ़ी के खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का सशक्त स्रोत बनी हैं। साहू ने उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में 199 किलोग्राम (88 किलोग्राम स्नैच एवं 111 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन उनकी कठोर मेहनत, अनुशासन, समर्पण और अदम्य इच्छाशक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व वीडियो कॉल के माध्यम से उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई देने का अवसर मिला था, वहीं आज नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर उनका स्वागत कर व्यक्तिगत रूप से शुभकामनाएँ देना उनके लिए अत्यंत सुखद और गौरवपूर्ण क्षण है।

साहू ने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञानेश्वरी यादव भविष्य की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए अनेक पदक अर्जित करेंगी तथा विश्व मंच पर तिरंगे का गौरव निरंतर बढ़ाती रहेंगी।

इस अवसर पर सुश्री ज्ञानेश्वरी यादव ने श्री तोखन साहू द्वारा दिए गए स्नेह, सम्मान एवं प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का उत्साहवर्धन खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाता है और देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने की नई प्रेरणा प्रदान करता है।

शोकसभा के नाम पर पूरे दिन कोर्ट का कामकाज बंद नहीं किया जा सकता : हाईकोर्ट

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। बिलासपुर हाईकोर्ट ने कहा कि शोकसभा के आधार पर पूरे दिन न्यायिक कार्य स्थगित करना उचित नहीं है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित शोकसभा के आधार पर पूरे दिन के लिए न्यायिक कार्य स्थगित नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि दिवंगत अधिवक्ता या न्यायिक अधिकारी को श्रद्धांजलि देना सम्मानजनक परंपरा है, लेकिन इसके कारण पूरे दिन अदालत का कामकाज रोकना न्याय व्यवस्था को प्रभावित करता है। यह टिप्पणी जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने 72 वर्षीय याचिकाकर्ता की याचिका पर सुनवाई के दौरान की।

72 वर्षीय याचिकाकर्ता ने दी थी चुनौती

मामला रायपुर निवासी 72 वर्षीय बुजुर्ग से जुड़ा है, जो छत्तीसगढ़ किराया नियंत्रण अधिनियम के तहत पारित बेदखली आदेश के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने रायपुर के किराया नियंत्रक द्वारा 2 फरवरी 2026 को पारित आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका के अनुसार, जिला बार एसोसिएशन की शोकसभा के कारण पूरे दिन न्यायिक कार्य स्थगित कर दिया गया और उनके मामले सहित सभी प्रकरणों की अगली तारीख तय कर दी गई। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि शोकसभा, प्रशासनिक कार्य या पीठासीन अधिकारी की अनुपलब्धता जैसे कारणों से मामलों की सुनवाई बार-बार टाली जाती है। इससे कानून द्वारा निर्धारित त्वरित न्याय का उद्देश्य प्रभावित होता है और पक्षकारों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ती है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि न्याय तक निर्बाध पहुंच संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 21 का अभिन्न हिस्सा है। अदालत ने यह भी कहा कि वकीलों की हड़ताल और कार्य बहिष्कार पहले ही अवैध घोषित किए जा चुके हैं। केवल वकीलों की अनुपलब्धता या शोकसभा के आधार पर न्यायिक कार्य पूरे दिन के लिए स्थगित नहीं किया जा सकता।

डॉक्टरों और नर्सों से अभद्रता के विरोध में अनिश्चितकालीन धरना

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भानुप्रतापपुर में डॉक्टरों और स्टाफ नर्सों के साथ कथित गाली-गलौज, धमकी एवं अभद्र व्यवहार के विरोध में सोमवार से समस्त स्वास्थ्यकर्मियों ने कार्य बहिष्कार कर अस्पताल परिसर के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। स्वास्थ्यकर्मियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। धरने के चलते अस्पताल की ओपीडी सेवाएं पूरी तरह बंद हो गई हैं और स्वास्थ्य व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों और स्टाफ नर्सों के साथ गौरव चोपड़ा (उपसरपंच, ग्राम सम्बलपुर) एवं दीनू नथानी द्वारा कथित रूप से गाली-गलौज, धमकी और अभद्र व्यवहार किया गया। घटना के बाद अस्पताल स्टाफ ने थाना भानुप्रतापपुर में एफआईआर दर्ज कराई थी।

स्वास्थ्यकर्मियों का आरोप है कि घटना के दो दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई। उनका कहना है कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के बजाय घटना को लेकर लोगों के बीच भ्रम फैलाया जा रहा है और पूरे मामले का दोष स्वास्थ्य विभाग पर मढ़ने का प्रयास किया जा रहा है।

धरने के कारण अस्पताल की ओपीडी सेवाएं बंद हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार प्रतिदिन लगभग 300 मरीज उपचार एवं जांच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचते हैं। ऐसे में मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आपातकालीन सेवाओं को लेकर भी लोगों में चिंता का माहौल बना हुआ है। स्वास्थ्यकर्मियों का कहना है कि यदि ड्यूटी के दौरान डॉक्टरों और नर्सों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होगी तो वे भयमुक्त होकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं कर पाएंगे। इसलिए दोषियों के खिलाफ शीघ्र और सख्त कार्रवाई आवश्यक है। बीएमओ डॉ. अखिलेश ध्रुव ने बताया कि घटना शनिवार को हुई थी और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने तत्काल थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा, 'आज तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। जब तक गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।'

संक्षिप्त खबरें

गुरु पूर्णिमा पर्व एक कुण्डीय यज्ञ

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। ग्राम फरसियां में गुरु पूर्णिमा पर्व एक कुण्डीय यज्ञ के साथ मनाया गया. पुंसवन संस्कार शिक्षकोका सम्मान वरिष्ठ नागरिको का सम्मान किया गया. परिवाजक नरोत्तम सोन, नीरा साहू, श्रीरूपचंद सोन का नारियल भेट कर सम्मान किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में हरक राम साहू, लीलांबर साहू, शेखर सोन, माधुरी कश्यप प्रज्ञा महिला मण्डल के पदाधिकारी वेणु साहू, लोकेश्वरी सोन नारायणी सोन द्रौपदी सोन विशेष सहयोग रहा।

मंदिर सफाई करते समय करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

विश्व केसरी

धमतरी (राजशेखर नायर)। मिली जानकारी के अनुसार, लाल बगीचा शिव मंदिर के पास रहने वाला घनश्याम सेन (20 वर्ष) पिता बुधराम सेन रविवार सुबह करीब 11 बजे आगामी सावन सोमवार की पूजा-अर्चना की तैयारियों के तहत मंदिर समिति के कहने पर शिव मंदिर परिसर की साफ-सफाई में जुटा हुआ था। इस दौरान वह मंदिर के ऊपर स्थित पेड़ की डंगाल काटने चढ़ा। बताया जा रहा है कि पेड़ की डाल पास ही स्थित बिजली के ट्रांसफार्मर और उससे जुड़े हाई वोल्टेज तारों के काफी करीब थी।पत्ता हटाते समय वह अचानक तार की चपेट में आ गया और जोर का करंट लगते ही मंदिर की छत पर जा गिरा। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मंदिर समिति को इसके लिए किसी मजदूर को बुलाना था लेकिन पास के ही युवक को चढ़ाकर सफाई की जा रही थी जिससे यह घटना घट गई। समिति के सदस्यों पर कार्रवाई की मांग की गई। घटना देख आसपास मौजूद लोग और वार्डवासी तुरंत मौके पर पहुँचे। अचेत अवस्था में युवक को आनन-फानन में डीसीएच अस्पताल धमतरी ले जाया गया, जहाँ डॉक्टर ने 11:50 बजे जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। खबर मिलते ही पुलिस ने वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है।मृतक घनश्याम सेन स्थानीय स्तर वार्ड में ही एक सैलून दुकान का संचालन करता था।

अंतागढ़ को जिला बनाने युवाओं ने फूंका आंदोलन का बिगुल

विश्व केसरी

अंतागढ़ (राकेश गुप्ता)। अंतागढ़ को जिला बनाने की वर्षों पुरानी मांग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती नजर आ रही है। लंबे समय से चली आ रही इस मांग को लेकर पहली बार क्षेत्र के युवाओं ने नेतृत्व अपने हाथों में लेते हुए आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। शनिवार को नयापारा स्थित फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में क्षेत्र के युवाओं ने व्यापक जनआंदोलन की रूपरेखा तैयार की और स्पष्ट संदेश दिया कि इस बार अंतागढ़ को जिला बनाने की लड़ाई पूरी ताकत और एकजुटता के साथ लड़ी जाएगी। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में अंतागढ़ क्षेत्र के गांव-गांव में व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। अभियान को लोगों का अभूतपूर्व समर्थन मिल रहा है। ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों, किसानों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि बढ़-चढ़कर इसमें भागीदारी निभा रहे हैं।

सोलो साइकिल यात्रा पर निकली पर्वतारोही समीरा ने छात्राओं को दिया आत्मनिर्भरता का संदेश

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। देशव्यापी मिशन माउंट एवरेस्ट एवं रूरल गर्ल्स एम्पावरमेंट एंड सोलो साइकिलिंग कैंपेन अक्रॉस इंडिया के तहत सोलो साइकिल यात्रा पर निकली भारतीय पर्वतारोही एवं मोटिवेशनल स्पीकर समीरा खान इन दिनों छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं।

ओडिशा के बरगढ़ से अपनी यात्रा शुरू करने के बाद सरायपाली के रास्ते मंगलवार रात करीब 10 बजे समीरा खान महासमुंद पहुंचीं। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से उनके ठहरने की व्यवस्था नया सर्किट हाउस में की गई और उन्हें आवश्यक सहयोग भी प्रदान किया गया। बुधवार को समीरा खान ने जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का दौरा किया। उन्होंने महर्षि विद्या मंदिर मचेवा, आशीबाई गोलछा उमा कन्या शाला, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, गुड शेफर्ड हायर सेकेंडरी स्कूल और स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं एवं महिलाओं से संवाद कर उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समीरा खान ने बताया कि वे आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले की रहने वाली हैं। बचपन में माता-पिता को खोने के बाद जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने विपरीत परिस्थितियों के आगे हार नहीं मानी। आत्मविश्वास, साहस और मजबूत इच्छाशक्ति के दम पर उन्होंने पर्वतारोहण और सोलो साइकिलिंग के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने नेपाल की कठिन और प्रसिद्ध अमा डबलम पर्वत चोटी को सफलतापूर्वक फतह किया है। अब उनका अगला लक्ष्य दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराना है।

उन्होंने बताया कि सोलो साइकिलिंग उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। अब तक वे करीब 9 हजार किलोमीटर की साइकिल यात्रा पूरी कर चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने भारत के कई राज्यों के साथ ही 37 देशों की यात्रा भी की है। छात्राओं से बातचीत के दौरान समीरा खान ने कहा कि हर लड़की को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का समान अधिकार है। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, अच्छी शिक्षा, निरंतर मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति के सहारे किसी भी मंजिल को हासिल किया जा सकता है।

समाजसेवी ऋतुराज पवार बने प्रेस क्लब धमतरी के महा संरक्षक

विश्व केसरी

धमतरी (पवन तिवारी)। सामाजिक और पत्रकारिता जगत से एक अहम खबर सामने आई है। समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुके समाजसेवी ऋतुराज पवार को प्रेस क्लब धमतरी का महा संरक्षक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को प्रेस क्लब के लिए नई ऊर्जा और नई दिशा के रूप में देखा जा रहा है। पत्रकारों और सामाजिक संगठनों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि उनके मार्गदर्शन में संगठन और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली बनेगा।

प्रेस क्लब धमतरी की आयोजित कार्यकारिणी बैठक में सर्वसम्मति से समाजसेवी ऋतुराज पवार को महा संरक्षक का दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर मौजूद पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनका पुष्पगुच्छ एवं सम्मान के साथ स्वागत किया। उनकी नियुक्ति पर पत्रकारों, समाजसेवियों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि ऋतुराज पवार वर्षों से सामाजिक सरोकारों, जनहित और जरूरतमंदों की सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, सहयोग की भावना और जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें प्रेस क्लब के महा संरक्षक जैसे महत्वपूर्ण दायित्व के लिए चुना गया है। महा संरक्षक नियुक्त होने के बाद ऋतुराज पवार ने प्रेस क्लब धमतरी के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं और निष्पक्ष पत्रकारिता समाज को सही दिशा देने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रेस क्लब धमतरी की गरिमा, पत्रकार हितों और संगठन की एकता को मजबूत करने के लिए वे हरसंभव सहयोग करेंगे तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। प्रेस क्लब धमतरी में ऋतुराज पवार की नियुक्ति को संगठन के लिए एक नई शुरुआत माना जा रहा है। पत्रकारों का मानना है कि उनके अनुभव, सामाजिक दृष्टिकोण और सहयोगी नेतृत्व से प्रेस क्लब को नई ऊर्जा मिलेगी तथा पत्रकारों के हितों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी नई मजबूती प्राप्त होगी।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फरसियां में सायकल वितरण व वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना निशुल्क सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फरसियाँ में कक्षा नवमी में अध्यनरत छात्राओं को निशुल्क सायकल वितरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शशि ध्रुव सदस्य जनपद पंचायत नगरी व कार्यक्रम की अध्यक्षता चमन निर्मलकर अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फरसियाँ, विशिष्ट अतिथियों में केशव टेकाम सरपंच, कोमल कश्यप भूदान दाता, शिवदयाल साहू पूर्व अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति, खम्मन लाल साहू पूर्व अध्यक्ष शाला प्रबंधन विकास समिति, हरक राम साहू, हीराशंकर यादव उपाध्यक्ष, अरुण प्रजापति, चंपाबाई साहू, केसरी बाई ध्रुव, अनिता बाई साहू, अशोक देवदास, सुदर्शन चनाप, रितेश पारख, चंद्रजीत सोन, विद्यालय के प्राचार्य श्री नीरज कुमार सोन उपस्थित रहे। विश्व स्काउट गाइड स्कार्फ डे के अवसर पर प्राचार्य नीरज सोन के मार्गदर्शन व प्रभारी शिल्पा मानिकपुरी के निर्देशन में अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। सायकल प्रभारी प्रेमलाल ध्रुव ने बताया कि नि:शुल्क सरस्वती सायकल वितरण योजना के तहत कक्षा नवमी में अध्यनरत 91 छात्राओं को सायकल वितरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक गण व्याख्याता निरुपमा श्रीमाली, किरन श्रीमाली, लोमश कुमार पटेल, यशपाल साहू, प्रेमलाल ध्रुव, अरविंद सोम, रेणु सोम, अंजना लाउत्रे, देवयानी सोम, ऋषिकेश साहू, शिल्पा मानिकपुरी, पारुल बिसेन, त्रिवेणी सूर्यवंशी, गीतिका निषाद, आरती निषाद, देविका निर्मलकर, टिकेश साहू, त्रिलोक ध्रुव, भगवती ध्रुव, ललिता निषाद, भरत चनाप व छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन यशपाल सिंह साहू ने किया।

कमारपारा पहुंच मार्ग में आम लोगों को आवाजाही में परेशानी

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। जिले के नगरी विकास खंड के ग्राम पंचायत फरसियां के कमारपारा के ग्रामीण पिछले चार दिनों से सड़क मार्ग बाधित होने से परेशान है और लंबा रास्ता तय कर ग्राम के मुख्य कार्यालय, अस्पताल व अन्य आवश्यक संस्थानों तक पहुंचने को मजबूर है। शासन प्रशासन को जानकारी होने के बावजूद सड़क मार्ग दुरुस्त करने आवश्यक कदम उठाए नहीं जा रहे।

बता दे की मूसलाधार वर्षा की वजह से ग्राम फरसियां के कमारपारा का सड़क संपर्क बाधित हो गया । खाद, राशन सामग्री और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित हो गई है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं।

जिसके चलते ग्रामीण को बहुत ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सिंचाई विभाग द्वारा करोड़ों की लागत से नहरनाली निर्माण का कार्य कराया जा रहा है जिसकी वजह से सोंढुर नहरनाली जो कमारपारा के पास से गुजरती थी, उसे पर स्थित पुरानी पुलिया को दो-तीन माह पूर्व तोड़ा गया और नए पुल का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया, ग्रामीणों को आने-जाने के लिए नहरनाली में मिट्टी भरकर अस्थाई पुलिया बनाया गया। लगातार हो रही भारी वर्षा की वजह से सोंढुर डैम का जलस्तर बढ़ने से डैम के गेट खोले गए जिसकी वजह से मिट्टी डाल के बनाए गए अस्थाई पुल का मिट्टी को कैनाल से निकाल कर कैनाल को खोला गया। अस्थाई पुल का मिट्टी निकाल दिए जाने से कमारपारा का संपर्क ग्राम के पंचायत भवन, स्कूल, अस्पताल और अन्य स्थान से सड़क संपर्क कट गया, जिसका समाधान करने ठेकेदार अधूरे बने नए पुल के दोनों तरफ मिट्टी डालकर रास्ता खोलने का प्रयास किया गया पर लगातार हो रही वर्षा की वजह से मिट्टी घुटनों तक दलदल में तब्दील हो गई दलदल की वजह से वाहन, साइकिल और नाम मवेशी पुलिया पार कर उसे पर नहीं जा पा रहे हैं, किसान खाद के लिए सोसाइटी दलदल की वजह नहीं पहुंच पा रहे हैं। जबकि ठेकेदार और अधिकारियों को जानकारी थी की वर्षा ऋतु प्रारंभ होने वाली है बावजूद समय रहते निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया गया।

परेशान ग्रामीण अब केनाल में उतरकर साइकिल या दोपहिया वाहनों से उस पार आना जाना कर रहे हैं।

कमारपारा निवासी किराना, व्यवसाई ने शिकायत करते हुए कहा की 'तीन माह पूर्व पुराने पुल को तोड़कर नया पुल निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया, तोड़ने के दौरान पेयजल नल का पाइप लाइन भी तोड़ दिया गया, जिसकी वजह से पिछले दो-तीन माह से पारा में नल जल का पानी नहीं आ रहा है, पूरी गर्मी ग्रामीण पेयजल के लिए परेशान रहे और अब रास्ता भी अवरुद्ध हो गया है, संबंधित ठेकेदार एवं विभाग पर कलेक्टर महोदय को कार्रवाई करनी चाहिए।

नशामुक्ति का संदेश, जिला स्तरीय आठ प्रतियोगिताओं में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार और श्याम बालाजी महाविद्यालय महासमुंद के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय परिसर में जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी वसुंधरा साहू के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने और उनकी ऊर्जा को रचनात्मक दिशा देने के उद्देश्य से आठ विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें वाद-विवाद, स्लोगन लेखन, कविता/स्लैम पोएट्री, चित्रकला, लघु फिल्म, लोकगीत, लोकनृत्य और नुक्कड़ नाटक शामिल रहे।

प्रतियोगिताओं में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यातायात विभाग के उप निरीक्षक राम भजन सिन्हा ने युवाओं को नशे से दूर रहने और अनुशासित जीवन अपनाने की अपील की। उन्होंने यातायात नियमों के पालन को लेकर भी युवाओं को जागरूक किया। श्याम बालाजी महाविद्यालय की डायरेक्टर तारा चंद्राकर ने विद्यार्थियों को अपने निर्धारित लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आरक्षक महेंद्र दीवान ने नशामुक्ति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। वहीं माय भारत की जिला युवा अधिकारी वसुंधरा साहू ने कार्यक्रम की रूपरेखा और माय भारत अभियान के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

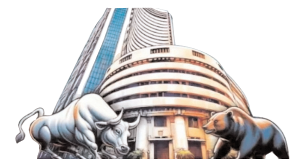

बाजार में भारी गिरावट | पहली तिमाही के नतीजों के बाद मुथूट फाइनेंस के शेयरों में भूचाल

मुथूट फाइनेंस के शेंयरों में 14% से ज्यादा की गिरावट

पहली तिमाही में मुनाफे में बढ़ोतरी के बावजूद निवेशकों ने दिखाई निराशा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को गोल्ड लोन देने वाली कंपनी मुथूट फाइनेंस के शेयरों में 14 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली, जब कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही यानी जून तिमाही के नतीजे घोषित किए।

एनएसई पर कंपनी के शेयर 7.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,876 रुपए पर खुले और सत्र के दौरान इसमें और गिरावट आई, और एक समय शेयर 14.38 प्रतिशत गिरकर 2,671 रुपए के दिन के निचले स्तर पर आ गए।

हालांकि बाद में स्टॉक ने रिकवरी की, और खबर लिखे जाने तक स्टॉक 7.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2889 रुपए पर ट्रेड करते हुए नजर आया। यह गिरावट तब आई जब मुथूट फाइनेंस ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 2,799 करोड़ रुपए का समेकित शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) दर्ज किया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2,016 करोड़ रुपए से अधिक था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय में पिछले वर्ष की तुलना में 34.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 8,695 करोड़ रुपए हो गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 6,466 करोड़ रुपए थी। अपनी कमाई के अलावा, कंपनी ने नेतृत्व में महत्वपूर्ण बदलावों की भी घोषणा की। इसके बोर्ड ने आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन, 1 अक्टूबर से अलेक्जेंडर जॉर्ज को प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है।

Q1FY27 के नतीजे (जून तिमाही)

समेकित शुद्ध लाभ	2,799 करोड़ ₹ (पिछले वर्ष की समान तिमाही: 2,016 करोड़ ₹)	38.87%
कुल आय	8,695 करोड़ ₹ (पिछले वर्ष की समान तिमाही: 6,466 करोड़ ₹)	34.50%

कमजोर डॉलर से सोने और चांदी में तेजी, कीमतें करीब एक प्रतिशत तक बढ़ीं

विश्व केसरी

मुंबई । सोने और चांदी की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई। इस दौरान दोनों कीमती धातुओं में करीब एक प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,41,511 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,42,002 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

सुबह 10:20 पर यह 403 रुपए या 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,41,914 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,41,550 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,42,002 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली है।

चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,17,198 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,17,995 रुपए प्रति किलो पर खुला।

अब तक के कारोबार में चांदी 2,149 रुपए या 0.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,19,347 रुपए प्रति किलो पर थी।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,17,683 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,19,399 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,120 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 58.51 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की एक वजह डॉलर इंडेक्स का कमजोर होना है। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध रुकने से कच्चे तेल की कीमत नीचे आई है, जिससे अमेरिकी डॉलर की मांग घट गई है और डॉलर इंडेक्स कमजोर हुआ है।

डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं- यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक- के मुकाबले स्थिति को दिखाता है।

इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल में भी कमजोरी देखी जा रही है।

आरबीआई का बल्क डिपॉजिट को लेकर नया नियम बैंकों को लचीलापन प्रदान करेगा : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंकों को बल्क डिपॉजिट की कीमत तय करते समय 'लिक्विडिटी कवरेज रेश्यो' (एलसीआर) रन-ऑफ रेट्स पर विचार करने की इजाजत दी है। इससे बैंकों को तरलता लागत के हिसाब से जमा दर तय करने में ज्यादा लचीलापन मिलेगा।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कदम से बैंकों की फंडिंग लागत भी बेहतर होगी और एसेट-लायबिलिटी मैनेजमेंट में सुधार होगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस कदम से डिपॉजिट के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ सकता है और अलग-अलग बैंकों के बीच फंडिंग लगात में अंतर बढ़ सकता है।

जिन बैंकों का जमा आधार कमजोर है, उन्हें अधिक फंडिंग लागत का सामना करना पड़ सकता है, जबकि मजबूत करंट अकाउंट और सेविंग्स अकाउंट वाले बैंकों को फायदा हो सकता है। साथ ही, पारदर्शिता बढ़ाने के लिए इस फ्रेमवर्क में डिस्क्लोजर से जुड़ी शर्तें भी सख्त की गई हैं।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि नए तरीके से बैंक तरलता की विशेषताओं और लागू होने वाले 'रन-ऑफ रेट' के आधार पर बल्क डिपॉजिट की अलग-अलग कीमत तय कर सकते हैं। इसके लिए बैंकों को मुश्किल समय में कैश की संभावित निकासी को पूरा करने के लिए पर्याप्त 'हाई-क्वालिटी लिक्विड एसेट्स' (एचक्यूएलए) रखने की जरूरत होती है। उन्हें एक जैसी डिपॉजिट कैटेगरी के लिए बिना भेदभाव वाली कीमत तय करने के नियम का पालन करना होगा।

फर्म ने बताया कि अलग-अलग तरह की डिपॉजिट और बिना गारंटी वाली होलसेल फंडिंग के 'रन-ऑफ रेट' अलग-अलग होते हैं, इसलिए बैंक अब डिपॉजिट की कीमत तय करते समय उनसे जुड़ी तरलता लागत को भी ध्यान में रख सकते हैं। पहले, प्राइसिंग फ्रेमवर्क में डिपॉजिट की लिक्विडिटी विशेषताओं के आधार पर दरों में अंतर करने की गुंजाइश सीमित थी।

आरबीआई ने डिपॉजिट पर ब्याज दरों के बारे में संशोधित निर्देश और संशोधन आदेश जारी किए हैं, जो 1 अक्टूबर, 2026 से लागू होंगे। इनके तहत सभी ब्रांच में एक जैसी दरें रखना अनिवार्य है, लेकिन लिक्विडिटी रिस्क के आधार पर बल्क डिपॉजिट के लिए प्राइसिंग में छूट दी गई है।

भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जुलाई में 53.5 पर रहा, मांग रही मजबूत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में गतिविधियां मजबूत रही हैं और इस कारण जुलाई में पीएमआई 53.5 रहा है, हालांकि, वृद्धि की रफ्तार में कमी आने के कारण यह जून के 54.2 से कम है। यह जानकारी एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण में सोमवार को दी गई।

एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित किए गए एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई डेटा में बताया गया कि भारत में मैन्युफैक्चरर्स को मांग से लगातार फायदा हो रहा है और नए ऑर्डर आउटपुट ग्रोथ को बढ़ा रहे हैं। हालांकि, कुछ पैमानों पर ग्रोथ फिर से धीमी हो गई,जिसमें कुल बिक्री, इनपुट की खरीद और रोजगार आदि शामिल हैं।

जब भी पीएमआई 50 से ऊपर होता है, तो यह वृद्धि को दिखाता है।

पीएमआई सर्वेक्षण में सकारात्मक पहलू नए निर्यात ऑर्डर में तेज वृद्धि होना था। इसके अलावा, बिजनेस को लेकर उम्मीदों में थोड़ी रिकवरी हुई। ऑपरेटिंग खर्च और बढ़े (खासकर ट्रांसपोर्टेशन में) लेकिन लागत में बढ़ोतरी की कुल दर घटकर पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। इस कारण आउटपुट चार्ज में भी मामूली बढ़ोतरी हुई।

एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'जुलाई में आपूर्तिकर्ताओं के डिलीवरी टाइम का इंडेक्स बढ़ा, जो एक अच्छा संकेत है कि सप्लाई चेन में होने वाली देरी कम हो रही है। हालांकि, मध्य पूर्व में फिर से बढ़े तनाव ने इस बात पर नए शक पैदा कर दिए हैं कि ये सुधार कितने लंबे समय तक टिकेंगे। इसके जवाब में, मैन्युफैक्चरर्स बफर फिर से बना रहे हैं। इससे खरीद की मात्रा बढ़ने के साथ-साथ इनपुट और तैयार माल, दोनों की इन्वेंट्री में बढ़ोतरी हुई है, जिससे पता चलता है कि कंपनियां आपूर्ति सुरक्षित कर रही हैं और संभावित रुकावटों के जोखिम को कम कर रही हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि आउटपुट और नए निर्यात ऑर्डर में मजबूती आई, जो मजबूत मांग का संकेत है, खासकर विदेशी बाजारों से। जुलाई में कीमतों का दबाव भी बदला है इनपुट लागत में महंगाई कम हुई, लेकिन आउटपुट कीमतों में महंगाई बढ़ी, जिससे पता चलता है कि कंपनियां अपने मार्जिन को बचाने के लिए एक बार फिर कीमतों में बढ़ोतरी का बोझ ग्राहकों पर डाल रही हैं। सर्वेक्षण में बताया गया कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को कनाडा, मिस्त्र, इंडोनेशिया, केन्या, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड और यूएई से निर्यात ऑर्डर्स में वृद्धि हुई है।

ईंधन की ऊंची कीमतों के बाद भी भारतीय एयरलाइंस का जून में अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिक रहा मजबूत : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय एयरलाइंस के लिए अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिक मासिक आधार पर जून में बढ़ा है। साथ ही, घरेलू पैसेंजर लोड फैक्टर भी मजबूत रहा है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म इक्विरस ने कहा कि सीजन के दौरान अधिक ट्रैफिक के बाद घरेलू ट्रैफिक में थोड़ी कमी आई, लेकिन पैसेंजर लोड फैक्टर अच्छे बने रहे, जो सेक्टर में मजबूत मांग और क्षमता के सही इस्तेमाल को दिखाते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होकर लगभग 95.4 पर आ गया, जिससे एयरक्राफ्ट लीजिंग, मेंटेनेंस और डॉलर में होने वाले अन्य ऑपरेटिंग खर्च बढ़ गए।

इस दौरान घरेलू एविएशन की मांग मजबूत बनी रही। जून 2026 में घरेलू पैसेंजर ट्रैफिक लगभग 13.5 मिलियन रहा, जो साल-दर-साल 1 प्रतिशत और महीने-दर-महीने 12 प्रतिशत कम है। यह गर्मियों में यात्रा के पीक सीजन के बाद आई मौसमी कमी को दिखाता है।

रेवेन्यू पैसेंजर किलोमीटर सालाना आधार पर लगभग 13.3 बिलियन पर स्थिर रहे, जबकि एयरलाइंस द्वारा क्षमता कम करने के कारण अवेलेबल सीट किलोमीटर में सालाना आधार पर 2 प्रतिशत की कमी आई।

पैसेंजर लोड फैक्टर (पीएलएफ) 85.7 प्रतिशत पर अच्छा बना रहा और इसमें सालाना आधार पर 118 आधार अंक का सुधार हुआ। इससे पता चलता है कि यात्रियों की संख्या कम होने के बावजूद एयरलाइंस ने विमानों का कुशल इस्तेमाल जारी रखा।

जून के दौरान भारतीय एयरलाइंस से विदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या लगभग 2.4 मिलियन रही, जो मई की तुलना में 4 प्रतिशत अधिक थी, हालांकि यह पिछले साल के स्तर से कम ही रही।

पिछले महीनों में आई रुकावटों के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के धीरे-धीरे बहाल होने का संकेत देते हुए, महीने-दर-महीने उड़ान रवानगी में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि क्षमता लगभग स्थिर रही।

रिपोर्ट में कहा गया कि एयरलाइन सेक्टर में अभी मिला-जुला ऑपरेटिंग माहौल है।

कंपनी ने आगे कहा, 'यात्रियों की मांग अच्छी बनी हुई है, खासकर घरेलू बाजार में, जहां मौसमी कमी के बावजूद लोड फैक्टर मजबूत हैं।'

रिपोर्ट के अनुसार, एयरलाइंस को एविएशन फ्यूल की ऊंची कीमतों और करेंसी की वैल्यू घटने से दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

सेंसेक्स 544 अंक उछला, निफ्टी में 1.60 प्रतिशत की बढ़त

विश्व केसरी

मुंबई । अमेरिकी-ईरान शांति समझौते की उम्मीदों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट के चलते हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे सत्र में बढ़त दर्ज करते हुए अच्छी बढ़त के साथ बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्कों सेंसेक्स में 0.70 प्रतिशत और निफ्टी 50 में 1.60 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय सेंसेक्स 544.39 अंकों यानी 0.70 प्रतिशत उछलकर 78,639 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 390.70 अंकों यानी 1.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,774.30 पर बंद हुआ।

व्यापक स्तर पर आई तेजी ने मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट को भी ऊपर उठाया, जहां निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 1.21 प्रतिशत की उछाल आई, तो स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.29 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

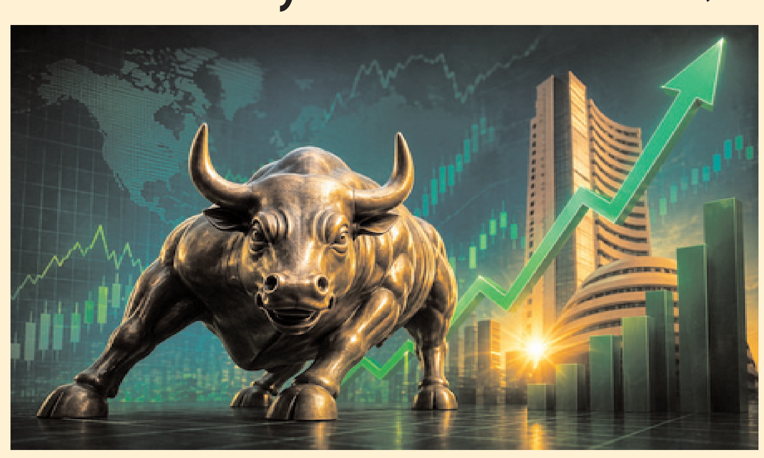

वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मीडिया (3.09 प्रतिशत की गिरावट) को छोड़कर, सभी क्षेत्रीय सूचकांक हरे निशान में बंद हुए, जिसमें निफ्टी आईटी सूचकांक ने सबसे अधिक बढ़त दर्ज की, जिसमें 3.28 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली। इसके बाद निफ्टी प्राइवेट बैंक (1.90 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (1.72 प्रतिशत), निफ्टी मेटल (1.54 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (1.48 प्रतिशत) और निफ्टी पीएसयू बैंक (1.43 प्रतिशत) इंडेक्स का स्थान रहा।

निफ्टी50 इंडेक्स में, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, टीसीएस, इंडिगो, इंफोसिस, श्रीराम फाइनेंस और एक्सिस बैंक सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे, जबकि अपोलो हॉस्पिटल्स, सन फार्मा, मारुति सुजुकी, ओएनजीसी, टेक महिंद्रा और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहे।

इस तरह, महज चार लगातार सत्रों में, सेंसेक्स 1,850 अंक यानी 2.44 प्रतिशत चढ़ गया है, जबकि निफ्टी 50 में करीब 800 अंक यानी 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इस बीच, एक ही सत्र में निवेशकों ने करीब 4 लाख करोड़ रुपए कमा लिए, क्योंकि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सत्र के लगभग 486 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 490 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया।

और इस तरह, निवेशकों की संपत्ति में पिछले चार सत्रों में 11 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है, क्योंकि बीते 28 जुलाई को बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप 479 लाख करोड़ रुपए था।

भारत, फ्रांस और अरब देशों के बीच व्यापार व निवेश को मिलेगा बढ़ावा, एसोचैम ने किए अहम रणनीतिक समझौते

विश्व केसरी

नई दिल्ली। देश के प्रमुख उद्योग संगठन एसोचैम ने भारत, फ्रांस और अरब देशों के बीच व्यापार, निवेश तथा कारोबारी सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिजनेस फ्रांस और भारत एवं अरब देशों के वाणिज्य, उद्योग एवं कृषि मंडल के साथ रणनीतिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसकी घोषणा सोमवार को की गई।

शीर्ष उद्योग संगठन ने बताया कि एसोचैम समझौता हस्ताक्षर समारोह के दौरान हुए इन समझौतों का उद्देश्य संस्थागत सहयोग, व्यापारिक आदान-प्रदान, निवेश को प्रोत्साहन, प्रौद्योगिकी साझेदारी तथा विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर बाजार पहुंच के माध्यम से भारत की वैश्विक आर्थिक साझेदारियों को और मजबूत बनाना है।

बिजनेस फ्रांस के साथ हुए समझौते के तहत दोनों संस्थाएं व्यापार और निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने, प्रौद्योगिकी सहयोग और संयुक्त उद्यमों को प्रोत्साहित करने, व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों का समर्थन करने, बाजार संबंधी जानकारियों का आदान-प्रदान करने तथा व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों, सम्मेलनों और अन्य कारोबारी गतिविधियों का संयुक्त रूप से आयोजन करेंगी।

इस अवसर पर एसोचैम के महासचिव सौरभ सान्याल ने कहा कि वैश्विक बाजारों के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी व्यवसायों के लिए साझेदारी, निवेश और नवाचार के नए अवसर लेकर आई है।

उन्होंने कहा, 'बिजनेस फ्रांस और भारत एवं अरब देशों के वाणिज्य, उद्योग एवं कृषि मंडल के साथ हमारी ये साझेदारियां मजबूत संस्थागत संबंध स्थापित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। इससे उद्यमों को आपस में जुड़ने, नए बाजार तलाशने और दीर्घकालिक तथा टिकाऊ आर्थिक मूल्य सृजित करने में मदद मिलेगी।'

बिजनेस फ्रांस के कृषि निर्यात प्रभाग के प्रमुख वियानी मेनिएर ने कहा कि यह साझेदारी फ्रांस और भारत के उद्यमों के बीच कंपनियों, संस्थानों और निवेशकों की भागीदारी बढ़ाकर कारोबारी संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

वहीं, भारत एवं अरब देशों के वाणिज्य, उद्योग एवं कृषि मंडल के कार्यवाहक महासचिव डॉ. वाइल एस. एच. अव्वाद ने कहा कि यह समझौता व्यापारिक संवाद को बढ़ावा देने, निवेश साझेदारियों को प्रोत्साहित करने और भारत तथा अरब क्षेत्र के बीच वाणिज्यिक सहयोग को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

भारत एवं अरब देश वाणिज्य, उद्योग एवं कृषि मंडल के साथ हुए इस समझौते का मुख्य उद्देश्य व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान, व्यापार एवं निवेश संबंधी सूचनाओं के साझा उपयोग, संयुक्त उद्यमों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देना तथा ऐसे कारोबारी आयोजनों का संचालन करना है, ताकि उद्यमों को नए वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने में सहायता मिल सके।

रातभर नहीं आई अच्छी नींद? अगले दिन की थकान और ब्रेन फॉग दूर करने के 5 आसान तरीके

रातभर अच्छी नींद नहीं आई? घबराने की जरूरत नहीं. जानिए धूप, पावर नैप, हल्की एक्सरसाइज और सही स्लीप रूटीन जैसे 5 आसान तरीके, जो अगले दिन की थकान, ब्रेन फॉग और सुस्ती को कम करने में मदद कर सकते हैं.

अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन(CDC) के अनुसार, वयस्कों को हर रात कम से कम 7 घंटे की नींद लेनी चाहिए. इससे कम नींद लेने पर ध्यान लगाने में परेशानी, याददाश्त कमजोर होना, मूड खराब होना, निर्णय लेने की क्षमता पर असर और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है.

ऐसे में अगर किसी रात आपकी नींद पूरी नहीं हो पाती, तो अगला दिन काफी मुश्किल लग सकता है. आंखों में भारीपन, सिरदर्द, सुस्ती, चिड़चिड़ापन और ब्रेन फॉग जैसी समस्याएं काम और मूड दोनों पर असर डालती हैं. हालांकि, एक रात की खराब नींद का मतलब यह नहीं कि पूरा दिन भी खराब ही जाएगा.

वहीं, स्लीप फाउंडेशन (Sleep Foundation) के अनुसार, अगर किसी एक रात नींद पूरी नहीं हो पाई हो तो अगले दिन 20-30 मिनट की पावर नैप, मॉर्निंग में धूप में बैठना जैसी गतिविधियां शरीर की सतर्कता बढ़ाने और थकान कम करने में मदद कर सकती है.

ऐसे कुछ आसान आदतें अपनाकर आप अपने शरीर और दिमाग को जल्दी रिकवर कर सकते हैं. नींद और मानसिक स्वास्थ्य पर काम करने वाले विशेषज्ञ भी मानते हैं कि सही रूटीन अपनाने से शरीर दोबारा एनर्जी हासिल कर सकता है.

रात भर नींद न आने की परेशानी से खुद को ऐसे करें रीकवर –

1. सुबह धूप में जरूर निकलें–

अगर रात में अच्छी नींद नहीं आई है तो सुबह या दिन में कुछ समय बाहर धूप में बिताएं. हल्की वॉक करने से शरीर को नेचुरल एनर्जी मिलती है. सूरज की रोशनी शरीर में सेरोटोनिन (Serotonin) का स्तर बढ़ाने में मदद करती है. यह एक ऐसा न्यूरोट्रांसमीटर है जो मूड बेहतर करता है और थकान कम महसूस होने में मदद करता है. साथ ही धूप शरीर की बॉडी क्लॉक को भी रीसेट करने में मदद करती है.

2. 20 मिनट की पावर नैप लें–

अगर मौका मिले तो दिन में करीब 20 मिनट की छोटी नींद लें. इसे पावर नैप कहा जाता है।

इससे ब्रेन फॉग, थकान और नींद की कमी से होने वाली सुस्ती कम हो सकती है. ध्यान रखें कि यह नैप बहुत लंबी न हो और शाम या रात के बहुत करीब न लें, वरना अगली रात की नींद प्रभावित हो सकती है.

3. हल्की एक्सरसाइज करें–

नींद पूरी न होने पर कई लोग एक्सरसाइज छोड़ देते हैं, लेकिन हल्की फिजिकल एक्टिविटी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है. तेज वॉक, स्ट्रेचिंग, योग या हल्का वर्कआउट शरीर में मेलाटोनिन (Melatonin) के प्राकृतिक उत्पादन को सपोर्ट करता है. यही हार्मोन रात में अच्छी नींद लाने में अहम भूमिका निभाता है.

4. कैफीन पर पूरी तरह निर्भर न रहें–

नींद की कमी होने पर कई लोग बार-बार चाय या कॉफी पीने लगते हैं. थोड़ी मात्रा में कैफीन आपको सतर्क महसूस करा सकती है, लेकिन ज्यादा कैफीन लेने से रात की नींद फिर से खराब हो सकती है. इसलिए दोपहर के बाद कैफीन कम लेने की कोशिश करें और इसकी जगह पर्याप्त पानी पीते रहें.

5. रात के लिए बेहतर माहौल तैयार करें–

अगर पिछली रात नींद खराब रही है तो अगली रात अच्छी नींद लेना सबसे जरूरी है. इसके लिए साफ बेडशीट बिछाएं, कमरे का तापमान ठंडा और आरामदायक रखें, मोबाइल और लैपटॉप का इस्तेमाल सोने से पहले कम करें और रोज एक ही समय पर सोने की आदत बनाएं. इससे शरीर को जल्दी आराम मिलेगा और अगली सुबह आप ज्यादा फ्रेश महसूस करेंगे.

एक रात की खराब नींद को आदत न बनने दें

विशेषज्ञों का कहना है कि कभी-कभार नींद खराब होना सामान्य बात है, लेकिन अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है, खर्राटे, सांस रुकने या दिनभर अत्यधिक नींद आने जैसी दिक्कतें भी हों, तो डॉक्टर या स्लीप स्पेशलिस्ट से सलाह जरूर लें. अच्छी नींद बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की बुनियाद है।

अगस्त में अचानक क्यों बढ़ने लगे जॉइंट पेन के मरीज, अंबाला में ये कैसी आफत? आप भी तो नहीं कर ये गलती

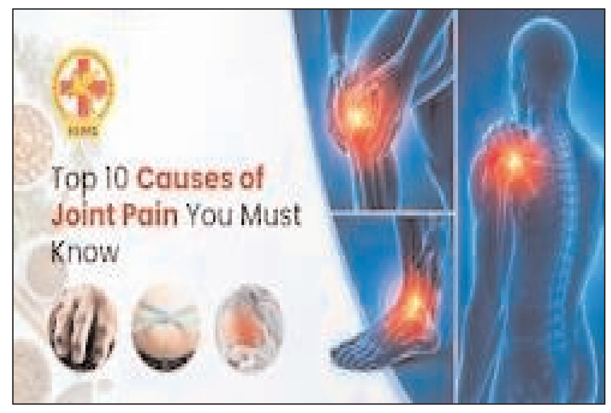

इन दिनों अंबाला में जोड़ों के दर्द से परेशान मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है. बुजुर्ग, गठिया के मरीज और वे लोग जिन्हें पहले कभी हड्डियों या जोड़ों में चोट लगी हो, अकड़न और सूजन की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं. लोकल 18 से अंबाला की होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. रजिता बताती हैं कि अगस्त के दौरान मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है. तापमान में उतार-चढ़ाव और ठंडक बढ़ने से लोग शारीरिक गतिविधियां कम कर देते हैं. यही आदत शरीर में खिंचाव पैदा करती है, जिससे जोड़ों का दर्द बढ़ने लगता है.

बाला. अगस्त की शुरुआत के साथ मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है. कभी तेज बारिश, कभी उमस तो कभी ठंडी हवाएं लोगों को राहत देने के साथ नई स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा कर रही हैं. इन दिनों अंबाला शहर नागरिक अस्पताल में सर्दी-जुकाम और वायरल संक्रमण के साथ-साथ जोड़ों के दर्द से परेशान मरीजों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है. खासकर बुजुर्ग, गठिया के मरीज और वे लोग जिन्हें पहले कभी हड्डियों या जोड़ों में चोट लगी हो, मौसम बदलते ही दर्द, अकड़न और सूजन की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं. लोकल 18 से अंबाला शहर नागरिक अस्पताल की होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. रजिता बताती हैं कि अगस्त के दौरान मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है, जिसमें तापमान में उतार-चढ़ाव और ठंडक बढ़ने से लोग शारीरिक गतिविधियां कम कर देते हैं और लंबे समय तक बैठे रहते हैं. यही आदत शरीर में खिंचाव पैदा करती है, जिससे जोड़ों का दर्द बढ़ने लगता है.

शरीर को सक्रिय रखना जरूरी

डॉ. रजिता कहती हैं कि यही कारण है कि पिछले कुछ दिनों में जॉइंट पेन के मरीजों की संख्या पहले की तुलना में काफी अधिक देखने को मिल रही है. डॉ. रजिता के मुताबिक, दर्द से बचने का सबसे आसान तरीका नियमित दिनचर्या अपनाना है. रोज सुबह जल्दी उठकर हल्की एक्सरसाइज, योग और स्ट्रेचिंग जरूर करनी चाहिए. कई लोग दर्द होने पर पूरी तरह आराम करने लगते हैं, लेकिन लंबे समय तक निष्क्रिय रहने से जोड़ों की जकड़न और बढ़ सकती है, इसलिए शरीर को सक्रिय रखना बेहद जरूरी है.

ये रहा घरेलू उपाय

डॉ. रजिता बताती हैं कि होम्योपैथी में हर मरीज का उपचार उसके लक्षणों के आधार पर किया जाता है. यदि किसी व्यक्ति को आराम करने के बाद दर्द बढ़ता है तो उसके लिए अलग दवा दी जाती है, जबकि चलने-फिरने या काम करने पर दर्द महसूस होने वाले मरीजों का उपचार अलग तरीके से किया जाता है. दवा शुरू करने से पहले यह भी देखा जाता है कि मरीज को सांस या त्वचा से जुड़ी कोई अन्य समस्या तो नहीं है, ताकि उसी के अनुरूप दवा का चयन किया जा सके. डॉ. रजिता के अनुसार, दाल और सब्जियों में काली मिर्च का सीमित मात्रा में इस्तेमाल जोड़ों के दर्द में लाभकारी माना जाता है।

क्या मां के पेट में पल रहे बच्चे का हो सकता है ऑपरेशन? डॉक्टर ने बताया अजन्मे शिशु की कब बचाई जा सकती जान

मां के पेट में पल रहे बच्चे का इलाज भी किया जा सकता है. सुनने में यह बात हैरान करने वाली लग सकती है, लेकिन आज की मेडिकल साइंस ने इसे संभव बना दिया है. अब कुछ ऐसी गंभीर स्थितियां होती हैं, जिनमें डॉक्टर बच्चे के जन्म का इंतजार नहीं करते, बल्कि गर्भ में रहते हुए ही उसका इलाज करते हैं. इससे कई बार बच्चे की जान बचाई जा सकती है और जन्म के बाद होने वाली बड़ी परेशानियों से भी बचाव हो सकता है. हालांकि, हर गर्भवती महिला या बच्चे को ऐसे इलाज की जरूरत नहीं होती. यह फैसला पूरी जांच और विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह के बाद ही लिया जाता है.

फरीदाबाद के अमृता हॉस्पिटल की फीटल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. रीमा भट्ट बताती हैं कि मां के गर्भ में पल रहे बच्चे का इलाज अब संभव है. हर बच्चे को गर्भ में इलाज की जरूरत नहीं पड़ती, लेकिन कुछ ऐसे मामले होते हैं कि जहां समय रहते इलाज करना जरूरी हो जाता है. अगर सही समय पर उपचार किया जाए तो बच्चे की जान बचाई जा सकती है और गर्भावस्था को सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ाया जा सकता है.

संक्रमण के खतरे में होता है इलाज

डॉ. रीमा भट्ट बताती हैं कि कई बार गर्भ में पल रहे बच्चे को एनीमिया यानी खून की कमी हो जाती है. ऐसा कई कारणों से हो सकता है, जैसे किसी संक्रमण की वजह से या फिर आरएच नेगेटिव मां के मामले में. ऐसी स्थिति में अल्ट्रासाउंड की मदद से गर्भ में ही बच्चे को खून चढ़ाया जाता है. इससे बच्चे की हालत सुधर सकती है और उसकी जान बचाई जा सकती है.

डॉ. रीमा भट्ट बताती हैं कि जुड़वा बच्चों की गर्भावस्था में भी कई बार परेशानी आ जाती है. जब दोनों बच्चे एक ही प्लेसेंटा साझा करते हैं, तो कई बार एक बच्चे को ज्यादा और दूसरे को कम खून मिलने लगता है. इससे एक बच्चा तेजी से बढ़ता है और दूसरा कमजोर रह जाता है. ऐसे मामलों में लेजर की मदद से इलाज किया जाता है, जिससे दोनों बच्चों के बीच खून का असंतुलन कम किया जा सके.

गर्भावस्था को आगे बढ़ाने में मदद

डॉ. रीमा भट्ट बताती हैं कि कुछ बच्चों के फेफड़ों या पेट में गर्भ के दौरान पानी भर जाता है. ऐसी स्थिति में पहले उस पानी की जांच की जाती है और जरूरत पड़ने पर शंट लगाया जाता है।

सावन में केवल सोमवार व्रत ही नहीं, शिवजी के प्रिय मास में पड़ते हैं ये 6 अति-दुर्लभ व्रत, जानें इनका धार्मिक महत्व

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है, जिसमें सोमवार व्रत का विशेष महत्व है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस पवित्र मास में केवल सोमवार ही नहीं, बल्कि 6 अन्य अति-दुर्लभ व्रत भी पड़ते हैं? इन व्रतों का अपना गहरा धार्मिक महत्व है, जो भक्तों को शिवजी की विशेष कृपा प्राप्त करने का अवसर देते हैं. आइए जानते हैं इन महत्वपूर्ण व्रतों और उनके धार्मिक पहलुओं के बारे में.

सावन का पवित्र महीना भगवान शिव की उपासना का सर्वोत्तम समय माना जाता है और इस बार चार सावन सोमवार का व्रत किया जाएगा. इस माह में शिवभक्त श्रद्धा और भक्ति के साथ व्रत, पूजा, रुद्राभिषेक और जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. अधिकांश लोग सावन में सोमवार व्रत के बारे में जानते हैं लेकिन कुछ ऐसे व्रत और पर्व भी है, जो ज्यादातर लोग जानते नहीं है, जैसे सोलह सोमवार व्रत, मंगला गौरी व्रत आदि. इन व्रत को करने शिवजी और माता पार्वती का आशीर्वाद तो मिलता ही है, साथ ही ग्रह-नक्षत्र के अशुभ प्रभाव और सभी संकटों से भी मुक्ति मिलती है. आइए जानते हैं सावन मास में किए जाने वाले 6 प्रमुख पर्व और व्रत...

सावन सोमवार व्रत का महत्व – सावन के प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव की विशेष पूजा का विधान है और इस बार सावन में चार सोमवार का व्रत किया जाएगा. पहला सोमवार व्रत 3 अगस्त, दूसरा 10 अगस्त, तीसरा 17 अगस्त और चौथा सोमवार व्रत 24 अगस्त को किया जाएगा. मान्यता है कि इस दिन व्रत रखकर शिवलिंग का जल, दूध, दही, शहद और बेलपत्र से अभिषेक करने पर भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं. यह व्रत सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मनोकामनाओं की पूर्ति का प्रतीक माना जाता है. अविवाहित युवक-युवतियां योग्य जीवनसाथी की कामना से भी यह व्रत करते हैं.

सोलह सोमवार व्रत का महत्व – भगवान शिव को समर्पित सोलह सोमवार व्रत हिंदू धर्म में अत्यंत फलदायी माना जाता है. धार्मिक मान्यता है कि लगातार सोलह सोमवार तक श्रद्धा और नियमपूर्वक व्रत रखने और शिवलिंग का जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और भांग से अभिषेक करने पर भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होकर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं. यह व्रत विशेष रूप से सुखी दांपत्य जीवन, योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति, संतान सुख, उत्तम स्वास्थ्य और आर्थिक समृद्धि के लिए किया जाता है. शिव पुराण के अनुसार सच्ची श्रद्धा और निष्ठा से किया गया सोलह सोमवार व्रत जीवन की बाधाओं को दूर करने तथा मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है.

मंगला गौरी व्रत का महत्व – जिस तरह सावन में सोमवार को भगवान शिव की पूजा की जाती है, ठीक उसी तरह सावन के हर मंगलवार के दिन मंगला गौरी का व्रत किया जाता है. यह व्रत मुख्य रूप से माता पार्वती को समर्पित है।

रामेन से देसी चाउमीन तक का स्वाद, देहरादून के ये फूड स्पॉट्स हैं नूडल लवर्स की पहली पसंद

देहरादून. आज देहरादून में जेन जी डिम्पलिंग पसंद करते हैं. लेकिन, आज से लगभग 20 साल पहले जब मोमो देहरादून में इतने ज्यादा नहीं प्रचलित थे तो उस समय लोग नूडल्स और चाउमीन के शौकीन थे यानी मिलेनियन लोग नूडल्स पसंद करते थे. अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिन्हें नूडल्स खाना पसंद है तो देहरादून में कई ऐसे स्पॉट है जहां आप टेस्टी नूडल्स, चाऊमीन खा सकते हैं.

द्यदेहरादून में नूडल्स और चाउमीन का सफर दशकों पुराना है. आज से लगभग 20 साल पहले जब शहर में मोमो का खुमार इतना नहीं था तब मिलेनियल्स का सबसे पसंदीदा स्नैक स्ट्रीट-स्टाइल स्ट्रीट चाउमीन हुआ करती थी. समय बदला और जेन जी के दौर में डिम्पलिंग और मोमो की लोकप्रियता बढ़ी. लेकिन, नूडल्स का क्रेज कभी कम नहीं हुआ. आज दून में तिब्बती, कोरियन, जापानी और चाइनीज फ्लेवर्स से लेकर पुराने देसी-स्ट्रीट स्टाइल नूडल्स तक का जबरदस्त जायका मिलता है. अगर आप भी नूडल लवर हैं और पुराने दिनों को याद करते हैं तो देहरादून की कुछ खास जगहों पर स्वाद की हर वैरायटी का लुत्फ उठा सकते हैं.

अगर आप ऑथेंटिक जापानी रामेन और सूपी नूडल्स के शौकीन हैं तो राजपुर रोड स्थित 'सोसोरू' एक बेस्ट जगह है. यहां का माहौल आपको सीधे जापान और कोरिया वाइब्स देता है. यहां मिलने वाले हॉट स्पाइसी रामेन बाउल, मिसो ब्रॉथ नूडल्स और पैन-एशियन फ्लेवर्स बहुत पसंद किए जाते हैं. खर्चे की बात करें तो दो लोगों के खाने का औसत खर्च यहां लगभग 1 हजार से डेढ़ हजार के आसपास आता है.

देहरादून में एशियन और तिब्बती नूडल्स की बात हो तो क्लॉक टावर के पास स्थित 'कलसंग' का नाम सबसे पहले आता है।

गुलाब-गुड़हल में नहीं आ रहीं कलियां? केले के छिलके का यह 3 दिन वाला सीक्रेट हैक कर देगा कमाल, जानें तरीका

क्या आपके बालकनी गार्डन में रखे गुलाब और गुड़हल के पौधे हरे-भरे तो दिख रहे हैं, लेकिन उनमें फूल या कलियां आने का नाम ही नहीं ले रही हैं? महंगे-महंगे फर्टिलाइजर और बाजार के केमिकल डालकर थक चुके हैं? अगर हाँ, तो अब आपको नर्सरी के चक्कर काटने या पैसे बहाने की बिल्कुल ज़रूरत नहीं है. आपके किचन में रोज़ फेंका जाने वाला केले का छिलका इस समस्या का सबसे पक्का और मुफ़्त का इलाज है! बस आपको इसे इस्तेमाल करने का 3 दिन वाला सीक्रेट तरीका मालूम होना चाहिए. आइए जानते हैं कि कैसे सिर्फ 3 दिनों में केले के छिलके से आप अपने पौधों को फूलों से लाद सकते हैं.

केले का छिलका ही क्यों?

दरअसल, गुलाब और गुड़हल जैसे हैवी-ब्लूमिंग पौधों को फलने-फूलने के लिए सबसे ज्यादा पोटैशियम (Potassium) और फास्फोरस (Phosphorus) की जरूरत होती है. जब मिट्टी में इन तत्वों की कमी हो जाती है, तो पौधे पत्तियां तो फेंकते हैं, लेकिन उनमें कलियां नहीं बनतीं.

केले के छिलके में प्रचुर मात्रा में पोटैशियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम पाया जाता है. यह पौधों के लिए किसी 'एनर्जी ड्रिंक' की तरह काम करता है, जो जड़ों को मजबूत बनाता है और रातों-रात नई कलियों को पनपने में मदद करता है.

3 दिन वाला 'सीक्रेट लिक्विड हैक' बनाने की विधि–

2 से 3 केले के ताज़ा छिलके लें और उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें.अब एक कांच के जार या प्लास्टिक की बोतल में 1 लीटर पानी लें और इन छिलकों को उसमें डुबो दें.

बर्तन का ढक्कन हल्का बंद कर दें. इस बोतल को 3 दिनों (72 घंटे) के लिए किसी छायादार जगह पर रख दें. इन 3 दिनों में छिलके के सारे पोषक तत्व पानी में घुल जाएंगे और पानी का रंग गहरा भूरा हो जाएगा.

3 दिन बाद पानी को छान लें. आपका शक्तिशाली Organic Potassium Booster तैयार है!

पौधों में डालने का सही तरीका (How to Use)-

डायल्यूट करें: तैयार किए गए 1 लीटर गाढ़े घोल में 1 लीटर सादा पानी और मिलाएं.

मिट्टी की गुड़ाई: जिस गमले में यह पानी डालना है, उसकी ऊपरी मिट्टी की हल्की गुड़ाई (Loosening) कर लें ताकि पानी सीधा जड़ों तक पहुंचे.

मात्रा: हर गमले में लगभग 100 से 150 मिलीलीटर यह लिक्विड फर्टिलाइजर डालें.

समय: इसे हमेशा सुबह-सुबह या ढलते सूरज (शाम) के समय ही पौधों में डालें.

याद रखें गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर हैक का असर आधा हो जाता है, इसलिए इन बातों का खास ध्यान रखें:

प्रो-टिप: इस लिक्विड फर्टिलाइजर का इस्तेमाल 15 दिनों में केवल एक बार करें. 10 से 12 दिनों के भीतर आपको गुलाब और गुड़हल की टहनियों पर छोटी-छोटी हरी कलियां गुच्छों में फूटती हुई नज़र आने लगेंगी।

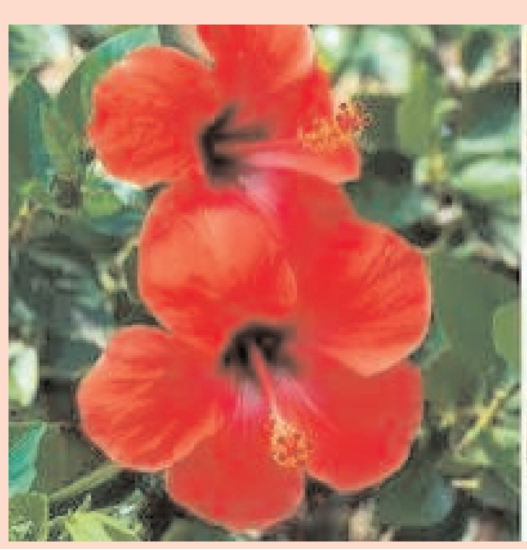

बरखा सिंह ने सेट पर मनाया जन्मदिन, बोलीं- 'काम करते हुए जन्मदिन मनाना यादगार अनुभव'

मुंबई । अभिनेत्री बरखा सिंह ने 'क्रिमिनल जस्टिस : ए फैमिली मैटर' और 'द साबरमती रिपोर्ट' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स से खास पहचान बनाई। इन दिनों वह अपने नए प्रोजेक्ट में काफी बिजी हैं। इस बार उन्होंने अपना बर्थडे भी शूटिंग सेट पर सेलिब्रेट किया। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि उनके लिए यह खुशी देने वाला अनुभव है, क्योंकि काम के प्रति उनकी लगन हमेशा से ऐसी ही रही है।

बता दें कि बरखा सिंह आने वाले रियलिटी शो 'वी गॉट यू, गर्ल' की शूटिंग कर रही हैं। जन्मदिन के मौके पर भी उन्होंने शूटिंग जारी रखी और सेट पर ही अपना खास दिन मनाया। इस बारे में बात करते हुए बरखा ने कहा कि उन्हें काम के बीच अपना जन्मदिन मनाने में कोई परेशानी नहीं होती बल्कि यह उनके लिए एक यादगार अनुभव बन जाता है। बरखा ने कहा, ''मेरा हमेशा से मानना रहा है कि किसी भी चीज को खास सामान्य दिनों से भी बनाया जा सकता है। इसलिए अपना जन्मदिन सेट पर मनाना मुझे बिल्कुल स्वाभाविक लगा। मेरे लिए यह बहुत अच्छा अनुभव है कि मैं काम कर रही हूं, कुछ नया सीख रही हूं और अपनी कला को बेहतर बनाने की कोशिश कर रही हूं।''

उन्होंने आगे कहा, ''एक कलाकार के तौर पर मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मैं हर प्रोजेक्ट के साथ कुछ नया सीखूं, लोगों के साथ मिलकर काम करूं और खुद को पहले से बेहतर बनाने की कोशिश करती रहूं। मैं उन सभी अनुभवों के लिए आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचाया है।''

बरखा ने अपने आने वाले सफर को लेकर भी उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, ''मैं आगे भी ऐसे किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे चुनौती दें और दर्शकों को कुछ नया देखने को मिले। मैं अपने काम के जरिए खुद को लगातार आगे बढ़ाना चाहती हूं और हर बार दर्शकों को कुछ अलग देने की कोशिश करूंगी। बरखा सिंह कई टीवी शो का हिस्सा रह चुकी हैं। वह सीरियल 'जाट की जुगनी' में नजर आई थीं, जिसमें हरियाणा के एक देसी जाट युवक और एक शर्मीली जाट लड़की की कहानी दिखाई गई थी। 'जाट की जुगनी' को लेकर उस समय यह भी चर्चा थी कि इसकी कहानी 1993 में आई हिंदी फिल्म 'अनाड़ी' से प्रेरित है, जिसमें करिश्मा कपूर और दग्गुबाती वेंकटेश नजर आए थे।

शूटिंग के बीच मनाया स्पेशल डे

बरखा सिंह आने वाले रिलिटी शो 'वी गोंट यु, गर्ल' की शूटिंग कर रही हैं। जन्मदिन के मौके पर भी उन्होंने शूटिंग जारी रखी और सेट पर ही अपना खास दिन मनाया।

★ बरखा सिंह के बारे में

बरखा सिंह कई टीवी शो का हिस्सा रह चुकी हैं। वह सीरियल 'जाट की जुगनी' में नजर आई थीं, जिसमें हरियाणा के एक देसी जाट युवक और एक शर्मीली जाट लड़की की कहानी दिखाई गई थी।

'जाट की जुगनी' को लेकर उस समय यह भी चर्चा थी कि इसकी कहानी 1993 में आई हिंदी फिल्म 'अनाड़ी' से प्रेरित है, जिसमें करिश्मा कपूर और दग्गुबाती वेंकटेश नजर आए थे। वहीं, 'अनाड़ी' खुद 1991 में आई तमिल फिल्म 'चिन्ना थम्बी' की रीमेक थी।

'विश्वनाथ एंड सन्स' मेरे करियर में एक नई पहचान लेकर आएगी, लंबे समय बाद निभाया ऐसा किरदार : अभिनेता सूर्या

विश्व केसरी ■

मुंबई । साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अभिनेता सूर्या अपनी दमदार अदाकारी और अलग-अलग तरह के किरदारों के लिए जाने जाते हैं। अपने लंबे करियर में उन्होंने कई ऐसी फिल्में दी हैं, जिनमें उनके अभिनय के अलग-अलग रंग देखने को मिले हैं। अब सूर्या अपनी आने वाली फिल्म 'विश ?वनाथ एंड सन्स' को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।

यह एक पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है, जिसमें रिश्तों, प्यार, भावनाओं और कॉमेडी का खूबसूरत मिश्रण देखने को मिलेगा। फिल्म के ऑडियो लॉन्च के मौके पर सूर्या ने फिल्म से जुड़ी कई बातें साझा कीं और कहा कि यह फिल्म उनके करियर में एक नई पहचान जोड़ने वाली साबित होगी।

कोयंबटूर में फिल्म के ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम में शामिल हुए सूर्या ने बताया कि उन्होंने पहले ही फिल्म देख ली है और फिल्म जिस तरह से तैयार हुई है, उससे वह बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म की कहानी और उनके किरदार को जिस तरह से पेश किया गया है, वह काफी खास है। सूर्या ने निर्देशक वेंकी अटलुरी की सोच और लेखन की जमकर तारीफ की।

निर्देशक वेंकी अटलुरी की तारीफ करते हुए सूर्या ने कहा, ''वेंकी ने कहा कि उन्होंने मेरे साथ काम करने का सपना देखा था, लेकिन मुझे लगता है कि यह सपना मैंने देखा था। मुझे उनकी फिल्म 'लकी भास्कर' बहुत पसंद आई थी। उनकी कहानी कहने का तरीका मुझे काफी पसंद आया, और इसी वजह से मैं उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित था।''

सूर्या ने आगे कहा कि उनके करियर में कई निर्देशकों ने उन्हें अलग-अलग पहचान दी है। उन्होंने कहा, ''अलग-अलग निर्देशकों ने मुझे अलग-अलग पहचान दी है। मेरे लिए 'विश ?वनाथ एंड सन्स' एक और नई पहचान लेकर आएगी। यह पहचान मुझे वेंकी अटलुरी ने दी है। काफी लंबे समय बाद मैंने ऐसा किरदार निभाया है, जो मेरे लिए बेहद खास है।''

अभिनेता ने फिल्म की कहानी और किरदारों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि वेंकी अटलुरी की लेखनी में रिश्तों को समझने और उन्हें पर्दे पर खूबसूरती से दिखाने की खासियत है। सूर्या ने कहा, ''मैं उनकी लेखन शैली का फैन हूं। इस फिल्म में तीन महिला किरदार हैं और उन्होंने इन किरदारों को बहुत ही खूबसूरती से लिखा है।

'लॉक अप 2' से बाहर आते ही आकांक्षा चौधरी का श्रेया कालरा पर आरोप, बोलीं- 'झूठे नैरेटिव बनाकर छवि खराब की गई'

मुंबई । रियलिटी शो 'लॉक अप 2' इन दिनों अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। जैसे-जैसे शो का फिनाले करीब आ रहा है, वैसे-वैसे कंटेस्टेंट्स के बीच हुई पुरानी बहस और विवाद एक बार फिर चर्चा में आने लगे हैं। शो से बाहर होने के बाद आकांक्षा चौधरी ने श्रेया कालरा को लेकर कई बातें कही। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रेया ने कई बार बिना किसी सबूत के बातें कहीं और अपनी बात को सही साबित करने के लिए झूठी कहानियां बनाईं।

शो से बाहर आने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा, ''कई ऐसी बातें हैं, जो कैमरे पर सामने नहीं आ पाईं। अब दर्शकों ने भी उन चीजों को नोटिस करना शुरू कर दिया है। शुरुआत से ही श्रेया कुछ मामलों में गलत बातें कहती रही हैं और अब लोगों को सच्चाई समझ आने लगी है।''

उन्होंने आगे कहा, ''श्रेया ने जो आरोप लगाए, उनके लिए आज तक कोई सबूत नहीं दिया गया। उन्होंने कई बातें सिर्फ झूठे नैरेटिव के आधार पर बनाई हैं। कई बार किसी एक बात को अलग तरीके से पेश करके पूरी कहानी बदल दी जाती है।''

आकांक्षा ने उदाहरण देते हुए कहा, ''श्रेया ने शिल्पा शिंदे से जुड़ी एक ऐसी बात कही, जो कभी हुई ही नहीं थी।

मैंने शिल्पा से कभी यह नहीं कहा कि उन्होंने अपने माता-पिता को लेकर झूठ बोला है या उनके परिवार के बारे में कोई गलत बात कही है। ऐसी कोई बातचीत कभी हुई ही नहीं थी। मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक नैरेटिव बनाने की कोशिश थी।

इस सीरीज के डायरेक्टर के साथ मैं 10 साल पहले भी काम कर चुका हूं : अर्नव भसीन

विश्व केसरी ■

मुंबई । अभिनेता अर्नव भसीन आगामी सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में फ्लाइट लेफ्टिनेंट अमित गुप्ता की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने अपने इस रोल को बखूबी से निभाने के लिए फाइटर पायलटों के अनगिनत यूट्यूब वीडियो देखे थे।

अभिनेता ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में बताया कि उनके लिए यह एक बड़ा प्रोजेक्ट था, जिसके लिए मैं चाहता था कि कुछ अच्छा करूं। उन्होंने बताया, 'इसमें कोई शक नहीं है कि ये मेरे अब तक के सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। इस फिल्म के डायरेक्टर के साथ मैंने 10 साल पहले काम किया था, जब मैं 16 साल का था। उन्होंने स्नैपड्रीम के एक कमर्शियल में मुझे डायरेक्ट किया था और फिर, जब मैंने इसके लिए ऑडिशन दिया तो डायरेक्टर ने मुझे पहचान लिया। यही इस इंडस्ट्री की बात है, आपको कभी नहीं पता होता कि आपको क्या चीज कहां पहुंचा देगी। देखिए, मैंने इस भूमिका के लिए ऑडिशन दिया और मुझे रोल भी मिल गया। उन्होंने आगे बताया कि इस रोल के बारे में उन्हें कुछ पता नहीं था, जिसके लिए उन्होंने यूट्यूब वीडियोज देखे थे। उन्होंने कहा, 'मुझे इस रोल के बारे में कुछ भी नहीं पता था, तो इसके लिए मैंने काफी रिसर्च भी की थी क्योंकि मैं चाहता था कि इस प्रोजेक्ट में मैं कुछ अच्छा करूं। मैंने सारे यूट्यूब वीडियो देखे, लेकिन मेरे लिए इस कास्ट के साथ काम करना बिना सोचे-समझे हां कहने वाली बात थी।'

सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना के ऐतिहासिक और चुनौतीपूर्ण हवाई अभियानों पर आधारित एक मिलिट्री ड्रामा वेब सीरीज है। यह केवल युद्ध के मैदान की कार्रवाई या हवाई संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन युवा अधिकारियों और उनके परिवारों के मानवीय पहलुओं व संघर्षों को भी गहराई से दिखाती है।

इसमें सिद्धार्थ (स्कवाड्रन लीडर अजय आहूजा की भूमिका में), जिमी शेरगिल, अभय वर्मा और मिहिर आहूजा जैसे प्रमुख कलाकार नजर आएंगे।

शिल्पा शेट्टी ने चैलेंजिंग बैलेंस पोज से फैंस को दिया फिटनेस टास्क

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी हेल्दी डाइट और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देती हैं, जिसके लिए वे नियमित तौर पर रोजाना योगासन करती रहती हैं। सोमवार को उन्होंने अपने फैंस को मोटीवेट करने के लिए खास पोस्ट शेयर की।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें उन्होंने चैलेंजिंग बैलेंस पोज किया, जो उनके लिए भी काफी मुश्किल भरा था। वीडियो में शिल्पा पहले गिरती हैं और कहती हैं, 'यह बहुत मुश्किल है।

अभिनेत्री आगे कहती हैं, 'इस पोज को करने के लिए सबसे पहले सांस रोकनी होगी।' फिर शिल्पा शांत, फोकस्ड एक्सप्रेशन बनाए रखती हैं और चैलेंज पूरा करती हैं। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'थोड़ा बैलेंस कभी नुकसान नहीं पहुंचाता...इतना। अब मैं देखना चाहती हूं कि आप में से कितने लोग असल में यह कर सकते हैं।

शिल्पा शेट्टी द्वारा किए गए पोज का नाम 'एक पाद उत्कटासन' है, जिसे पीठ के बल लेटकर किया जाता है। इस आसन को करने के दौरान एक पैर 45 से 60 डिग्री के कोण पर ऊपर उठाया जाता है। इसके नियमित अभ्यास से पेट की मांसपेशियों, पाचन तंत्र और पैरों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की बात करें, तो वे हाल ही में फिल्म 'केडी - द डेविल' में नजर आई थी। फिल्म को कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम समेत कई भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज किया गया था। यह फिल्म 1970 और 1980 के दशक के बेंगलुरु की सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें शिल्पा शेट्टी ने 'सत्यवती' नाम का एक दमदार और रेट्रो किरदार निभाया है, जिसे उन्होंने अपनी मां को श्रद्धांजलि बताया था।

फिल्म में ध्रुव सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रेशमा नानैया, जीशु सेनगुप्ता और नोरा फतेही भी थीं। फिल्म का संगीत अर्जुन जन्या ने बनाया था, जबकि सिनेमैटोग्राफी और एडिटिंग विलियम डेविड और संकेत अचार ने की थी।

इसी के साथ ही अभिनेत्री कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में होस्ट के तौर पर नजर आईं थीं। शो में, सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट जोड़ियों में मुकाबला करते हैं, हर कोई कुकिंग चैलेंज और कॉमेडी सेगमेंट में एक पब्लिक फिगर को माता-पिता या बड़े बच्चे के साथ जोड़ता है।--

मां बनने के बाद शो में वापसी करना मेरे लिए चुनौतियों से भरा था : रुबीना दिलैक

विश्व केसरी ■

मुंबई । टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री रुबीना दिलैक दो जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद अब 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 15' (डर का नया दौर) में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में माना कि मां बनने के बाद शो में वापसी करना फिजिकल चुनौतियों से भरपूर था।

अभिनेत्री ने बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद उनकी बॉडी में कई तरह के बदलाव हुए हैं। रुबीना ने कहा कि उन्हें शो में हिस्सा लेने से पहले कुछ और साल इंतजार करना चाहिए था। रुबीना दिलैक ने कहा, 'मुझे पहले स्टंट में ही एहसास हो गया था कि किया मुझे और भी स्ट्रॉन्ग बनने के लिए 4-5 साल और इंतजार करना चाहिए था। फिर वापस आना चाहिए था। इस शो में फिजिकली स्ट्रॉन्ग बनने से कहीं ज्यादा मेंटल रेजिलिएंस मायने रखता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'शो में स्टंट के दौरान मुझे समझ में आ गया था कि अब या फिर कभी नहीं क्योंकि रेजिलिएंस, आपकी मेंटल स्टेबिलिटी, समय और कोई भी ट्रेनिंग इसे बेहतर नहीं बना सकती।'

अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अपने स्टंट करने के लिए हिम्मत अंदर से ही आती है न कि किसी वर्कआउट से। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर के स्ट्रॉन्ग माइंडसेट ने मुझे फिजिकल लिमिटेशन के बावजूद मुश्किल चुनौतियों से निपटने में मदद की थी, तो माइंडसेट एक ऐसी चीज थी जिसे लेकर मैं सच में मजबूत थी। और फिर फिजिकल तौर पर यह बहुत चैलेंजिंग था। एडवेंचर रियलिटी शो में अपने पिछले अपीयरेंस से अपने लेटेस्ट स्टिंट की तुलना करते हुए, रुबीना ने बताया कि मां बनने के बाद उन्होंने तुरंत अपनी फिजिकल एबिलिटीज में फर्क महसूस किया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहला सीजन किया था, तब भी उसमें कई फिजिकल चैलेंज थे, लेकिन जब मैं इस बार आई, तो मुझे एहसास हुआ कि अब मेरे शरीर में कई तरह के बदलाव हुए हैं।'

बता दें कि रुबीना ने 2023 में पति अभिनव शुक्ला के साथ जुड़वां बेटियों जीवा और एधा का स्वागत किया। वह अभी फिल्ममेकर रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जा रहे 'खतरों के खिलाड़ी 15' में सभी चैलेंज का सामना करती हुई दिखाई दे रही हैं।

उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति मुर्मु से की मुलाकात, द्विपक्षीय सहयोग पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री सैदोव बख्तियार ओडिलोविच ने सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। मीटिंग के दौरान, दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि यह दौरा द्विपक्षीय सहयोग के नए क्षेत्र पहचानने और अलग-अलग क्षेत्र में साझेदारी को गहरा करने का मौका देता है।

राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'उज्बेकिस्तान गणराज्य के विदेश मंत्री सैदोव बख्तियार ओडिलोविच ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध हैं, जो पुराने व्यापार मार्गों से जुड़े हैं।'

राष्ट्रपति सचिवालय ने आगे लिखा कि दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि यह दौरा द्विपक्षीय सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने और अलग-अलग क्षेत्रों में हमारी आपसी फायदेमंद साझेदारी को गहरा करने का मौका देता है।

इससे पहले दिन में, सैदोव बख्तियार ओडिलोविच भारत और उज्बेकिस्तान के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करने के लिए आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे।

उनके आने का स्वागत करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री बख्तियार सैदोव का नई दिल्ली में आधिकारिक दौरे पर आने पर बहुत गर्मजोशी से स्वागत है।'

सैदोव भारत सरकार के निमंत्रण पर तीन से पांच अगस्त तक भारत में रहेंगे। उज्बेक के विदेश मंत्री राष्ट्रपति मुर्मु से मुलाकात के बाद अब विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ भी बातचीत करेंगे। वह नई दिल्ली में एक बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लेंगे, जिसमें दोनों देशों के बीच आर्थिक और कमर्शियल सहयोग बढ़ाने के मौकों पर बात करेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और उज्बेकिस्तान व्यापार, निवेश, तकनीक, ऊर्जा, शिक्षा और कनेक्टिविटी जैसे कई क्षेत्रों में अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करना चाहते हैं। दौरे से पहले, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 20 जुलाई को सैदोव के साथ टेलीफोन पर बात की, जिसमें दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बातचीत के बाद, विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा कि बातचीत व्यापार, निवेश और दूसरे क्षेत्र में हमारे द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने पर केंद्रित थी।

पीओके में हालात नियंत्रण से बाहर, आधी रात को प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। पुलिस प्रशासन प्रदर्शनकारियों को नियंत्रण में नहीं ला पा रही है। रविवार देर रात कथित तौर पर सुरक्षा बलों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों पर गोलियां दागी।

पीओके से आई रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने आधी रात को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। स्थानीय मीडिया ने बताया कि रावलकोट में गोलियां चलाई गईं। खुफिया ब्यूरो के एक सूत्र ने बताया कि फायरिंग की खबर ऐसे समय में सामने आई है जब बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे प्रदर्शन में शामिल हुए। विगत 50 दिनों से बच्चे और महिलाएं प्रदर्शन स्थल पर हैं और रविवार को इनकी तादाद और बढ़ गई थी।

पाकिस्तान लगातार पीओके की मांगों को दरकिनार कर रहा है। उनकी बातों पर तवज्जो देने की बजाए वो भारी तादाद में सुरक्षा टुकड़ियों को वहां तैनात कर रहा है।

एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में अब तक 40 लोग मारे गए हैं। नाम न जाहिर करते हुए सूत्र ने बताया, 'डर इस बात का है कि हताश पाकिस्तान इलाके के लोगों को खौफजदा करने के लिए महिलाओं और बच्चों को टारगेट पर लेना शुरू कर सकता है। वे प्रदर्शन को दबाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, और अगर ऐसा होता है तो इंसानी त्रासदी सोच से परे हो सकती है।' ये प्रदर्शन अपने इलाकों को दोहन से बचाने के लिए किया जा रहा है। लोग अपने इलाके की अनदेखी से खासे नाराज हैं।

पीओके में चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद से विरोध प्रदर्शन ने और गति पकड़ ली है। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, चुनावों में कथित धांधली की वजह से सत्ताधारी गठबंधन के अंदर भी मतभेद बढ़ गए हैं, और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के बीच तनाव बढ़ गया है। पीपीपी ने पीएमएल-एन पर चुनावों में धांधली का आरोप लगाया है। लिए पाकिस्तानी सेना के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया है।

संक्षिप्त खबर

मिस्र में 5.5 तीव्रता का आया भूकंप, काहिरा में भी महसूस किए गए झटके

विश्व केसरी

काहिरा। मिस्र में सोमवार सुबह शर्म अल-शेख के उत्तर-पूर्व में 5.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। मिस्र के राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान ने यह जानकारी दी।

इंस्टीट्यूट के अनुसार, भूकंप का केंद्र स्थानीय समय के हिसाब से सुबह करीब 3:00 बजे 10 किमी की गहराई पर था, जिसका उपकेंद्र 30.19 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 32.61 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। इंस्टीट्यूट ने कहा कि उन्हें रिपोर्ट मिली है कि लोगों ने भूकंप का झटका महसूस किया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के रिपोर्टरों ने भी मिस्र की राजधानी काहिरा में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए। हालांकि, जानमाल के नुकसान की कोई जानकारी सामने नहीं आई है। भूकंप के बाद, मिस्र के स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्री खालिद अब्देल-गफ्फार ने देश के हेल्थ इमरजेंसी प्लान को तुरंत सक्रिय करने और मंत्रालय के सेंट्रल क्राइसिस और इमरजेंसी ऑपरेशन्स रूम को बुलाने का ऑर्डर दिया। मंत्रालय ने देश भर के अस्पतालों में इमरजेंसी और क्रिटिकल-केयर डिपार्टमेंट में सबसे उच्चतम स्तर पर अलर्ट लेवल जारी कर दिया और एम्बुलेंस और रैपिड-रिस्पॉन्स टीमों के तैयार रहने की पुष्टि की है। मंत्रालय ने बताया कि स्वास्थ्य की स्थिति स्थिर बनी हुई है और भूकंप से जुड़े किसी नुकसान की खबर नहीं है। इस बीच, मिस्र के रेड क्रिसेंट ने उन शहरों में इमरजेंसी प्लान सक्रिय कर दिए हैं जहां भूकंप के झटके महसूस किए गए थे और कहा कि उन्हें किसी के मरने या संपत्ति के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

पीओके में अशांति की कवरेज पर पाकिस्तान में मीडिया आउटलेट पर रोक, प्रेस की आजादी को लेकर बढ़ी चिंता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हाल की घटनाओं की कवरेज के बाद देश के एक इंटरनेशनल मीडिया आउटलेट का एक्सेस ब्लॉक कर दिया गया है। पाकिस्तान में यूजर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस बात पर गुस्सा जाहिर किया है। कई यूजर्स ने अल जजीरा को एक्सेस करने में दिक्कतें बताईं और प्रेस की आजादी, इंटरनेट पर रोक, और लोगों के इंडिपेंडेंट जानकारी एक्सेस करने के अधिकार पर चिंता जताई। अल जजीरा खुद को अरब दुनिया का पहला इंडिपेंडेंट न्यूज चैनल कहता है। यह रोक पीओके में बढ़ते तनाव के बीच लगाई गई है, जहां पिछले कुछ दिनों से विरोध प्रदर्शन और अशांति बढ़ गई है। वेबसाइट के एक्सेस न होने के दावों से ऑनलाइन बहस छिड़ गई है, जिसमें यूजर्स सवाल कर रहे हैं कि क्या यह कदम अल जजीरा की उस इलाके में चल रहे हालात पर रिपोर्टिंग से जुड़ा है। यह विवाद देश से जुड़े संवेदनशील मामलों पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया की कवरेज को लेकर पाकिस्तानी अधिकारियों की आलोचना के बाद हुआ है। अधिकारियों ने पहले भी अंतरराष्ट्रीय न्यूज संगठन पर पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग का आरोप लगाया है, जबकि आउटलेट ने एक इंडिपेंडेंट मीडिया ऑर्गनाइजेशन के तौर पर अपनी भूमिका बनाए रखी है। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने यह भी दावा किया कि अंतरराष्ट्रीय न्यूज वेबसाइट पर यह रोक पाकिस्तान के सैन्य प्रणाली के कुछ हिस्सों के पीओके में हो रहे डेवलपमेंट पर चैनल की कवरेज से नाराज होने के बाद लगाई गई।

दक्षिण कोरिया-अमेरिका ने शुरू किया अन्डरवॉटर सर्वे, कोरियाई युद्ध के दौरान क्रैश हुए जहाज का ढूंढ रहे मलबा

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने सोमवार को देश के पूर्वी तट के पास पानी में जॉइंट अंडरवाटर एक्सक्यूशन प्रोजेक्ट (संयुक्त जल-उत्खनन परियोजना) शुरू किया। इसका मकसद 1950-53 के कोरियन वॉर के दौरान गिरे यूएस एयरक्राफ्ट का मलबा ढूंढना है। सोल की डिफेंस मिनिस्ट्री ने यह जानकारी दी।

यह प्रोजेक्ट, जो 28 अगस्त तक चलेगा, गैंगवोन प्रोविंस के गंगनेउंग और यांगयांग में होगा। इसमें मिनिस्ट्री की 'एजेंसी फॉर केआईए रिकवरी एंड आइडेंटिफिकेशन' और 'यूएस डिफेंस पीओडब्ल्यू/एमआईए अकाउंटिंग एजेंसी' (डीपीएए) शामिल हैं।

मिनिस्ट्री के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के लिए करीब 40 लोगों को तैनात किया गया है, जिसमें साउथ कोरियन नेवी के फर्स्ट फ्लीट और एयर फोर्स के 18वें फाइटर विंग के लोग, साथ ही यूएस के अंडरवाटर प्लानर और डाइवर शामिल हैं। फरवरी 1952 में दुर्घटनाग्रस्त हुए अमेरिकी एफ4यू कॉर्सेयर फाइटर एयरक्राफ्ट का मलबा ढूंढा जाएगा। खोज अभियान यांगयांग काउंटी के पास समुद्र में शुरू होगा, जो सोल से लगभग 215 किलोमीटर पूर्व में है। रिकॉर्ड के मुताबिक, यह लड़ाकू विमान एक क्षतिग्रस्त अमेरिकी हमलावर विमान के एस्कॉर्ट मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें एक पायलट की मौत हो गई थी। इसके बाद रिसर्च टीम सोल से लगभग 170 किलोमीटर पूर्व में गंगनेउंग क्षेत्र के पास अमेरिकी सैन्य परिवहन विमान कर्टिस सी-46 कमांडो के मलबे को निकालने पर ध्यान देगी। यह विमान अक्टूबर और नवंबर 1952 में दो अलग-अलग मौकों पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

सिंहुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पहली दुर्घटना में विमान में सवार कुल 17 लोग लापता हो गए थे। वहीं नवंबर की दुर्घटना में 2 लोगों के शव मिले थे और 7 अन्य लापता थे।

संयुक्त सर्वेक्षण टीम पानी के अंदर डिटेक्टर उपकरणों और समुद्री मानवरहित प्रणालियों का इस्तेमाल करके खोज करेगी। मलबा मिलने पर गोताखोरों या रिमोट सेंसिंग उपकरणों को तैनात कर स्थिति का निरीक्षण किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया: सिडनी में इमारत का हिस्सा ढहा, दो की हालत गंभीर

विश्व केसरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में सोमवार को इमारत का एक हिस्सा ढह जाने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि कई लोगों को वहां से निकाला गया। मलबे की ईंटें पास के एक पेट्रोल पंप पर जा गिरीं, जिसके बाद बड़े स्तर पर आपातकालीन राहत अभियान चलाया गया।

आपातकालीन सेवाओं को सुबह करीब 11 बजे उल्टिमो इलाके की वॉटल स्ट्रीट पर इमारत गिरने की सूचना मिली।सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और एंबुलेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

पैरामेडिक्स ने घटनास्थल पर कुल सात लोगों की जांच की। इनमें से दो पुरुषों की हालत गंभीर होने पर उन्हें तत्काल अस्पताल भेजा गया। घायलों में एक की उम्र लगभग 30 वर्ष और दूसरे की करीब 60 वर्ष बताई गई है। एक को रॉयल प्रिंस अल्फ्रेड अस्पतालऔर दूसरे को सेंट विंसेंट्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार छात्रावास परियोजना के तहत निर्माण कार्य चल रहा था। तभी एक पुराने वेयरहाउस की छत का एक हिस्सा और उससे लगी ईंट की दीवार ढह गई थी। एनएसडब्ल्यू (न्यू साउथ वेल्स) फायर एंड रेस्क्यू के एक्टिंग सुपरिटेंडेंट पीटर मरे ने बताया कि जब क्रू मौके पर पहुंचा तो काफी अफरातफरी का माहौल था। उन्होंने कहा, ' दीवार ढह गई थी, बिल्डिंग का बहुत बड़ा हिस्सा गिर गया था। ये काफी दुखदायी और खतरनाक स्थिति थी। दीवार ईंटों से बनी हैं और इनका वजन काफी ज्यादा होता है।

नेपाल ने सीमा पार यात्रा के लिए भारत सरकार से की राष्ट्रीय पहचान पत्र वैध करने की अपील

विश्व केसरी

काठमांडू। एक सीनियर इमिग्रेशन अधिकारी ने कहा कि नेपाल ने औपचारिक तौर पर भारत से अपील की है कि वह बॉर्डर पार यात्रा के लिए उसके राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) को एक वैध ट्रैवल डॉक्यूमेंट के तौर पर मान्यता दे। इसका मकसद पहचान वेरिफिकेशन और सुरक्षा को मजबूत करना और दोनों देशों के बीच लोगों की आवाजाही को आसान बनाना है। एनआईडी भारत के आधार कार्ड जैसा ही है और इसमें बायोमेट्रिक जानकारी होती है, जिसमें फिंगरप्रिंट, चेहरे की तस्वीरें और आईरिस स्कैन शामिल हैं। नेपाली सरकार ने पासपोर्ट आवेदन, जमीन का रजिस्ट्रेशन, बैंक अकाउंट खोलने और दूसरी सरकारी सेवाओं जैसी कई सरकारी सेवाओं के लिए एनआईडी को जरूरी कर दिया है।

नेपाल की वर्तमान सरकार धीरे-धीरे पुराने नागरिकता सर्टिफिकेट को डिजिटली पढ़े जा सकने वाले पहचान पत्रों से बदलना चाहती है। इसलिए ये कदम उठाया गया है। नेपाल यह भी चाहता है कि भारत नेपाली नागरिकों के बॉर्डर पार आने-जाने के लिए एनआईडी को एक वैध डॉक्यूमेंट के तौर पर मान्यता दे, क्योंकि भारत अभी नेपाल के पासपोर्ट और नागरिकता सर्टिफिकेट को आधिकारिक पहचान डॉक्यूमेंट के तौर पर मान्यता देता है। नेपाल और भारत के नागरिकों को दोनों देशों के बीच यात्रा करने के लिए पासपोर्ट या वीजा रखने की जरूरत नहीं है।

डिपार्टमेंट ऑफ इमिग्रेशन के डायरेक्टर जनरल राम चंद्र तिवारी ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को बताया कि उनके ऑफिस ने जून के आखिर में भारत सरकार को एक प्रस्ताव भेजा था जिसमें नेपाली नागरिकों के लिए एनआईडी को वैलिड ट्रैवल डॉक्यूमेंट के तौर पर मान्यता देने की मांग की गई थी। तिवारी ने कहा, 'अभी, भारत मुख्य रूप से नेपाल के पासपोर्ट और नागरिकता सर्टिफिकेट को आधिकारिक पहचान डॉक्यूमेंट के तौर पर मान्यता देता है। हमने आधिकारिक प्रस्ताव दिया है कि नेशनल आइडेंटिटी कार्ड को भी हवाई यात्रा और क्रॉस-बॉर्डर मूवमेंट के लिए वैलिड पहचान डॉक्यूमेंट के तौर पर स्वीकार किया जाए।'

नई दिल्ली में जुटे भारत भर के अमेरिकी महावाणिज्य दूत, सर्जियो गोर बोले- द्विपक्षीय संबंधों को गति देना मकसद

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के विभिन्न महानगरों और बड़े शहरों में स्थित अमेरिकी महावाणिज्यदूतावास के दूत नई दिल्ली पहुंचे। इनका स्वागत अमेरिकी दूतावास के राजदूत सर्जियो गोर ने किया। गोर ने सोमवार को एक तस्वीर पोस्ट करते हुए इसकी जानकारी दी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गोर ने अपनी टीम का हौसला बढ़ाते हुए लिखा, 'भारत भर से आए अमेरिकी महावाणिज्य दूतों का नई दिल्ली में स्वागत करना हमेशा सुखद अनुभव होता है। उनके मजबूत नेतृत्व और हमारी टीमों के उत्कृष्ट काम की वजह से अमेरिका-भारत साझेदारी व्यापार, तकनीक, रक्षा और कई अन्य क्षेत्रों में लगातार आगे बढ़ रही है। इसी गति को बनाए रखने की पूरी उम्मीद है।'

भारत में अमेरिका के प्रमुख महावाणिज्य दूतावास (कॉन्सुलेट जनरल) मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद में स्थित हैं, इसके अलावा नई दिल्ली में मुख्य अमेरिकी दूतावास और बेंगलुरु में नया कार्यालय मौजूद है। हाल के वर्षों में भारत-अमेरिका के बीच रक्षा, प्रौद्योगिकी और व्यापार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रिश्ते काफी मजबूत हुए हैं। मई महीने में ही अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत आए थे तब दोनों देशों के बीच एक रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। जिसका मकसद महत्वपूर्ण खनिज और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना है। ये वही जरूरी पदार्थ हैं जो सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, सोलर पैनल और हाईटेक रक्षा उपकरण बनाने में इस्तेमाल होते हैं। इस दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि भारत-अमेरिका के बीच एक ऐसा फ्रेमवर्क साइन कर रहे हैं, जिसका मकसद क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ्स की सप्लाई को सुरक्षित करना है। हमने इस पर क्वाड बैठक में भी चर्चा की। चाहे हम इसे दो देशों के बीच करें, क्वाड के जरिए करें या समान सोच वाले देशों के बड़े समूह के तौर पर, समय की जरूरत को देखते हुए यह जरूरी और अहम है।

ट्रंप के 'अप्रत्यक्ष वार्ता' वाले दावे को ईरान ने किया खारिज, विदेश मंत्रालय बोला- 'हमारी ऐसी कोई योजना नहीं'

विश्व केसरी

तेहरान/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'अप्रत्यक्ष वार्ता' वाले दावे को ईरान ने सिरे से खारिज कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि बातचीत जारी रखने को लेकर उनकी कोई योजना नहीं है।

बाघेई ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'किसी प्रतिनिधि का स्वागत करने या फिर किसी को बातचीत के लिए भेजने की हमारी कोई योजना नहीं है। फिलहाल हमारी यूएस से कोई बातचीत नहीं चल रही है।'

तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक सोमवार को साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में बाघेई ने अपनी बात रखी। उन्होंने ये भी दावा किया कि उनकी किसी मध्यस्थ से भी कोई बात नहीं हो रही है।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल की संयुक्त कार्रवाई को एक देश नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के खिलाफ करार दिया। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'यह पूरे इलाके और इलाके के सभी देशों की सुरक्षा के खिलाफ जंग है।'

बाघेई ने आगे कहा, 'इन पांच महीनों में, हमने देखा है कि इलाके में अमेरिकी सेना की मौजूदगी ने इलाके को ज्यादा असुरक्षित कर दिया है। अस्थिरता बढ़ गई है। दरअसल, अमेरिका फारस की खाड़ी के दक्षिणी किनारे पर मौजूद देशों का इस्तेमाल अपने सैन्य ठिकानों के लिए कर रहा है, यही कारण है कि असुरक्षा और अनिश्चितता का सामना ये भी कर रहे हैं। इसलिए, यह स्वाभाविक है कि इलाके के देश इस स्थिति को बढ़ने से रोकने की कोशिश करना चाहते हैं।' बाघेई ने ये भी कहा कि ओमान के साथ होर्मुज स्ट्रेट को लेकर बात सकारात्मक है।

क्यूबा में फिर से देशभर में बिजली गुल, अमेरिकी प्रतिबंधों और पावर प्लांट फेल होने की वजह से ब्लैकआउट

विश्व केसरी

हवाना। नेशनल इलेक्ट्रिक यूनियन ने कहा कि क्यूबा में एक बार फिर देश भर में ब्लैकआउट हुआ है। यूनियन ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि देश का नेशनल पावर सिस्टम रविवार को स्थानीय समय 22:43 (02:43 जीएमटी) पर पूरी तरह से कट गया।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, क्यूबा के नेशनल इलेक्ट्रिक सिस्टम के थोड़ा ठप होने से शनिवार को पश्चिमी इलाकों में बिजली नहीं रही।

बयान में कहा गया है कि अमेरिकी प्रतिबंध के प्रभाव की वजह से क्यूबा को फ्यूल इंपोर्ट करने और अपने पुराने पावर प्लांट्स को रिपेयर करने में मुश्किल हो रही है। अक्टूबर 2024 से, क्यूबा में पावर प्लांट फेल होने, तूफान और दूसरी वजहों से देश भर में कई बार ब्लैकआउट हुए हैं। इससे पहले 1 अगस्त को, नेशनल इलेक्ट्रिक यूनियन ने कहा था कि देश का नेशनल इलेक्ट्रिक सिस्टम थोड़ा ठप हो गया है, जिससे मटांजास से लेकर पिनार डेल रियो तक के प्रांत प्रभावित हुए हैं। यूनियन ने एक बयान में कहा कि यह घटना शनिवार को स्थानीय समयानुसार शाम 6:07 बजे हुई, जिसका कारण ट्रांसमिशन लाइनों का ट्रिप हो जाना था। इसके अलावा, क्यूबा की राष्ट्रीय विद्युत प्रणाली के आंशिक रूप से ढह जाने से शनिवार को पश्चिमी प्रांतों में बिजली गुल हो गई। सोशल मीडिया पर एक संक्षिप्त बयान में यूनियन ने कहा कि यह खराबी मटांजास और पिनार डेल रियो प्रांतों के बीच शाम 6:07 बजे स्थानीय समय पर हुई और इसका कारण ट्रांसमिशन लाइनों का ट्रिप करना था। इससे पहले जुलाई में, अमेरिकी विदेश विभाग की 100 पन्नों की एक रिपोर्ट में क्यूबा सरकार पर अमेरिका के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली चरमपंथी आंदोलनों को आकार देने में अग्रणी भूमिका निभाने और अमेरिकी धरती पर जासूसी और विध्वंसक नेटवर्क चलाने का आरोप लगाया गया था।

सेनाओं को सहयोग देने वाली संस्थाओं को भी विकसित होते रहना होगा : राजनाथ सिंह

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं के साथ-साथ प्रौद्योगिकी, उद्योग, शिक्षाजगत तथा नवाचार तंत्र का जुड़ाव भी लगातार बढ़ रहा है। इसलिए जब हम इतने सारे आयामों पर आगे बढ़ रहे हैं, तो ऐसे में हमारी सशस्त्र सेनाओं को सहयोग देने वाली संस्थाओं को भी निरंतर विकसित होते रहना होगा। वह नई दिल्ली में, सशस्त्र सेना मुख्यालय (एएफएचक्यू) सिविलियन सर्विस दिवस के अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

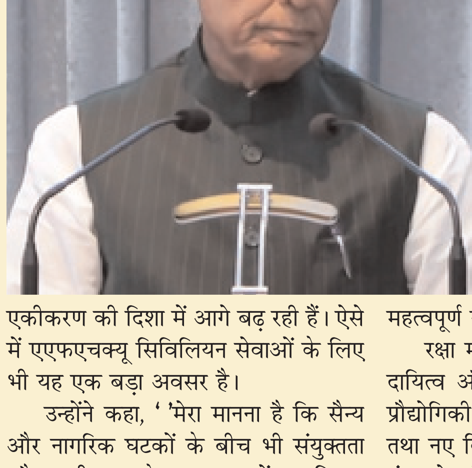

उन्होंने कहा कि किसी भी सेना को शक्ति केवल हथियारों और गोला-बारूद से ही नहीं मिलती, बल्कि उन हजारों अदृश्य हाथों से भी मिलती है, जो हमेशा उसके पीछे उसके सहयोग में खड़े रहते हैं। एएफएचक्यू सिविलियन सेवाएं उन्हीं अदृश्य लेकिन निर्णायक शक्तियों में से एक हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हमारी सशस्त्र सेनाएं अधिक संयुक्तता और एकीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में एएफएचक्यू सिविलियन सेवाओं के लिए भी यह एक बड़ा अवसर है।

उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि सैन्य और नागरिक घटकों के बीच भी संयुक्तता और एकीकरण के नए आयामों पर विचार होना चाहिए, ताकि संस्थागत स्मृति, संस्थागत स्थिरता तथा नियमों एवं विनियमों के प्रभावी अनुप्रयोग के साथ रक्षा तंत्र में और अधिक संयुक्तता लाई जा सके। एएफएचक्यू सेवाएं रक्षा मंत्रालय की संस्थागत स्मृति हैं। क्योंकि एएफएचक्यू संवर्ग एक ऐसी संस्था है, जो रक्षा मंत्रालय को निरंतरता, विषयगत विशेषज्ञता तथा नीतिगत स्थिरता प्रदान करता है। इसके साथ ही नागरिक-सैन्य समन्वय को सुदृढ़ करने में भी एएफएचक्यू एक महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाता है।''

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि आप अपने दायित्व और भूमिका से आगे बढ़कर रक्षा प्रौद्योगिकी अनुसंधान, भू-रणनीतिक चिंतन तथा नए विचारों के माध्यम से देश के रक्षा तंत्र को और सशक्त बनाने में योगदान दें। आप रक्षा मंत्रालय के स्थायी संवर्ग हैं और आपके पास गहन विषयगत ज्ञान है। इसलिए रक्षा से जुड़े मूल विषयों पर भी आपकी सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। आज हमारी स्थायी नागरिक रक्षा सेवा पुरानी सोच और पुराने तौर-तरीकों तक सीमित नहीं रह सकती। उसे भी समय के साथ विकसित होना होगा और नई क्षमताएं विकसित करनी होंगी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि आने वाले वर्षों में इस सेवा की पहचान भी उसकी विकसित होती भूमिका, पेशेवर उत्कृष्टता तथा विशेष योगदान को प्रतिबिंबित करे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हमारा प्रयास एएफएचक्यू सिविलियन सेवाओं को धीरे-धीरे रक्षा प्रबंधन के एक पेशेवर संवर्ग के रूप में विकसित करने का होना चाहिए। ऐसा संवर्ग, जो रक्षा क्षेत्र के विभिन्न आयामों को समझता हो, संयुक्त वातावरण में प्रभावी ढंग से कार्य कर सके तथा बदलती सुरक्षा और प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी विशेषज्ञता को लगातार उन्नत करता रहे।

ईडी अटैक मामले में केरल हाईकोर्ट ने सीपीआई (एम) के 9 कार्यकर्ताओं को दी जमानत

विश्व केसरी

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने सोमवार को सीपीआई (एम) के 9 कार्यकर्ताओं को सशर्त जमानत दे दी। इन सभी को मसाप्पाडी मामले की जांच के दौरान ईडी अधिकारियों पर कथित तौर पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यह सभी आरोपी दो महीने तक न्यायिक हिरासत में थे।

जस्टिस कौसर एडप्पागाथ ने किरण पी.एस., जीवन, अनिल कुमार, श्रीजीत, निशाद, सिद्दार्थ एस., शेफ़ीक, नंदू जी.आर. और राहुल ए. राजन की जमानत याचिका स्वीकार कर ली। उन्होंने कहा कि यह सभी आरोपी 67 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहे। साथ ही, इन सभी लोगों की कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं रही और जांच भी लगभग खत्म ही हो चुकी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि अन्य आरोपियों की जमानत याचिका पर मंगलवार को विचार किया जाएगा। वहीं, कोर्ट ने जमानत देते हुए यह स्पष्ट किया कि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं, जिन्हे किसी भी सूरत में न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि अभियोजन पक्ष में पहली नजर में हत्या के प्रयास के आरोपों की पुष्टि करने में विफल रहा, जिसे अभियोजन पक्ष के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा सकता है।

यह पूरा मामला 27 मई की उस हिंसा से जुड़ा हुआ है, जब ईडी अधिकारी नेता प्रतिपक्ष पिनराई विजयन और उनकी बेटी के आवास से छापेमारी करके लौट रहे थे। ईडी अधिकारियों ने यह छापेमारी मासप्पाडी मामले में की थी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, करीब 300 लोगों ने ईडी अधिकारियों को घेर लिया था। उनकी गाड़ियों को रोक दिया था और उन पर पत्थर, ईंटे, लाठी और लोहे की रॉड से भी हमला किया था। इतना ही नहीं, ईडी अधिकारियों पर हमले किए गए और उनकी गाड़ियों को क्षति पहुंचाई गई। इसमें सीआरपीएफ और पुलिस अधिकारी भी शामिल थे।

संक्षिप्त खबर

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े महिला सहायक के जरिए बंगाल के 6 मंत्रियों के परिवारों को बनाया गया निशाना : एसटीएफ

विश्व केसरी

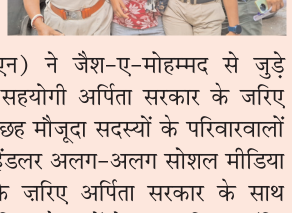

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की जांच से पता चला है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी-आपराधिक समूह 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' (एसबीएन) ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्ध हमिम मंडल की महिला सहयोगी अर्पिता सरकार के जरिए पश्चिम बंगाल कैबिनेट के करीब छह मौजूदा सदस्यों के परिवारवालों को निशाना बनाया। एसबीएन के हैंडलर अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एन्क्रिप्टेड मैसेज के ज़रिए अर्पिता सरकार के साथ लगातार संपर्क में रहते थे। राज्य पुलिस के सूत्रों ने बताया कि हालांकि अर्पिता मुख्य रूप से हमिम मंडल की सहयोगी थी लेकिन बाद के समय में पाकिस्तान स्थित आतंकवादी-आपराधिक समूह के हैंडलर मंडल को दरकिनार कर सीधे उससे संपर्क करने लगे और अलग से निर्देश देने लगे। अब तक की जांच से पता चला है कि राज्य कैबिनेट के सदस्यों के परिवार वालों के अलावा, राज्य के प्रशासनिक तंत्र में कुछ अन्य प्रभावशाली लोगों को भी अर्पिता के जरिए 'हनी-ट्रैप' (प्यार के जाल में फंसाकर जानकारी हासिल करना) करने के लिए निशाना बनाया गया था। मंडल और अर्पिता दोनों को पिछले हफ्ते एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। शुक्रवार सुबह पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्धमान जिले के बर्धमान शहर से सबसे पहले मंडल को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस कस्टडी में मजदूर की मौत होने पर दो कांस्टेबल गिरफ्तार

विश्व केसरी

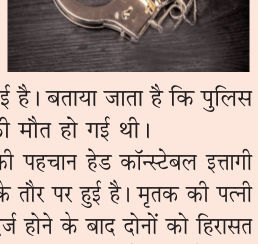

विजयनगर। कर्नाटक के विजयनगर जिले के हगारीबोम्मनहल्ली पुलिस स्टेशन से जुड़े दो पुलिसकर्मियों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी 35 वर्षीय निर्माण मजदूर खलील की कथित तौर पर पुलिस हिरासत में हुई मौत के मामले में की गई है। बताया जाता है कि पुलिस स्टेशन के अंदर मारपीट के बाद उसकी मौत हो गई थी।

गिरफ्तार किए गए पुलिसकर्मियों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल इत्तागी राघवेंद्र और पुलिस कॉन्स्टेबल वेंकटेश के तौर पर हुई है। मृतक की पत्नी शाइनाज की शिकायत पर एफआईआर दर्ज होने के बाद दोनों को हिरासत में लिया गया। शाइनाज का आरोप है कि पुलिस ने उनके पति के साथ मारपीट की, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हरापनाहल्ली के रहने वाले मजदूर खलील हगारीबोम्मनहल्ली में अपने परिवार के साथ रहते थे, उन्हें रविवार देर रात पत्नी के साथ घरेलू झगड़े के बाद पुलिस स्टेशन लाया गया था। बताया जाता है कि सार्वजनिक सड़क पर झगड़े के बाद शाइनाज पुलिस के पास गई थीं। परिवारवालों का आरोप है कि हिरासत में लिए जाने के बाद पुलिस स्टेशन के अंदर पुलिसकर्मियों ने खलील की लाठियों और रॉड से बेरहमी से पिटाई की। मारपीट की वजह से उनकी मौत हुई। पुलिस ने शुरू में मौत को मिर्गी के दौरे का नतीजा बताने की कोशिश की थी। हालांकि, परिजनों का कहना है कि खलील के सिर, नाक और कान से खून बह रहा था और उसके शरीर पर चोट के कई निशान थे, जिससे हिरासत में टॉर्चर किए जाने का गंभीर शक पैदा होता है।

केरल में लगातार बारिश से बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति, मुख्यमंत्री सतीशन ने बुलाई आपातकालीन बैठक

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। केरल में लगातार हो रही बारिश से बड़े पैमाने पर बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति बन गई है, जिससे लोगों में यह चिंता बढ़ गई है कि क्या राज्य एक और बड़ी आपदा की ओर बढ़ रहा है। 2018 की विनाशकारी बाढ़ की यादें फिर से ताजा होने के बीच मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने सोमवार को जिला कलेक्टरों और वरिष्ठ अधिकारियों की एक आपातकालीन बैठक बुलाई है।

अभी चल रही इस हाई-लेवल ऑनलाइन मीटिंग में जिला कलेक्टर, गृह और राजस्व मंत्री, जिले के प्रभारी मंत्री और मुख्य सचिव शामिल हुए। सभी राज्य भर में बारिश की स्थिति, राहत कैंपों के कामकाज, बचाव कार्यों और एहतियाती उपायों की समीक्षा करेंगे। चूंकि मौसम का मिजाज बहुत अनिश्चित बना हुआ है, इसलिए मुख्यमंत्री राज्य की आपदा प्रतिक्रिया को और मजूबूत करने के लिए आगे के निर्देश जारी करेंगे। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को सभी 14 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है और तेज हवाओं व आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी है। आईएमडी के अनुसार, बारिश का यह दौर दक्षिण गुजरात तट से लेकर उत्तर केरल तट तक फैले एक तटीय गर्त की वजह से शुरू हुआ है। हालांकि, उत्तर केरल के कुछ हिस्सों में बारिश थोड़ी कम हुई है, लेकिन मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि 5 अगस्त से भारी बारिश का एक और दौर शुरू होने की संभावना है।

नदियों का जलस्तर बढ़ने, बांधों के खतरे के निशान के करीब पहुंचने और राहत शिविरों के भरने के कारण एक बार फिर अगस्त 2018 की भयानक बाढ़ की दुखद यादें ताजा कर दी हैं।

पम्बा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिसके चलते अधिकारियों ने पथानामथिट्टा जिले के रानी और कोझेनचेरी तालुकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। जोखिम वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

एक बड़ी चिंता मूझियार बांध को लेकर है, जहां कैचमेंट एरिया (जलग्रहण क्षेत्र) में भारी बारिश के कारण जलाशय का जलस्तर 'रेड अलर्ट' स्तर यानी 190 मीटर तक पहुंच गया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने स्वतंत्रता सेनानी धीरन चिन्नामलाई को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को महान स्वतंत्रता सेनानी धीरन चिन्नामलाई को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ उनके सशस्त्र प्रतिरोध और देश को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने के संघर्ष में उनके बलिदान को याद किया।

इस मौके पर एक संदेश में मुख्यमंत्री विजय ने धीरन चिन्नामलाई को एक बहादुर योद्धा बताया, जिन्होंने ब्रिटिश दमन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और उस समय आजादी की आवाज उठाई जब ईस्ट इंडिया कंपनी देश के बड़े हिस्सों पर अपना नियंत्रण बढ़ा रही थी।

इस स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा कि चिन्नामलाई ने ईस्ट इंडिया कंपनी की टैक्स नीतियों और विदेशी शासन का डटकर विरोध किया और आखिरकार मातृभूमि की आजादी के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। मुख्यमंत्री विजय ने संदेश में कहा, 'मैं स्वतंत्रता सेनानी धीरन चिन्नामलाई को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने ब्रिटिश दमन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और आजादी का नारा बुलंद किया।' उन्होंने कहा कि चिन्नामलाई द्वारा दिखाए गए साहस, आत्मविश्वास, देशभक्ति और बलिदान की भावना ने आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया और औपनिवेशिक शासन के खिलाफ प्रतिरोध का एक स्थायी प्रतीक बनी रही। उन्होंने कहा कि एक शक्तिशाली औपनिवेशिक प्रशासन का सामना करने की चिन्नामलाई की इच्छाशक्ति ने आजादी और अपने लोगों के अधिकारों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दिखाया।

गुजरात पुलिस ने शराब तस्करी गिरोह के खिलाफ की कार्रवाई, दो लोग गिरफ्तार

विश्व केसरी

वलसाड। गुजरात पुलिस ने छह सदस्यों वाले एक कथित संगठित अपराध गिरोह के खिलाफ 'गुजरात कंट्रोल ऑफ टेररिज्म एंड ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट, 2015' के तहत सख्त कार्रवाई की है। इस गिरोह पर पूरे राज्य में लंबे समय से शराब तस्करी का नेटवर्क चलाने का आरोप है।

पुलिस के बयान के अनुसार यह कार्रवाई उस संगठित आपराधिक नेटवर्क को तोड़ने के लिए की गई, जिसके बारे में जांचकर्ताओं का कहना है कि वह गुजरात भर में बड़े पैमाने पर शराब की अवैध ढुलाई और वितरण में शामिल था। यह मामला पारडी पुलिस स्टेशन में 'गुजरात कंट्रोल ऑफ टेररिज्म एंड ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट, 2015' के एक्ट की धाराओं 3(1)(2), 3(2) और 3(4) के तहत दर्ज किया गया है। खास निर्देशों के आधार पर, लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिस इंस्पेक्टर ए.यू. रोज ने शिकायत दर्ज कराई, जबकि जांच की अगुवाई वापी डिवीजन के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस बीएन दवे कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि यह सिंडिकेट कथित तौर पर कई सालों से काम कर रहा था, जिसमें सदस्य पड़ोसी इलाकों से गुजरात में भारी मात्रा में भारतीय निर्मित विदेशी शराब लाने और एक बड़ा अवैध सप्लाई नेटवर्क बनाने में एक-दूसरे की मदद करते थे। जांचकर्ताओं ने यह भी बताया कि आरोपियों पर पहले भी गुजरात के अलग-अलग जिलों के कई पुलिस स्टेशनों में मारपीट, आपराधिक धमकी, जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल और अवैध शराब की सप्लाई जैसे अपराधों के लिए मामले दर्ज किए जा चुके हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को पहले भी गिरफ्तार किया जा चुका था और अदालतों में चार्जशीट दाखिल की गई थी। हालांकि, जमानत मिलने के बाद उन्होंने कथित तौर पर अपनी अवैध गतिविधियां फिर से शुरू कर दी।

कांग्रेस सांसदों ने सदन में अमित शाह का मांगा जवाब

विश्व केसरी

नई दिल्ली, 3 अगस्त (आईएएनएस)। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव पर हमले की घटना को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी नेताओं ने इसे कानून-व्यवस्था की विफलता बताते हुए गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा। इसके साथ ही कांग्रेस नेताओं ने संसद के मानसून सत्र में छात्रों पर कथित अत्याचार, अयोध्या राम मंदिर से जुड़े विवाद और विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों पर चर्चा नहीं होने को लेकर भी सरकार की आलोचना की।

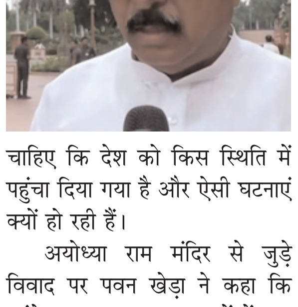

कांग्रेस नेता और सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। उन्होंने कहा कि इससे पहले जंतर-मंतर पर बच्चों के साथ हुई घटना और अब एक सांसद पर हमला इस बात का संकेत है कि हालात बिगड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को बताना चाहिए कि देश को किस स्थिति में पहुंचा दिया गया है और ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं।

अयोध्या राम मंदिर से जुड़े विवाद पर पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा उठाए गए सवालों में कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने पूछा कि राम मंदिर ट्रस्ट और उससे जुड़े प्रमुख लोगों की वैचारिक पृष्ठभूमि क्या है और क्या उनका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने सनातन धर्म के कथित अपमान के मामले में राहुल गांधी, पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में मौजूद लोगों की भूमिका पर सवाल उठाना गलत नहीं है। वहीं कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में हुई घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह अप्रत्यक्ष रूप से मोदी सरकार की कार्यशैली और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है। उन्होंने कहा कि यदि एक सांसद को भी अपनी बात रखने के दौरान सुरक्षा नहीं मिल रही है, तो आम नागरिक की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने सरकार से हमलावर की पहचान सार्वजनिक करने, सुरक्षा में हुई चूक की जांच कराने और भविष्य में सांसदों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। हालांकि मल्लू रवि ने यह भी कहा कि किसी भी विवाद के दौरान थप्पड़ या चप्पल फेंकने जैसी घटनाओं का समर्थन नहीं किया जा सकता।

सरकार ने अनंतनाग में धार्मिक स्थलों के संरक्षण और सुधार के लिए 10.95 करोड़ की मंजूरी दी

विश्व केसरी

जम्मू-कश्मीर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा गया, 'जम्मू-कश्मीर सरकार ने अनंतनाग में जरूरी धार्मिक जगहों के बचाव और अपग्रेडेशन के लिए 10.95 करोड़ रुपये के दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है। जियारत शरीफ खिरम के रेस्टोरेशन और रिनोवेशन के लिए 5.03 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, जबकि शिव मंदिर, थजीवाड़ा, बिजबेहरा की मरम्मत और रिनोवेशन के लिए 5.92 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।'

सीएमओ की ओर से कहा गया, 'ये परियोजना दोनों धार्मिक जगहों की पवित्रता और विरासत को बचाएंगे और भक्तों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाएंगे।'

जहां मुस्लिम धार्मिक जगहों को अपग्रेड करने की जरूरत है, वहीं घाटी में हिंदू धार्मिक जगहों का बचाव और अपग्रेडेशन अधिकारियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। आतंकवाद के कारण कश्मीरी पंडित समुदाय के जबरदस्ती निकाले जाने के बाद 36 साल से ज्यादा समय से हिंदू जगहें बिना देखरेख के पड़ी हैं। कश्मीर में हिंदू धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के बचाव में मंदिरों का रेस्टोरेशन, जमीन पर कब्जे के खिलाफ कानूनी सुरक्षा और समुदाय की अगुवाई में पुनरुत्थान की कोशिशें शामिल हैं। पुनरुत्थान और बचाव की कोशिशों में सरकार के पैसे से नवीनीकरण परियोजना, अनदेखी जगहों के लिए कोर्ट के आदेश पर सुरक्षा उपाय, और ऐतिहासिक पूजा की जगहों को फिर से खोलना शामिल है।

सीएम ने बाढ़ प्रभावितों के लिए किया 160 करोड़ रुपये की सहायता राशि का ऐलान

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार को बाढ़ प्रभावितों के लिए 160 करोड़ रुपये की सहायता राशि का ऐलान किया। राज्यभर में बाढ़ प्रभावित लोगों को तत्काल आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक बाढ़ प्रभावित व्यक्ति के खाते में 15 हजार रुपये की अंतरिम राशि ट्रांसफर की गई है। राज्य में 75 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

यह राशि बाढ़ प्रभावितों के खाते में डॉयरेक्ट बैनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से पहुंचाई गई है। राज्य सरकार की ओर से यह सुनिश्चित किया गया है कि लाभार्थियों को सहायता राशि पहुंचने में किसी भी प्रकार का विलंब नहीं हो।

मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि इस आर्थिक सहायता को देने का हमारा मुख्य मकसद बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाना है, ताकि उनकी जिंदगी दोबारा से पटरी पर आ सके। वहीं, सरकार की ओर से इसका भी मूल्यांकन किया जा रहा है कि बाढ़ प्रभावित लोगों को कितना नुकसान हुआ है, ताकि उनके लिए मुआवजे की राशि भी तय की जा सके। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर बताया, 'आज सुबह मैंने राज्य के चार जिलों में बाढ़ प्रभावित 75 हजार परिवारजनों के प्रत्येक खाते में 15 हजार रुपये की सहायता राशि ट्रांसफर की है। साथ ही, इसमें 'पीएम सूर्य घर योजना' की राशि भी उन लोगों को पहुंचाई गई है, जो इसके लिए पात्र थे।' मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार की यह प्राथमिकता है कि बाढ़ प्रभावित लोगों को तुरंत कैश में सहायता राशि मिले, ताकि वो अपनी जरूरतों की तत्काल पूर्ति कर सके। मुख्यमंत्री के मुताबिक, हमारी यही प्राथमिकता है कि प्रभावितों को तत्काल सहायता मिले, ताकि उनकी जिंदगी दोबारा से पटरी पर आ सके।

भारत में डेटा सेंटर परियोजना से 2030 तक 4.33 लाख नौकरियों के सृजन होने की संभावना: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में तेजी से विस्तार कर रही डेटा सेंटर परियोजनाएं आने वाले वर्षों में रोजगार, बुनियादी ढांचे और रियल एस्टेट क्षेत्र में बड़े बदलाव की आधारशिला बन सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में प्रस्तावित लगभग 9,030 मेगावाट क्षमता की डेटा सेंटर परियोजनाएं वर्ष 2030 तक करीब 4.33 लाख प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार अवसर पैदा कर सकती हैं। इसके साथ ही आवासीय क्षेत्र में लगभग 19.5 करोड़ वर्गफुट अतिरिक्त मांग उत्पन्न होने का अनुमान है।

रियल एस्टेट परामर्श कंपनी स्क्वायर यार्ड्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत वर्तमान में दुनिया के कुल डिजिटल डेटा का लगभग 20 प्रतिशत उत्पादन करता है, लेकिन वैश्विक डेटा सेंटर क्षमता में उसकी हिस्सेदारी केवल 4 प्रतिशत है। यह स्थिति देश में डेटा सेंटर अवसंरचना के विस्तार की अपार संभावनाओं की ओर संकेत करती है।

रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग और एंटरप्राइज डिजिटाइजेशन में तेजी आने से डेटा सेंटर क्षेत्र में निवेश लगातार बढ़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप देश की स्थापित डेटा सेंटर क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है, जो अवसंरचना-आधारित रियल एस्टेट विकास की नई लहर को जन्म देगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि डेटा सेंटर केवल डिजिटल सेवाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे अपने आसपास बिजली आपूर्ति नेटवर्क, फाइबर संपर्क व्यवस्था, लॉजिस्टिक्स सुविधाओं और व्यावसायिक सेवाओं का विकास भी आकर्षित करते हैं। समय के साथ ये क्षेत्र विकसित होकर नए शहरी आर्थिक केंद्रों का रूप ले लेते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि डेटा सेंटरों का दीर्घकालिक प्रभाव तकनीकी क्षेत्र से कहीं आगे तक जाता है। वे आवासीय मांग, बुनियादी ढांचा निवेश और नए शहरी विस्तार के लिए उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं। इससे उभरते विकास गलियारों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं और नए रोजगार अवसर पैदा होते हैं।

रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि बड़े डेटा सेंटर परिसरों के आसपास 5 से 15 किलोमीटर का क्षेत्र सबसे अधिक लाभान्वित होगा। इस क्षेत्र को रिपोर्ट में 'गोल्डन रिंग' बताया गया है, जहां सड़क, बिजली और संचार सुविधाओं में सुधार के साथ-साथ मिश्रित उपयोग वाली परियोजनाएं, आवासीय टाउनशिप, खुदरा बाजार, सामाजिक सुविधाएं और नागरिक सेवाएं तेजी से विकसित होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, जैसे-जैसे ये सहायक आर्थिक तंत्र परिपक्व होंगे, वैसे-वैसे प्रत्यक्ष कर्मचारियों के अलावा उनसे जुड़े अन्य क्षेत्रों में भी रोजगार बढ़ेगा। यही कारण है कि आवासीय संपत्तियों की मांग लंबे समय तक बनी रहने की उम्मीद है।

कोयला खदान का कचरा अब बनेगा पानी साफ करने का हथियार, नई रिसर्च ने जगाई उम्मीद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अब तक कोयला खदानों से निकलने वाले कोल गैंग्यू को सिर्फ एक बेकार ठोस कचरा माना जाता था। इसे या तो बड़े-बड़े ढेरों में फेंक दिया जाता था या फिर सस्ते निर्माण कार्यों में भराव सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन अब एक नई वैज्ञानिक समीक्षा (रिव्यू स्टडी) ने इस सोच को बदलने की दिशा दिखाई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यही कचरा भविष्य में गंदे पानी को साफ करने वाला प्रभावी कैटेलिस्ट (उत्प्रेरक) बन सकता है।

शोध में बताया गया है कि अगर कोल गैंग्यू को सही तरीके से प्रोसेस किया जाए, तो यह पेरॉक्सीमोनोसल्फेट (पीएमएस) नाम के शक्तिशाली ऑक्सीडेंट को सक्रिय कर सकता है। पीएमएस ऐसे रसायनों को भी तोड़ने में सक्षम है जो सामान्य जल शोधन तकनीकों से आसानी से खत्म नहीं होते। यानी यह तकनीक औद्योगिक अपशिष्ट जल में मौजूद जिद्दी और जहरीले कार्बनिक प्रदूषकों को हटाने में काफी मददगार हो सकती है।

इस अध्ययन के प्रमुख लेखक लिक्सिन ली का कहना है कि अब समय आ गया है कि कोल गैंग्यू को सिर्फ एक निष्क्रिय पदार्थ न माना जाए। इसकी अपनी खनिज संरचना भी रासायनिक प्रतिक्रियाओं में अहम भूमिका निभा सकती है। अगर इसकी प्राकृतिक क्षमता को सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए और फिर इसके साथ उपयुक्त सक्रिय तत्व जोड़े जाएं, तो इससे ज्यादा असरदार और व्यावहारिक जल शोधन तकनीक विकसित की जा सकती है। दरअसल, कोयला खनन और प्रोसेसिंग के दौरान बड़ी मात्रा में कोल गैंग्यू निकलता है। इसे खुले मैदानों में जमा कर दिया जाता है, जिससे कई पर्यावरणीय समस्याएं पैदा होती हैं। ये ढेर जमीन घेरते हैं, मिट्टी के कटाव को बढ़ाते हैं और समय के साथ इनमें मौजूद अम्लीय पदार्थ, नमक और धातुएं आसपास की मिट्टी और जल स्रोतों को प्रदूषित कर सकती हैं। हालांकि, इसी कचरे में सिलिका, एल्यूमिना, लौह युक्त खनिज और कई सूक्ष्म धातुएं भी मौजूद होती हैं, जो इसे एक संभावित उत्प्रेरक बनाती हैं।

रिसर्च में बताया गया है कि अगर इस सामग्री पर गर्मी, पीसने (ग्राइंडिंग) और रासायनिक उपचार जैसे तरीके अपनाए जाएं, तो इसकी संरचना बदल जाती है। गर्म करने से इसके स्थिर खनिज अधिक सक्रिय रूप में बदल जाते हैं। ग्राइंडिंग से इसके कण छोटे हो जाते हैं, नई सतहें बनती हैं और कई सूक्ष्म दोष (डिफेक्ट्स) पैदा होते हैं, जो रासायनिक प्रतिक्रियाओं को तेज करते हैं। वहीं, एसिड या क्षारीय उपचार से इसकी सतह, छिद्र और रासायनिक गुणों में बदलाव आता है। इन सभी प्रक्रियाओं का सही संयोजन इसे पीएमएस के साथ बेहतर तरीके से काम करने लायक बना सकता है। जब पीएमएस सक्रिय होता है, तो यह सल्फेट रेडिकल, हाइड्रॉक्सिल रेडिकल और सिंगलेट ऑक्सीजन जैसे बेहद सक्रिय रासायनिक कण पैदा करता है। ये कण पानी में मौजूद जहरीले कार्बनिक प्रदूषकों को तोड़कर कम हानिकारक पदार्थों में बदल देते हैं।

पेट संबंधित समस्याओं से हैं परेशान? बस 5 मिनट इस योगासन को करने से मिलेगा आराम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिनभर ऑफिस में बैठकर रहने से पेट संबंधित समस्याएं शुरू होने लगती है। लगातार बैठने से पाचन तंत्र धीमा होता है और पेट की चर्बी बढ़ने लगती है। ऐसी स्थिति में पश्चिमोत्तानासन सबसे सरल और असरदार योगासनों में से एक माना जाता है।

'पश्चिम' का अर्थ है, शरीर का पिछला हिस्सा और 'उत्तान' का अर्थ खिंचाव होता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर आगे की तरफ झुकता है, जिससे पेट के अंगों पर हल्का-सा दवाब पड़ता है। इससे पाचन बेहतर होता है, पेट की चर्बी कम होती है और कब्ज की भी शिकायत दूर होती है। साथ ही, ये रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाकर दिनभर की थकान भी दूर करता है।

आयुष मंत्रालय के इंस्टाग्राम पोस्ट के अनुसार, पश्चिमोत्तानासन पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने के साथ-साथ साइटिका की संभावना को भी कम करता है। यह कब्ज, मोटापा, अपच और त्वचा रोगों को दूर करने में भी सहायक होता है।

रोजाना कुछ समय तक इस आसन को करने से शरीर लचीला बनता है, पाचन में सुधार होता है, और तनाव कम होता है। इस आसन को करने के समय साधक अपने पैरों की तरफ झुकते हैं, जिससे रीढ़ की हड्डी से लेकर पैरों की मांसपेशियों तक पूरा खिंचाव होता है।

योग शास्त्रों में इस आसन को लंबी उम्र और बेहतर सेहत का राजा बताया गया है। इस आसन को करने से शरीर में खून का संचार बेहतर होता है, मोटापा कम होता है, और मन शांत रहता है। यह एक ऐसा योगासन है, जिसे हर उम्र के साधक कर सकते हैं।

पश्चिमोत्तानासन करने से पहले इसका सही तरीका जानना जरूरी है। शुरुआत में शरीर पर अधिक दबाव न डालें। इस आसन के लिए सबसे पहले जमीन पर दोनों पैर सीधे फैलाकर बैठ जाएं। इसके बाद गहरी सांस लें और धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें। हाथों से पैर के अंगूठों को छूने का प्रयास करें और सिर को घुटनों के पास लाएं। इस स्थिति में कुछ सेकंड रुकें, फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए वापस सामान्य अवस्था में आ जाएं।

मंत्रालय ने अपने पोस्ट में उन लोगों को यह आसन करने से मना किया, जिनके पेट में अल्सर है। साथ ही विशेषज्ञ से परामर्श लेने की भी बात कही है।

मुल्तानी मिट्टी में मिलाएं ये 5 चीजें, चेहरे की गंदगी और ऑयली स्किन से मिलेगा छुटकारा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज के समय में बाजार में चेहरे पर निखार लगाने के लिए तरह-तरह के महंगे प्रोडक्ट मौजूद हैं, लेकिन केमिकल युक्त होने के चलते लोग इन प्रोडक्ट्स पर भरोसा करने में हिचकिचाते है। ऐसे में वे प्राकृतिक चीजों की ओर लौट रहे है। इन्हीं प्राकृतिक चीजों में मुल्तानी मिट्टी का नाम सबसे ऊपर आता है। आज भी घरों में इसका इस्तेमाल त्वचा की सफाई और देखभाल के लिए किया जाता रहा है। मुल्तानी मिट्टी को त्वचा के लिए इसलिए खास माना जाता है क्योंकि यह चेहरे पर जमा अतिरिक्त तेल, धूल और गंदगी को हटाने में मदद करती है।

मुलतानी मिट्टी में मौजूद प्राकृतिक तत्व त्वचा को साफ रखने और फ्रेश महसूस कराने में मददगार होते हैं। हालांकि, सभी की त्वचा अलग होती है, इसलिए मुल्तानी मिट्टी में कुछ ऐसी प्राकृतिक चीजें मिलाई जा सकती हैं, जो अलग-अलग स्किन टाइप के हिसाब से बेहतर असर दे सकें।

ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल का मिश्रण फायदेमंद है। जिन लोगों के चेहरे पर ज्यादा तेल आता है, उनके लिए यह पैक त्वचा को साफ करने में मदद करता है। गुलाब जल त्वचा को ठंडक देने और ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। मुल्तानी मिट्टी के साथ इसे मिलाकर लगाने से चेहरे पर जमा अतिरिक्त तेल कम महसूस होता है और त्वचा ज्यादा साफ नजर आती है। इसे कुछ समय तक चेहरे पर लगाने के बाद पानी से धो लें। लेकिन बता दें कि इसका ज्यादा इस्तेमाल करने से त्वचा में रूखापन आ सकता है।

अगर त्वचा रूखी या बेजान नजर आती है तो मुल्तानी मिट्टी में दही मिलाकर लगाए। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की ऊपरी परत पर मौजूद मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है, जिससे चेहरा मुलायम महसूस होता है। वहीं, मुल्तानी मिट्टी त्वचा से गंदगी साफ करने में मदद करती है। दोनों का मिश्रण त्वचा को तरोताजा करता है। सेंसेटिव त्वचा वाले लोगों को इसे पहले थोड़ी मात्रा में लगाकर देखना चाहिए।

सामान्य त्वचा वालों के लिए मुल्तानी मिट्टी में शहद मिलाना फायदेमंद होता है। शहद में प्राकृतिक नमी बनाए रखने वाले गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा को सूखने से बचाने में मदद करते हैं। कई लोगों को मुल्तानी मिट्टी लगाने के बाद त्वचा में खिंचाव महसूस होता है, ऐसे में शहद मिलाने से त्वचा को अतिरिक्त नमी मिलती है। यह मिश्रण चेहरे को ज्यादा मुलायम और फ्रेश दिखाने में मदद करता है।

धूप के कारण अगर त्वचा पर जलन महसूस हो रही है, तो मुल्तानी मिट्टी में एलोवेरा जेल मिलाकर लगाएं।

एलोवेरा त्वचा को ठंडक देने के लिए जाना जाता है, और इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व त्वचा को शांत करने में मदद करते हैं। मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का मिश्रण त्वचा को राहत देने और चेहरे को तरोताजा महसूस कराने में मददगार होता है।

मधुमेह, कब्ज और तनाव में लाभकारी 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन', जाने इसके लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। शरीर, मन और आत्मा के संतुलित विकास के लिए योग संस्कृति में अनेकों आसनों का वर्णन मिलता है। 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन' उन्हीं प्रमुख आसनों में से एक है। यह रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने, पाचन तंत्र को सुदृढ़ करने तथा शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय रखने में सहायक माना जाता है।

यह आसन हठ योग की प्राचीन परंपरा का अंग है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसे लेकर सटीक जानकारी दी है, जिसके अनुसार 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन' का नियमित अभ्यास करने से एड्रिनल ग्रंथि की स्थिति में सुधार होता है। साथ ही, यह कब्ज, दमा और पाचन संबंधी समस्याओं से निजात भी दिलाता है। मधुमेह रोगियों के लिए भी यह एक अच्छा विकल्प है। साथ ही यह आसन पेनक्रियाज को एक्टिव करता है।

यह मांसपेशियों को लचीला बनाता है और ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर करता है और शरीर को डिटॉक्स करता है।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले योगा मैट बिछा लें। इसके बाद दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं और रीढ़ को सीधा रखते हुए अपने दाएं पैर के घुटने को मोड़ते हुए बाहर की ओर निकालें। इसके बाद बाएं पैर का तल जमीन पर पूरी तरह टिका होना चाहिए। सिर को दाईं ओर घुमाएं और कंधे की दिशा में देखें। इस दौरान सामान्य गहरी सांस लेनी चाहिए। इसको लगभग 30 सेकंड तक करने के बाद सामान्य स्थिति में ले आएं, लेकिन इस बात का ध्यान रहे कि इसे करने के दौरान ध्यान रीढ़ की हड्डी और सांस पर केंद्रित करना चाहिए। शुरुआती अभ्यास में बहुत अधिक जोर न लगाएं और अभ्यास की अवधि धीरे-धीरे बढ़ाएं। यह आसन करने से पहले योग विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहद महत्वपूर्ण है, ताकि सही तरीके से आसन करने की सलाह मिल सके। योग का अहम सूत्र है कि इसे दोपहर में न करें।

डेस्क जॉब वालों के लिए रामबाण है डोलासन, जानें अद्भुत फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । आज की भागदौड़भरी जिंदगी में अनियमित आहार और एक ही जगह देर तक बैठकर काम करने से शरीर रोगों का शिकार हो रहा है। हालांकि, बीच-बीच में समय निकालकर योग करने से फिर से तरोताजा महसूस होने लगता है। इन्हीं, डोलासन एक ऐसी योग मुद्रा है, जो शरीर की मांसपेशियों को मजबूती देने में मदद करता है।

यह एक हठ योग मुद्रा है, जो दो शब्दों से मिलकर बना है। 'डोल' = झूलना' आसन' = योग मुद्रा। इसके नियमित अभ्यास से थकान, सिरदर्द और तनाव से राहत मिलती है।

इस आसन को करने के दौरान शरीर के ऊपरी हिस्से को पेंडुलम की तरह आगे-पीछे झुलाया जाता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसके महत्ता पर जोर दिया है। उनके अनुसार, डोलासन (पेंडुलम या झूलने की मुद्रा) एक गतिशील योगासन है, जो लचीलापन, रीढ़ की मजबूती और संतुलन बढ़ाता है।

इस आसन के नियमित अभ्यास से पेट और कोर की मांसपेशियों को मजबूत करता है पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव देकर दर्द कम करता है। हैमस्ट्रिंग यानी जांघ के पीछे की नसों को टोन करता है। साथ ही, रीढ़ की नसों को एक्टिव करके रीढ़ को लचीला बनाता है।

इसे करना बेहद आसान है। सबसे पहले दोनों पैरों को थोड़ा चौड़ा करके सीधे खड़े हो जाएं। गहरी सांस लेते हुए दोनों हाथों को आपस में इंटरलॉक करें और सिर के पीछे रखें। सांस छोड़ते हुए अपने धड़ (अपर एब्डोमेन) को पेंडुलम की तरह दाएं से बाएं और बाएं से दाएं झुलाएं। इस दौरान शरीर का ऊपरी हिस्सा घड़ी के पेंडुलम की भांति गति करता है। रोजाना 1-2 मिनट करने से शरीर में हल्कापन और ऊर्जा महसूस होती है। शुरु में इस आसन को करने में साधक को दिक्कत हो सकती है, लेकिन जैसे-जैसे वे इस आसन को अपनी जीवनशौली का हिस्सा बनाएंगे। धीरे-धीरे आदत हिस्सा बन जाएगी।

हालांकि, सिर्फ योगासन करने के साथ-साथ साधक को संतुलित आहार का सेवन भी करना चाहिए, तभी किसी आसन को करने का फायदा है। उच्च रक्तचाप के रोगी इसे न करें।हर्निया या गंभीर कमर दर्द की स्थिति में डॉक्टर की सलाह लें।

इजरायल में अब से तंबाकू उत्पादों के 75 प्रतिशत हिस्से पर ग्राफिक चेतावनी तस्वीरें अनिवार्य, कैंसर संस्थान ने बताई वजह

विश्व केसरी ■

यरुशलम। इजरायल में हर महीने करीब एक हजार लोगों की मौत की वजह तंबाकू होता है। स्वास्थ्य मंत्री ने इसकी जानकारी दी। बहुत सोच विचार के बाद आखिरकार इजरायल में रविवार से नए तंबाकू नियंत्रण नियम लागू हो गए हैं, जिनके तहत सभी तंबाकू और निकोटीन उत्पादों की पैकेजिंग पर स्वास्थ्य संबंधी गंभीर दुष्प्रभाव दिखाने वाली ग्राफिक चेतावनी तस्वीरें लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। यह नियम पारंपरिक सिगरेट, ई-सिगरेट, रोलिंग तंबाकू, हुक्का उत्पादों और निकोटीन पाउच सहित सभी धूम्रपान उत्पादों पर लागू होगा। नए नियमों के अनुसार, तंबाकू उत्पादों की पैकेजिंग का कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा ऐसी तस्वीरों से ढका होगा, जिनमें धूम्रपान और निकोटीन के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान को स्पष्ट रूप से दिखाया जाएगा। पैकेजिंग का शेष 25 प्रतिशत हिस्सा उसी सादे रंग में रहेगा, जिसे इजरायल ने वर्ष 2020 में ब्रांड के लोगो और आकर्षक डिजाइन को समाप्त करने के लिए अनिवार्य किया था। इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि चेतावनी तस्वीरों को तैयार करते समय स्थानीय सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनशीलताओं का ध्यान रखा गया है, जबकि उनका प्रभाव सभी आयु और सामाजिक वर्गों के लोगों पर समान रूप से पड़े, यह भी सुनिश्चित किया गया है।

सरकार ने नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया है। जो कंपनियां या आयातक निर्धारित मानकों के अनुरूप पैकेजिंग के बिना तंबाकू उत्पादों का वितरण करेंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जा सकता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 | भारत का यादगार प्रदर्शन

हर उस एथलीट पर गर्व है, जिन्होंने तिरंगे के सम्मान के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया

— मनसुख मांडविया, केंद्रीय खेल मंत्री —

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रदर्शन यादगार रहा। देश ने 13 गोल्ड समेत कुल 39 मेडल अपने नाम किए। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय दल के ऐतिहासिक प्रदर्शन की जमकर तारीफ की है। खेल मंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। भले ही ग्लासगो 2026 का आयोजन सीमित स्तर पर हुआ और इसमें वे कई खेल शामिल नहीं थे जिनमें भारत पारंपरिक रूप से अच्छा प्रदर्शन करता रहा है, फिर भी टीम इंडिया ने बर्मिंघम 2022 के मुकाबले समान खेलों में 30 पदकों की तुलना में इस साल 39 पदक जीते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय खेलों की बढ़ती क्षमता और मजबूती साफ तौर पर दिखाई दे रही है।' मनसुख मांडविया ने आगे लिखा, 'हमें हर उस एथलीट, कोच और सपोर्ट स्टाफ पर गर्व है जिन्होंने तिरंगे के सम्मान के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया। जैसे-जैसे भारत 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, हम इन खेलों के इतिहास के सबसे बेहतरीन आयोजनों में से एक को पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय दल के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, 'कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 को भारत की खेल यात्रा में एक यादगार अध्याय के तौर पर याद किया जाएगा, जिसमें ऐतिहासिक उपलब्धियां, रिकॉर्ड तोड़ने वाले प्रदर्शन और चैंपियंस की एक नई पीढ़ी का उदय शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, खेल इंफ्रास्ट्रक्चर, एथलीटों की भलाई और जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने में भारत का लगातार निवेश वैश्विक मंच पर ऐतिहासिक सफलता में बदल रहा है।' रक्षा मंत्री ने आगे लिखा, 'भारत बॉक्सिंग मेडल टेबल में सबसे ऊपर रहा और कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया। किसी भी देश ने कॉमनवेल्थ गेम्स के एक ही संस्करण में बॉक्सिंग में इतने गोल्ड मेडल नहीं जीते हैं; यह एक शानदार उपलब्धि है जो रिंग में भारत के बढ़ते दबदबे को दिखाती है। एथलेटिक्स ने नई ऊंचाइयां छुईं, जिसमें भारत ने अपने देश से बाहर आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। इन खेलों में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हुईं, जिनमें एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों की 5000 मीटर और 10000 मीटर दौड़ में भारत के पहले मेडल, पहला डेकाथलॉन मेडल, ऐतिहासिक जूडो गोल्ड और कई अन्य शानदार उपलब्धियां शामिल हैं। राजनाथ सिंह ने पैरा एथलीट्स के यादगार प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने लिखा, 'पैरा-एथलेटिक्स ने भी एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया।

"भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। भले ही ग्लासगो 2026 का आयोजन सीमित स्तर पर हुआ और इसमें वे कई खेल शामिल नहीं थे जिनमें भारत पारंपरिक रूप से अच्छा प्रदर्शन करता रहा है, फिर भी टीम इंडिया ने बर्मिंघम 2022 के मुकाबले समान खेलों में 30 पदकों की तुलना में इस साल 39 पदक जीते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय खेलों की बढ़ती क्षमता और मजबूती साफ तौर पर दिखाई दे रही है।

"हमें हर उस एथलीट, कोच और सपोर्ट स्टाफ पर गर्व है जिन्होंने तिरंगे के सम्मान के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया। जैसे-जैसे भारत 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, हम इन खेलों के इतिहास के सबसे बेहतरीन आयोजनों में से एक को पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन | वर्ल्ड चैंपियन जॉर्जीव के खिलाफ ओवैस याकूब की धमाकेदार जीत

ओवैस याकूब की ऐतिहासिक जीत पर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने दी बधाई

"देश के लिए गर्व का क्षण"

नई दिल्ली। भारत के मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स खिलाड़ी ओवैस याकूब ने शनिवार को बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो बार के वर्ल्ड चैंपियन और अजेय फाइटर डेलियन जॉर्जीव को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ओवैस याकूब को इस खास जीत के लिए बधाई दी है।

"मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के प्रतिभाशाली एमएमए फाइटर ओवैस याकूब को बुल्गारिया में ब्रेव कॉम्बैट फेडरेशन 107 में मिली शानदार जीत पर बधाई दी, जहां उन्होंने दो बार के आईएमए एमएफ वर्ल्ड चैंपियन को हराया, जो अब तक अजेय थे। इस उपलब्धि को जम्मू-कश्मीर और देश के लिए गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री ने उनके निरंतर सफल होने और वैश्विक मंच पर और भी कईउपलब्धियां

- उमर अब्दुल्ला, मुख्यमंत्री, जम्मू-कश्मीर

ओवैस याकूब की जीत की खास बातें

- **प्रतिद्वंद्वी:** दो बार के वर्ल्ड चैंपियन डेलियन जॉर्जीव (बुल्गारिया)
- **मुकाबला:** 68 किलोग्राम कैचवेट
- **जीत का तरीका:** तकनीकी नॉकआउट
- **समय:** सिर्फ 4 मिनट में मुकाबला समाप्त
- **रिकॉर्ड:** लगातार छह मैचों की जीत का सिलसिला जारी

जीत के बाद बोले ओवैस याकूब

"यह जीत मेरे लिए ही नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर और पूरे भारत के लिए गर्व की बात है। मैंने रिंग में उतरते समय यही सोचा था कि मैं इस मैच का अंत पहले राउंड में ही कर दूंगा, और अल्लाह की मेहरबानी से मैं

याकूब की जीत भारतीय एमएमए के इतिहास में सबसे बड़ी जीतों में से एक मानी जा रही है

नई दिल्ली । भारत के मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स खिलाड़ी ओवैस याकूब ने शनिवार को बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो बार के वर्ल्ड चैंपियन और अजेय फाइटर डेलियन जॉर्जीव को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ओवैस याकूब को इस खास जीत के लिए बधाई दी है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जम्मू-कश्मीर मुख्यमंत्री के आधिकारिक पेज पर बताया गया, 'मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के प्रतिभाशाली एमएमए फाइटर ओवैस याकूब को बुल्गारिया में ब्रेव कॉम्बैट फेडरेशन 107 में मिली शानदार जीत पर बधाई दी, जहां उन्होंने दो बार के आईएमएमएएफ वर्ल्ड चैंपियन को हराया, जो अब तक अजेय थे। इस उपलब्धि को जम्मू-कश्मीर और देश के लिए गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री ने उनके निरंतर सफल होने और वैश्विक मंच पर और भी कई उपलब्धियां हासिल करने की कामना की।

ओवैस याकूब ने 68 किलोग्राम के कैचवेट मुकाबले में बुल्गारिया के जॉर्जीव को तकनीकी नॉकआउट के जरिए शिकस्त दी। याकूब जम्मू-कश्मीर के पुलवामा के रहने वाले हैं और उन्होंने जॉर्जीव को हराने के लिए सिर्फ 4 मिनट का समय लिया। यह जॉर्जीव के करियर की पहली हार रही। वहीं, याकूब ने अपने लगातार छह मैच जीतने के रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाया है। याकूब ने शुरुआत से ही बुल्गारिया के फाइटर के खिलाफ अपना दबदबा बनाए रखा और उन्हें वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया।

ओवैस याकूब के प्रहारों का जॉर्जीव के पास कोई जवाब नहीं था और वह पूरे मुकाबले में बैकफुट पर ही दिखाई दिए। याकूब ने रिंक में उतरने के साथ ही भविष्यवाणी की थी कि वह इस मैच का अंत पहले राउंड में ही कर देंगे। भारतीय एमएमए फाइटर अपनी भविष्यवाणी को दमदार प्रदर्शन के बूते सही साबित करने में भी सफल रहा।

'हमारे दल के प्रदर्शन पर गर्व है', पीएम मोदी ने सीडब्ल्यूजी 2026 में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सराहा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 भारत के लिए यादगार रहा। रेसलिंग, बैडमिंटन और शूटिंग जैसे खेलों की गैरमौजूदगी के बावजूद देश की झोली में कुल 39 मेडल आए, जिसमें 13 गोल्ड शामिल रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीडब्ल्यूजी में भारतीय दल के ऐतिहासिक प्रदर्शन की सराहना की है।

पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भारतीय खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए लिखा, 'ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में हमारे दल के प्रदर्शन पर गर्व है। इस बात की खुशी है कि भारत ने 39 मेडल जीते हैं, जिनमें 13 गोल्ड मेडल शामिल हैं। मेडल जीतने वालों को बधाई। पूरे गेम्स के दौरान, हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने बेहतरीन कौशल, दृढ़ संकल्प और समर्पण दिखाया है। उनकी कड़ी मेहनत हमारे युवाओं को प्रेरित करती रहेगी। भविष्य की कोशिशों के लिए पूरे भारतीय दल को मेरी शुभकामनाएं। वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहें और देश का मान बढ़ाते रहें।'

भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। भारत मुक्केबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 10 मेडल अपने नाम किए, जिसमें 7 गोल्ड शामिल रहे। यह पहला मौका है जब मुक्केबाजी में भारत ने 7 गोल्ड जीते हैं। इसके साथ ही देश को सीडब्ल्यूजी के इतिहास में जूडो के खेल में पहली बार दो गोल्ड मेडल मिले। अस्मिता डे ने जूडो में देश को पहला गोल्ड मेडल दिलाया, जबकि हर्ष सिंह भी गोल्ड को अपने नाम करने में कामयाब रहे।

वहीं, गुलवीर सिंह एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में दो मेडल जीतने वाले 'ट्रैक एंड फील्ड' में भारत के पहले खिलाड़ी बने। लॉन्ग डिस्टेंस रनर गुलवीर ने पहले 10 हजार मीटर की रेस में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने 5 हजार मीटर की रेस में देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। गुलवीर 5 हजार मीटर रेस में मेडल जीतने वाले भी पहले भारतीय एथलीट बने। वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू ने गोल्ड जीतने की हैट्रिक लगाई।

सीडब्ल्यूजी 2026: सदन में लोकसभा अध्यक्ष ने की भारत के प्रदर्शन की तारीफ, मेडल जीतने वाले सभी खिलाड़ियों को दी बधाई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित हुए कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में भारत का प्रदर्शन यादगार रहा। भारत ने कुल 39 मेडल जीते, जिसमें 13 गोल्ड मेडल शामिल रहे। सदन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देश के लिए मेडल जीतने वाले सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर सराहना की और उन्हें बधाई दी।

सदन में प्रश्नकाल की शुरुआत से पहले लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, '23वें कॉमनवेल्थ गेम्स में अस्मिता डे, हर्ष सिंह, प्रीति पवार, जैस्मिन लेम्बोरिया, साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवास, अंकुश पंघाल और सोमन राणा ने गोल्ड मेडल जीता है। नीरज चोपड़ा, प्रवीण चित्रवेल, यामिनी मौर्या, लवलीना बोरगोहेन, नरेंद्र बेरवाल, पैरा एथलीट शुभम जुयाल ने सिल्वर मेडल जीता है। तेजस्विन शंकर, यशवीर सिंह, सेल्वा प्रभु, उन्नति शर्मा और गुलवीर सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल जीता है।'

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, 'इन खेलों में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज सहित कुल 39 मेडल जीते हैं। भारत ने मेडल टैली में चौथा स्थान हासिल किया है। इन खेलों में हमारी महिलाओं ने अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय देते हुए 8 गोल्ड समेत 16 मेडल जीते हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स का अगला संस्करण भारत के अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा। कल क्लोजिंग सेरेमनी के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स का बैटन भारत को सौंप दिया गया है।'

ओम बिरला ने भारतीय एथलीटों को बधाई देते हुए उनकी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, '23वें कॉमनवेल्थ गेम्स में अपने लाजवाब प्रदर्शन से करोड़ों युवाओं और खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। मैं सदन की ओर से देश का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों, उनके कोच और टीम इंडिया को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।'

भारत का प्रदर्शन कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार रहा। देश ने जूडो में पहली बार दो गोल्ड मेडल अपने नाम किए। इसके साथ ही भारतीय मुक्केबाजों ने पहली बार गेम्स में 7 गोल्ड समेत कुल 10 मेडल जीते। वहीं, लॉन्ग डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह एक कॉमनवेल्थ गेम्स में दो मेडल जीतने वाले ट्रैक एंड फील्ड में पहले भारतीय खिलाड़ी बने।

विजेंद्र सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल में भारत के प्रदर्शन पर राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंद्र सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के एथलीटों के प्रदर्शन पर बधाई देने वाले किसी भी सार्वजनिक संदेश के अभाव पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सवाल किया और कहा कि देश की खेल उपलब्धियों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठना चाहिए।

विजेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी अक्सर देश के युवाओं की बात करते हैं, लेकिन राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के एथलीटों के शानदार प्रदर्शन के लिए आपकी ओर से अभी तक एक भी बधाई संदेश या ट्वीट नहीं आया है। जब भारत के युवा तिरंगा ऊंचा लहरा रहे हैं, तो राजनीति से ऊपर उठकर उनका मनोबल बढ़ाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।'

भारत के लिए मुक्केबाजी में पहला ओलंपिक पदक जीतने वाले पूर्व मुक्केबाज ने यह पोस्ट ऐसे समय में साझा किया जब भारतीय एथलीट 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए प्रशंसा बटोर रहे थे।

इससे पहले, विजेंदर ने खेलों में भारतीय मुक्केबाजी दल के ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी थी।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'जिम्मेदारी सफलतापूर्वक सौंप दी गई है।

चेल्सी एफसी ने अर्जेंटीना के खिलाड़ी वैलेंटीन बारको को किया साइन, 2033 तक का हुआ करार

विश्व केसरी

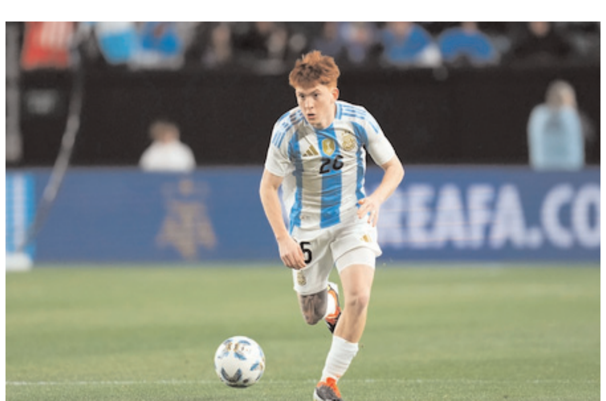

लंदन । चेल्सी एफसी ने आरसी स्ट्रासबर्ग से अर्जेंटीना के इंटरनेशनल खिलाड़ी वैलेंटीन बारको को साइन करने की पुष्टि की है। मिडफील्डर ने 2033 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है।

अर्जेंटीना के 22 वर्षीय खिलाड़ी प्री-सीजन के दौरान मैनेजर जाबी अलोंसो और अपनी नई टीम के साथियों के साथ जुड़ेंगे। 22 वर्षीय बारको ने अर्जेंटीना में बोका जूनियर्स के साथ अपना करियर शुरू किया था। अकादमी में आगे बढ़ने के बाद उन्होंने 16 साल की उम्र में अपना प्रोफेशनल डेब्यू किया और 2024 में ब्राइटन एंड होव एल्बियन में शामिल होने के लिए इंग्लैंड जाने से पहले कई खिताब जीते।

ससेक्स कोस्ट पर रहने के दौरान, वह कुछ समय के लिए सेविला और आरसी स्ट्रासबर्ग के लिए लोन पर खेले। 2024/25 सीजन में शानदार प्रदर्शन और स्ट्रासबर्ग को यूरोपियन फुटबॉल में जगह दिलाने में मदद करने के बाद, वे स्थायी रूप से स्ट्रासबर्ग से जुड़ गए। पिछले सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में 43 मैचों में बारको ने 12 गोल में योगदान दिया। क्लब स्तर पर उनके शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया था। पिछले सीजन में, वे स्ट्रासबर्ग टीम का हिस्सा थे जो यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग के सेमीफाइनल तक पहुंची थी।21 वर्षीय बारको फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंचने वाली अर्जेंटीना टीम के सबसे युवा खिलाड़ी थे। हालांकि, खिताबी मुकाबले में अर्जेंटीना का लगातार दूसरी बार ट्रॉफी को अपने नाम करने का सपना अधूरा रह गया था और स्पेन ने 1-0 से बाजी मारी थी। बारको ने अब तक पांच बार अर्जेंटीना की सीनियर टीम का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में जाम्बिया और आइसलैंड के खिलाफ जीत में दो गोल किए थे और जॉर्डन के खिलाफ ग्रुप स्टेज की जीत में अपना वर्ल्ड कप डेब्यू किया। जाम्बिया के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में बारको ने अर्जेंटीना की सीनियर टीम के लिए अपना पहला गोल किया था।

वेस्टइंडीज बनाम पाकिस्तान: ग्रीव्स-किंग की दमदार पारी, शुरुआती झटकों से उभरी कैरेबियाई टीम

विश्व केसरी

त्रिनिदाद। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वींस पार्क ओवल मैदान पर सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म होने तक कैरेबियाई टीम ने 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 239 रन लगा लिए हैं।

वेस्टइंडीज की टीम शुरुआती झटकों से उबरने में सफल रही। कप्तान रोस्टन चेज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कैरेबियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टैगेनारिन चंदरपॉल सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, केवम हॉज बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 10 रन बनाकर आउट हुए। आमिर जांगू अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और वह 55 गेंदों का सामना करने के बाद 26 रन बनाकर आउट हुए।

शाई होप भी बल्ले से कुछ खास योगदान नहीं दे सके और 29 रन बनाकर आउट हुए। ब्रेंडन किंग 50 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 46 रन बनाने के बाद आउट हुए। 173 के स्कोर पर वेस्टइंडीज 5 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही थी। हालांकि, इसके बाद जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज ने टीम की लड़खड़ाती हुई पारी को संभाला। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए अब तक 66 रनों की साझेदारी हो चुकी है। चेज 70 गेंदों का सामना करने के बाद 5 चौकों की मदद से 36 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। वहीं, ग्रीव्स 125 गेंदों का सामना करने के बाद 64 रन बनाकर क्रीज पर बने हुए हैं। गेंदबाजी में पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद अली ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए, जबकि उबैद शाह, अली उस्मान और साजिद खान एक-एक विकेट निकाल चुके हैं।

इससे पहले, पाकिस्तान ने पहले टेस्ट में टीम की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं दी। कप्तान बाबर आजम ने बताया कि अब्बास को टीम से ड्रॉप कंडिशंस को देखते हुए किया गया है। पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में कुल चार बदलाव किए हैं। चोट के चलते दूसरे टेस्ट से बाहर हो चुके शान मसूद के स्थान पर अब्दुल शफीक को मौका मिला है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415